



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

तं० ६]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी ८, १९७५ (माघ १९, १८९६)

No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 8, 1975 (MAGHA 19, 1896)

इस भाग में भिन्न पुष्ट संह्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक, संघ लंबक हेतु अधिकार, रेल विभाग और भारत सरकार के संसाधन और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

भ्रम मन्त्रालय

भ्रम ब्यूरो

शिमला-४, दिनांक ८ फरवरी १९७५

सं० २३/३/७४-नी० पी० आई०—दिसम्बर, १९७४
में औद्योगिक श्रमिकों का अद्वितीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष १९६०=१००) नवम्बर स्तर से पाँच अंक घट कर ३२६ (तीन सौ छब्बीस) रहा। दिसम्बर, १९७४ माह का सूचकांक १९४९ आधार वर्ष ५८ लरिवर्टिं किये जाने पर ३९६ (तीन सौ छयानवे) आता है।
कृष्ण कुमार भाटिया
निदेशक

उद्योग तथा नागरिक संभरण मन्त्रालय

औद्योगिक विकास मन्त्रालय

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक १८ दिसम्बर १९७४

सं० ए० १९०१८(१५७)/७४—प्रकाशन (राजपत्रित) विकास आयुक्त (लघु उद्योग) महालेखापाल केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली के कार्यालय के लेखा अधिकारी को विकास आयुक्त लघु उद्योग, नई दिल्ली के कार्यालय में दिनांक ७ दिसम्बर, १९७४ पूर्वांक से प्रतिनियुक्ति पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।
के० बी० नारायणन, निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति और पुनर्वास मन्त्रालय

पूर्ति विभाग

राष्ट्रीय परीक्षण गृह अलीपुर

कलकत्ता-२७, दिनांक १२ दिसम्बर १९७४

सं० जी० ३१८/ए—राष्ट्रीय परीक्षण गृह अलीपुर के निदेशक ने श्री न० माधवन (जो कि वित्त मन्त्रालय के स्थायी सहायक हैं और सर्वग हैं और पूर्ति विभाग के भीतरी वित्त विभाग में काम करते हैं) को राष्ट्रीय परीक्षण गृह बम्बई शाखा, बम्बई में सहायक निदेशक (प्रशासन) श्रेणी II, २०-११-७४ की सुबह से आगे आदेश तक नियुक्त किया है।

२. श्री न० माधवन ने २०-११-७४ की सुबह से राष्ट्रीय परीक्षण गृह बम्बई शाखा, बम्बई में सहायक निदेशक (प्रशासन) श्रेणी II के पद का कार्यभार सभाल लिया है।

एस० के० बोस, उपनिदेशक (रसायन)
हेते निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-१)

नई दिल्ली, दिनांक ३१ दिसम्बर १९७४

सं० प्र-१/१ (७६२)—राष्ट्रपति, भारत कोर्किंग कोल लि०

धनबाद में वरिष्ठ कर्प अधिकारी श्री जनार्दन महाय को दिनांक 2 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II में उप-निदेशक पूर्ति के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/1(929)—श्री डी० के० डे० सरकार ने डी० जी० ओ०एफ० (रक्षा मन्त्रालय) के अधीन हाई एक्सप्लोसिव फैक्टरी, किरकी (पूना) जो कि उनका मूल कार्यालय है में उप प्रबन्धक के पद पर वापस लौटने के कारण 8 नवम्बर 1974 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में उप-निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) का पदभार छोड़ दिया।

सं० प्र०-1/1(242)—राष्ट्रपति, पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-I) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III) श्री महमान सिंह को दिनांक 30 नवम्बर 1974 के अपराह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान निदेशक बम्बई के कार्यालय में भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II में उप निदेशक पूर्ति के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/1(224) राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थायी निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-I) श्री जे० सी० भंडारी को दिनांक 15 नवम्बर 1974 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उप महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान कलकत्ता के कार्यालय में उप महानिदेशक (पूर्ति तथा निपटान) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/1(950)—श्री एस० के० बन्दोपाध्याय ने निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) के पद पर नियुक्त होने पर दिनांक 30-11-74 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) का पदभार छोड़ दिया।

सं० प्र०-1/1(903)—श्री एम० एस० सुन्दरेश्वरम ने अपने मूल कार्यालय डी० जी० एफ० एम० एस० (रक्षा मन्त्रालय) को लौटने पर पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में दिनांक 30 नवम्बर, 1974 के अपराह्न से सहायक निदेशक पूर्ति ग्रेड-II का पदभार छोड़ दिया।

सं० प्र०-6/247(287)/60—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) श्री के० गंगुली को दिनांक 30-11-74 के पूर्वाह्न से भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-III की इंजी० शाखा में निरीक्षण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री के० गंगुली ने दिनांक 30-11-74 के पूर्वाह्न से कलकत्ता निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया तथा 30-11-74 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन उसी मंडल में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

सं० प्र०-6/247(276)/60—राष्ट्रपति श्री ए० के०बोस, सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) को दिनांक 2-12-74 के अपराह्न से भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-III की इंजी० नियरीक्षण शाखा में निरीक्षण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री ए० के० बोस ने दिनांक 2-12-74 (अपराह्न) को कलकत्ता निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया तथा 2-12-74 के अपराह्न से ही पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन उसी मंडल में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

सं० 17001(78)/74-प्र-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के मुख्य कार्यालय में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड III) श्री एस० के० बन्दोपाध्याय को दिनांक 11-12-74 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक कलकत्ता निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

श्री बन्दोपाध्याय ने 30-11-74 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के मुख्य कार्यालय में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-III) का पदभार छोड़ दिया तथा दिनांक 11-12-74 (पूर्वाह्न) से कलकत्ता निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी का पदभार सम्भाल लिया।

सं० प्र-6/247(292)/60—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री आर० जे० बजीरानी को दिनांक 3-12-74 के पूर्वाह्न से भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-III की इंजी० नियरीक्षण शाखा में निरीक्षण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री बजीरानी ने 27-11-1974 के अपराह्न से बम्बई निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पद छोड़ दिया और 28-11-74 से 2-12-74 तक 5 दिन के अंतर्वाच के पश्चात् 3 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से बम्बई निरीक्षण मंडल में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पद भार सम्भाल लिया।

सं० ए-17011/56/73-प्र-6—स्थायी भंडार परीक्षक और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन मद्रास निरीक्षण मंडल में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) श्री पी० श्रावण राज० दिनांक 30-11-74 (अपराह्न) से निवृत्त आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० ए-17011/79/74-प्र-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) श्री के० वी० नारायणन को दिनांक 18-12-74 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया।

श्री नारायणन ने दिनांक 18-12-74 पूर्वाह्न से पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) का पदभार छोड़ दिया तथा दिनांक 18-12-74 पूर्वाह्न से बम्बई निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

सं० प्र-6/247(343)/62/II—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री ए० के० सूर को दिनांक 30-11-74 के पूर्वाह्न से भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-I के ग्रेड-II की इंजी० नियरीक्षण शाखा में निरीक्षण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री ए० के० सूर ने 30-11-74 के पूर्वाह्न से कलकत्ता निरीक्षण मंडल में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया तथा दिनांक 30-11-74 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के उसी मंडल में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया ।

सं० प्र-6/247(279)/60/II—राष्ट्रपति, निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री ए० टी० नचनानी को दिनांक 20-11-74 के पूर्वाह्न से भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-I के ग्रेड-III की हंजीनियरी प्राक्षा में निरीक्षण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

श्री नचनानी ने दिनांक 8-8-74 के पूर्वाह्न को बम्बई निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 20-11-74 के पूर्वाह्न से मद्रास निरीक्षण मंडल में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाललिया ।

सं० प्र-6/247(198)/III—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन मद्रास निरीक्षण मंडल में भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-III में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री जी० एन० पी० राज दिनांक 31-10-74 (अपराह्न) से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये ।

बलवन्त सिंह,
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली दिनांक 31 दिसम्बर 1974

सं० प्र-1/1(994)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा उप निदेशक निरीक्षण, कानपुर के कार्यालय में स्थायी प्रधान लिपिक श्री ए० वी० एस० पी० सिन्हा को दिनांक 18-11-74 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कानपुर में स्थानीय तदर्थे आधार पर सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

सं० प्र-6/247(26)/57-III—स्थायी उप निदेशक निरीक्षण तथा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन बम्बई निरीक्षण मंडल में स्थानापन्न निदेशक निरीक्षण, भारतीय निरीक्षण सेवा की श्रेणी-I के ग्रेड-I श्री डी० टी० गुरसाहनी बड़ाई गई सेवा अवधि के समाप्त होने पर दिनांक 30-11-74 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये ।

दिनांक जनवरी 1975

सं० ए-17011/81/74-प्र-6—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान, निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी०) श्री बी० के० भलाकार को दिनांक 10-12-74 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

सं० ए-17011/80/74-प्र-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक श्री आर० के० गुहा को दिनांक 10-12-74 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

बलवन्त सिंह,
उप-निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली-1, दिनांक जनवरी 1975

सं० प्र-1/1(997)—श्री के० वी० नारायणन ने निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर नियुक्त होने पर दिनांक 18 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) का पदभार छोड़ दिया ।

सं० प्र-1/1(991)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में प्रधान लिपिक श्री एस० के देसाई को दिनांक 23 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानीय तदर्थे आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

के० एल० कोहली,
उप-निदेशक (प्रशासन),
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 1974

सं० 2181(आरके)/19वी—डा० राजेन्द्र कुमार, एम० एससी०, पी०एच०डी० को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक रसायनज्ञ के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के त्यूनतम मिमान पर अस्थायी क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 23 सितम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है ।

सं० 51/62/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रशासनिक अधिकारी श्री डी० एन० दे निवर्तन पर सरकारी सेवा से 31 अगस्त, 1974 (अपराह्न) से निवृत्त हो गये ।

सं० 40/59/सी/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री आदित्य किशोर मुखर्जी को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740 35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, तदर्थे आधार पर, अन्य आदेश होने तक, 11-11-1974 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है ।

सं० 2251 (एनकेएस)/19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के बरिष्ठ ड्रिलिंग सहायक श्री एन० के० सिंहा को उसी विभाग में, ड्रिलर के रूप में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० (परिशोधित) के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश आने तक, 21 अक्टूबर, 1974 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 2251 (आरआरकेएन)/19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के बरिष्ठ ड्रिलिंग सहायक श्री आर० आर० के० नायर को ड्रिलर के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० (परिशोधित) के वेतनमान में, स्थानापन्थ क्षमता में, आगामी आदेश आने तक, 11 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सी० करुणाकरन, महानिदेशक

राष्ट्रीय अभियानागार

नई दिल्ली दिनांक 4 जनवरी 1975

सं० फा० 20(बी-3)-14/61-ए-1—श्री बी० एन० दासगुप्ता स्थानापन्थ पुरालेखाधिकारी (सामान्य) का दिनांक 6 दिसम्बर, 1974 को देहावसान हो गया।

ह० अपठनीय

अभियान-निदेशक, भारत सरकार

दिल्ली दुर्घ योजना

नई दिल्ली-8, दिनांक 20 दिसम्बर 1974

सं० 2-28/74-स्था०-1—ग्राम्यकार डाक एवं तार के कार्यालय के लेखा अधिकारी, श्री इन्द्र सिंह आनन्द को दिल्ली दुर्घ योजना में, अन्य आवेदन दिए जाने तक, लेखा अधिकारी (राजपत्रित, द्वितीय श्रेणी) के पद पर 19-11-74 (पूर्वाह्न) से प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

रा० सुब्रह्मण्यम्,
उप-महा प्रबन्धक (प्रशासन)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1975

सं० 5(21)/69-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री बी० एल० गेवित, प्रसारण निष्पादक (ट्रांस-मिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, परभाणी को 23 दिसम्बर 1974 से अप्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(122)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री बी० आर० कुमार, प्रसारण निष्पादक (ट्रांस-मिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, तिरुचिरापल्ला को 23 दिसम्बर, 1974 से अप्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(24)/69 एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती बी० एल० लियानी, प्रसारण निष्पादक (ट्रांस-मिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, इम्फाल, को 21 दिसम्बर, 1974 से अप्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(103)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री ए० के० विश्वास, प्रसारण निष्पादक (ट्रांस-मिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, रौची को 26 दिसम्बर, 1974 से अप्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(23)/69-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एन० एस० आद्यजक, प्रसारण निष्पादक (ट्रांस-मिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, कालीकट को 21 दिसम्बर, 1974 से अप्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(116)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा कुमारी विमला शास्त्री, प्रसारण निष्पादक (ट्रांस-मिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, नई दिल्ली को 18 दिसम्बर, 1974 से अप्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(77)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री बी० एस० पंसारे, प्रसारण निष्पादक (ट्रांस-मिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, पूना को 23 दिसम्बर, 1974 से अप्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(90)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री छी० पी० जाटव, प्रसारण निष्पादक (ट्रांस-मिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी इलाहाबाद को 23 दिसम्बर, 1974 (प्रपराक्त) से अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी जबलपुर में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(1)/69-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एफ० एक्का, प्रसारण निष्पादक (ट्रांस-मिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, नई दिल्ली को 20 दिसम्बर, 1974 से अप्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

शान्ति लाल,
प्रशासन उपनिदेशक, हृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक दिसम्बर 1974

सं० 2/9/74-एस०-तीन—आकाशवाणी के महानिदेशक, आकाशवाणी के सहायक द्वंजीनियर सर्वर के मिशनलिखित अधिकारियों को उनके नामों के आगे लिखे आकाशवाणी के कार्यालयों/

केन्द्रमें उनमें से प्रत्येक के नाम के आगे उल्लिखित तारीख से प्रभ्रेतर आदेशों तक स्थानापन्न धमता में नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	प्रधिकारी का नाम	तैनाती के कार्यालय/ केन्द्र का नाम	नियुक्ति की तारीख
1.	श्रीमती चन्द्रा आयंगर	अनसधान विभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली।	15-11-74
2.	श्री आर० नरसिंह राव	आकाशवाणी, कटक।	28-11-74

दिनांक 8 जनवरी 1975

शुद्धि-पत्र

सं० 2/9/74-एस०-तीन—इस महानिदेशालय की अधिसूचना सं० 2/9/74-एस-तीन दिनांक 23-11-74 में उल्लिखित श्री आर० नरसिंह राव, सहायक इंजीनियर, आकाशवाणी, कटक की नियुक्ति की तारीख को कृपया 28-11-74 के स्थान पर 23-11-74 पढ़ा जाए।

प्रेम कुमार सिन्हा,
प्रा० न०, उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली-110001, दिनांक जनवरी, 1975

सं० 2/71/60-एस०-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री जी० रामलिंगम, लेखाकार, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी मद्रास को दिनांक 1-1-75 (पूर्वांक) से आकाशवाणी, विजयवाड़ा में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

इन्द्र सैन पाठी,
प्रनुभाग अधिकारी,
कृते महानिदेशक

(सिविल मिर्माण संघ)

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर, 1974

सं० ए-35017/1/73-सी० डब्ल्यू०—महानिदेशक, आकाशवाणी, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (सी० पी० डब्ल्यू० डी०) के जूनियर इंजीनियर (विद्युत), श्री के० के० देव राय को 19-10-74 (अपराह्न) से प्रथमतः एक वर्ष के लिये प्रतिनियुक्ति पर, आकाशवाणी के सिविल निर्माण संघ में सहायक इंजीनियर (विद्युत) (रु 650-1200) के रूप में नियुक्त करते हैं तथा उन्हें उपमंडलीय कार्यालय (विद्युत) नई दिल्ली के अधीन गौहटी कार्यालय म सहायक इंजीनियर (विद्युत) के रूप में तैनात करते हैं।

ह० अपठनीय
मुख्य इंजीनियर (सिविल) के इंजीनियरी अधिकारी
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंदालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 दिसम्बर 1974

सं० 7/15/68-स्था-2—उत्तर प्रदेश राज्य के मूल कार्यालय में प्रत्यावर्तित होने पर श्री एस० सी० बसल ने 11 नवम्बर, 1974 (पूर्वांक) से इस निवेशालय में क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी के पद का कार्य भार छोड़ दिया।

रोशन लाल जैन,
उप-निदेशक प्रशासन
कृते विज्ञापन तथा दृश्य प्रचार निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक अक्टूबर 1974

सं० 2/202/56/स्थापना-1-ड्राफ्ट-समैन के पद से प्रत्यावर्तित होने पर श्री ओम प्रकाश काश्यप तथा श्री ढी० आर० भनोट ने 31 अक्टूबर, 1974 के अपराह्न को इस निवेशालय में वरिष्ठ कलाकार के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

रोशन लाल जैन,
उप-निदेशक (प्रशासन)

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 16 दिसम्बर 1974

सं० 40/पी० एफ० II/48 सिबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री एम० के० जैन के अवकाश पर चले जाने के कारण, श्री बी० आर० पेसवानी स्थानापन्न अधीक्षक, फिल्म प्रभाग बम्बई को दिनांक 11-12-1974 के पूर्वांक से सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

के० एस० कुड्डा,
कृते प्रमुख निर्माता

बम्बई-26, दिनांक 18 दिसम्बर 1974

सं० 17/26/49-सिबन्दी-I—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर श्री एफ० जोसेफ स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक फिल्म प्रभाग हैदराबाद, दिनांक 30-11-1974 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

2. फिल्म प्रभाग के निर्माता ने श्री आर० पी० शर्मा स्थायी विक्रेता फिल्म प्रभाग लखनऊ को श्री एफ० जोसेफ के सेवा निवृत्त होने पर दिनांक 30-11-1974 के अपराह्न से शाखा प्रबन्धक फिल्म प्रभाग हैदराबाद के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 24 दिसम्बर 1974

सं० 17/40/49-सीबन्दी—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री ए० के० मेहरा के छुट्टी पर जाने से श्री पी० सी० राव, स्थानापन्थ विक्रेता को 16-11-1974 से शाखा प्रबन्धक नागपुर के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक, 2 जनवरी 1975

सं० ए-19012/3/74-सीबन्दी-I—श्री एम०-पी० अडवानी के दिनांक 7-12-74 के अपराह्न से रिपोर्टिंग के कारण श्री के० राजगोपालन कन्ट्रोलर आफ डिफेन्स अकाउन्ट (एप्रर फोर्स) देहरादून के दफतर के लेखाधिकारी ने उसी दिनांक से फिल्म प्रभाग बंबई में लेखाधिकारी (प्रशासन) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक, 7 जनवरी 1975

सं० 17/20/49—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री एस० एन० रे शाखा प्रबन्धक के पदस्थाग देने के कारण श्री व्हि श्रीनिवासन स्थायी विक्रेता फिल्म प्रभाग बंगलौर, को दिनांक 17-6-1974 के पूर्वाह्न से फिल्म प्रभाग बंगलौर में शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

बी० आर० पेसवानी,
सहायक प्रशासकीय अधिकारी,
कृते प्रमुख निर्माता

प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1974

सं० ए-12026/2/74-प्रशासन-I—इस विभाग की दिनांक 2 सितम्बर, 1974 की अधिसूचना सं० ए० 12026/2/74 प्रशासन-I के अनुवर्त में प्रकाशन विभाग के निदेशक ने प्रकाशन विभाग के स्थायी वरिष्ठ लेखाकार, श्री कैलाश चन्द्र सिंगल को उसी विभाग में 27 नवम्बर, 1974 से तदर्थ लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

मदन लाल टंडन,
उप निदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1974

सं० 13-13/74-एडमिन-1—राष्ट्रपति जी ने डा० बलराज सूर को 12 नवम्बर, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली में स्टाफ सर्जन (डेंटल) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

डा० बलराज सूर ने केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में स्टाफ सर्जन के पद पर नियुक्त होने के फलस्वरूप 12 नवम्बर, 1974 को

पूर्वाह्न में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के जूनियर स्टाफ सर्जन (डेंटल) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 1 जनवरी 1975

सं० 28-5/70-एडमिन-1—भारत सरकार अर्थव्यवस्था के साथ 15 अक्टूबर, 1974 को डा० एच० एम० एल० श्रीवास्तव, सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) क्षेत्रीय समन्वयन संगठन, राट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, लखनऊ के निधन की घोषणा करती है।

सं० 9-3/74-एडमिन-1—निदेशक, प्रशासन और सतर्कता ने निम्नलिखित अधिकारियों को उन के नाम के सामने अंकित तारीखों से और आगामी आदेशों तक राजकुमारी अमृतकौर परिचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली में विलनिकी अनुदेशक के पदों पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है:—

- | | |
|----------------------------|--------------------------|
| 1. कुमारी मंजीत कौर | 28-8-1974
(पूर्वाह्न) |
| 2. कुमारी अलेयमा जोहन | 28-8-1974
(पूर्वाह्न) |
| 3. कुमारी लिली के० अब्राहम | 13-9-1974
(अपराह्न) |
| 4. कुमारी किरण सचदेव | 13-9-1974
(अपराह्न) |

सं० 10-16/73-एडमिन-1—राष्ट्रपति जी ने श्रीमती गायत्री विस्वास को 9 दिसम्बर, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता में वरिष्ठ विषलेषक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 17-9-3/73-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एच० के० ढोटे को 26 सितम्बर, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सहायक वास्तुक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जित्वल,
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 21 दिसम्बर 1974

सं० 16-9/72-एडमिन-1 (सी० जी० एच० एस० 1)—जा० एस० बी० सिह की नियुक्ति होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर नियमित रूप से होने के फलस्वरूप केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन तदर्थ आधार पर नियुक्त डा० (कुमारी) उमा जैन, होम्योपैथिक चिकित्सक, की सेवाएं 5 नवम्बर, 1974 अपराह्न से समाप्त कर दी गई हैं।

के० विणुगोपाल,
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1974

सं० 36-5/73-सी० एच० एस० 1—डा० (श्रीमती) के० प्रल० अग्रवाल ने अपने स्थानातंरण के फलस्वरूप 12 अगस्त, 1974 अपराह्न में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन 12 अगस्त, 1974 अपराह्न को कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तर्थ) के पद का कार्यभार त्याग दिया और 12 अगस्त, 1974 अपराह्न में विलिंग्डन अस्पताल, नई दिल्ली में उन्हीं शर्तों पर उसी पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 6 जनवरी 1975

सं० 20-23/74-सी० एच० एस० 2—डा० सी० कक्षन ने अपने त्याग पद की स्वीकृति के फलस्वरूप 4 नवम्बर, 1974 को अपराह्न में केन्द्रीय कुष्ठ प्रणिक्षण और अनुसंधान संस्थान, चिगलपट में कनिष्ठ चिकित्साधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

रवीन्द्र नाथ तिवारी,
उप-निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिक्खाई मंत्रालय
(प्रमीण विकास विभाग)
विषयन एवं निरीक्षण निवेशालय
(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 18 दिसम्बर 1974

सं० फा० 4-5(34)/74-प्रशा० 1—58 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर श्री के० सिसादरी, विषयन अधिकारी, वर्ग-I, विशाखापत्तनम्, दिनांक 31 अक्टूबर, 1974 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं।

दिनांक 3 जनवरी 1975

सं० फा० 4-5(1) 74-प्रशा०-I—श्री आर० कानन, विषयन अधिकारी, (वर्ग-प्रथम), कोचीन को दिनांक 7 अक्टूबर, 1974 से 31 अक्टूबर, 1974 तक की अवधि के लिए पूर्णतया अस्थाई और तदर्थ आधार पर विषयन एवं निरीक्षण निवेशालय के कार्यालय भोपाल में स्थानापन्थ उप-वरिष्ठ विषयन अधिकारी वर्ग-I, नियुक्त किया गया था। उन्हें तारीख 1 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से आगले आदेश होने तक विषयन अधिकारी वर्ग प्रथम, के पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया गया है, और भोपाल में तैनात किया गया है।

सं० फा० 4-5/3/74-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संस्तुति किए जाने पर श्री रामसिंह को, विषयन एवं निरीक्षण निवेशालय में तारीख 1 अगस्त, 1973, के पूर्वाह्न से, अगले आदेश होने तक स्थानापन्थ विषयन अधिकारी, वर्ग-1, नियुक्त किया गया है।

(सहकारिता विभाग)

दिनांक 9 जनवरी 1975

सं० फा० 2/8/74-वि० II—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) विदेश व्यापार मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय, वित्त मंत्रालय (गजस्व और समवाय विधि विभाग), वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) वित्त मंत्रालय (राजस्व मंडल) की भारत के राजपत्र में प्रकाशित सं० 1130 दि० 7-8-1965। सं० 12 दि० 9-6-1945। सं० 1 कैम्प दि० 5-1-1946। सं० 6 दि० 5-2-1949। सं० 64 दि० 17-6-1961। सं० 48 दि० 24-5-1954। सं० 173 दि० 29-12-1954। सं० 5 दि० 14-1-1961 सं० 174 सी० य० एस० दि० 26-12-1964। सं० 448 दि० 14-3-1964। सं० 1421 दि० 31-8-1963। सं० 124 दि० 15-9-1962। सं० 1133, 1134, 1135 दि० 7-8-1965। अधिसूचनाओं के लिए भ एतद् द्वारा श्री एन० वाई० जेड फार्ली, प्रब्र विषयन, अधिकारी, प्रभारी, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से काली मिर्च, मिर्च, इलायची, सौंठ, हल्दी, धनिया, सौंप, साबुत, मेथी, सेलरी बीज, जीरा बीज, कढ़ी पाउडर, चन्दन तेल, भोतिया तेल, निम्बूधास तेल, खस का तेल, बनस्पति तेल, तेन्दू के पत्ते, तम्बाकू, ऊन, दूकलोम अजालोम, साधित पशु श्रंतडी, आलू (खाने का), प्राखरोट, हड्ड, प्याज, लहसुन और दालों, के सम्बन्ध में जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्न) अधिनियम, 1937 (1937 का I) के खण्ड 3 के अधीन निर्मित संबद्ध पर्यायों के श्रेणीकरण और चिह्न नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है, श्रेणीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

सं० फा० 2/8/74-वि० II—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) विदेश व्यापार मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय, वित्त मंत्रालय (गजस्व और समवाय विधि विभाग), वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) वित्त मंत्रालय (राजस्व मंडल) की भारत के राजपत्र में प्रकाशित सं० 1130 दि० 7-8-1965। सं० 12 दि० 9-6-1945। सं० 1 कैम्प दि० 5-1-1946। सं० 6 दि० 5-2-1949 सं० 448 दि० 14-3-1964 सं० 125, 126, 127 दि० 15-9-1962। सं० 1131, 1132 दि० 7-8-1965। सं० 1133, 1134, 1135 दि० 7-8-1965। सं० 2907 दि० 5-3-1971। सं० 3601-क 3601-ब 3601-ग दि० 1-10-1971। सं० 3099 दि० 3-11-1973 सं० 1127 दि० 21-4-1973। सं० एस० आर० श्री-3184 दि० 28-12-1956। सं० 83 दि० 29-7-1961। सं० 3752 दि० 26-12-1955। सं० 1157 दि० 22-6-1963 सं० जी० एस० आर०-904 दि० 27-6-1964। सं० 1130 दि० 7-8-1965। सं० 12 दि० 9-6-1945। सं० 1 कैम्प दि० 5-1-1946। सं० 6 दि० 5-2-1949। सं० 64 दि० 17-6-1961। सं० 48 दि० 24-5-1954। सं० 173 दि० 29-12-1954। सं० 5 दि० 14-1-1961 सं० 174 सी० य० एस० दि० 26-12-1964। सं० 448 दि० 14-3-1964। सं० 1421 दि० 31-8-1963। सं० 124 दि० 15-9-1962। सं० 1133, 1134, 1135 दि० 7-8-1965। अधिसूचनाओं के लिए भ एतद् द्वारा श्री एन० वाई० जेड फार्ली, प्रब्र विषयन, अधिकारी, प्रभारी, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से काली मिर्च, मिर्च, इलायची, सौंठ, हल्दी, धनिया, सौंप, साबुत, मेथी, सेलरी बीज, जीरा बीज, कढ़ी पाउडर, चन्दन तेल, भोतिया तेल, निम्बूधास तेल, खस का तेल, बनस्पति तेल, तेन्दू के पत्ते, तम्बाकू, ऊन, दूकलोम अजालोम, साधित पशु श्रंतडी, आलू (खाने का), प्राखरोट, हड्ड, प्याज, लहसुन और दालों, के सम्बन्ध में जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्न) अधिनियम, 1937 (1937 का I) के खण्ड 3 के अधीन निर्मित संबद्ध पर्यायों के श्रेणीकरण और चिह्न नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है, श्रेणीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

चित्कृत) अधिनियम 1937 (1937 का।) के खण्ड 3 के अधीन निमित संबद्ध पर्यायों के श्रेणीकरण और चित्कृत नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है; श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता है।

सं० फा० 2/8/74-वि० II—सं० 3 (टी० एल०)/2/65 वि० II। सं० 3(44)/9/72-वि० II। सं० एफ० 5/11/69-वि० II। सं० एफ० 2/8/70-वि० II—सं० एफ० 3(13) 52-73-वि० ना० II—भारत के राजपत्र भाग III खण्ड I में दिं० 21-7-73 को प्रकाशित अधिसूचना में श्री एम० जी० तोषनीवाल, उप प्रवर विपणन अधिकारी के नाम को जो उक्त अधिसूचनाओं में जहाँ कहीं भी आया है, उक्त अधिसूचना के आंशिक रूपान्तरण में रद्द समझा जाय।

सं० एफ० 2/8/74-वि० II—30-3-74 सं० फा० 2/8/72-वि० II। 6-4-74। सं० 3(44)/9/72-वि० II सं० 3 (टी० एल०)/2/65-वि० II—भारत के राजपत्र भाग III खण्ड I दिनांक 30-3-74 और 6-4-74 को प्रकाशित अधिसूचना में श्री बी० एस० भारदाज, सहायक विपणन अधिकारी के नाम, को, जो उक्त अधिसूचना में जहाँ कहीं भी आया है, उक्त अधिसूचना के आंशिक रूपान्तरण में रद्द समझा जाय।

सं० फा० 2/8/74-वि० II—सं० 3 (टी० एल०)/2/65-वि० II। सं० 3(44)/9/72-वि० II। सं० फा० 3(13)-52-73-वि० II। सं० फा० 3(13)/57-72-वि० II। सं० फा० 74/15-72-वि० II। सं० फा० 5-11-69-वि० II। सं० फा० 2/8/70-वि० II। भारत के राजपत्र भाग III खण्ड I दिनांक 21-7-73 को प्रकाशित अधिसूचना में श्री एल० के० शुक्ला, प्रवर विपणन अधिकारी के नाम को, जो उक्त अधिसूचना में जहाँ कहीं भी आया है, उक्त अधिसूचना के आंशिक रूपान्तरण में रद्द समझा जाय।

एन० के० मुरालीधर राव
कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई 400085, दिनांक 5 दिसम्बर 1974

संदर्भ पी० ए०/81(88)/74-भ० 4—भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक, यहाँ के एक अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री कडवा रामचंद्र शर्मा को इसी अनुसंधान केन्द्र में एक अगस्त, 1974 पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 दिसम्बर 1974

सं० पी० ए०/81(98)/74-आर०-4—भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहाँ के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी०) और अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री सत देव सिंह वालिया को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक

के लिए स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 दिसम्बर 1974

सं० पी० ए०/76(4)-आर०-4—भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहाँ के स्थाई सहायक लेखाकार और अस्थाई लेखाकार श्री दत्तात्रेय लक्ष्मण भावे को 14 अक्टूबर, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ सहायक लेखाधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 दिसम्बर 1974

सं० पी० ए०/81(99)/74-आर०-4—भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहाँ के एक स्थाई कारीगर 'ई' और स्थानापन्थ कारीगर (जी०) श्री त्रिवेक्ष कृष्ण खरे को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये स्थानापन्थ रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(62)/74-आर०-4—भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहाँ के अस्थाई वैज्ञानिक सहायक 'सी०' श्री रोजेंद्र प्रसाद जैन को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(90)/74-आर०-4—भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहाँ के एक वैज्ञानिक सहायक (बी०) और स्थानापन्थ वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री हरभजन सिंह दुआ को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 दिसम्बर 1974

सं० पी० ए०/34(1)/74-आर०-4—भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहाँ के एक स्थाई सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री उपेंद्र नाथ मित्रा को 6 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्थ सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 दिसम्बर 1974

सं० पी० ए०/81(50)/74-आर०-4—भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहाँ के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी०) और एक स्थानापन्थ वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री प्रताप बशीमल रौलानी को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(123)/74-आर०-4—भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहाँ के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी०) श्री महराज वेंग मिरजा को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

स० पी० ए०/८१(१२१)/७४-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहा के निम्नलिखित स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी) और स्थानापन्थ वैज्ञानिक गताध्यक्ष (गी) । । । अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर शणी एस० बी० नियुक्त करते हैं ।

१ श्री तरुण कुमार सेन गुप्ता

२ श्री मनोज कुमार मिश्र

दिनांक 27 दिसम्बर 1974

स० पी० ए०/८१(९५)/७४-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहा के एक अस्थाई वैज्ञानिक महायक (सी) श्री काजीभाई डिभुवनदाम पटेल को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर-श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं ।

स० पी० ए०/८१(८७)/७४-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहा के एक स्थाई कारीगर-ई स्पौर स्थानापन्थ फोरमैन श्री नीलकात श्रीवर सधाये को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 30 दिसम्बर 1974

स० पी० ए०/८१(९२)/७४-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहा के एक स्थाई वैज्ञानिक महायक (बी) और स्थानापन्थ वैज्ञानिक महायक (सी) कुमारी निर्मला किशनचन्द णामदासानी को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं ।

स० पी० ए०(८१-१२२)/७४-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहा के एक स्थाई सहायक फोरमैन और स्थानापन्थ फोरमैन श्री सुजीर परमेश्वरग्या को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर-श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं ।

स० पी० ए०/८१(१२२)/७४-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहा के निम्नलिखित अस्थाई वैज्ञानिकों सहायकों (सी) को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर-श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं ।

2—444 GT/74

१ श्री शशोक मोहनराव करनाड

२ श्री राम॑ गोप्ते भाऊरी

दिनांक 1 जनवरी 1974

स० पी० ए०/८१(१२०)/७४-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहा के निम्नलिखित अस्थाई वैज्ञानिक महायक (सी) को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर-श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं ।

१ श्री कृष्ण अवतार शर्मा

२ श्री सलील दास गुप्ता

स० पी० ए०/८१(९७)/७४-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहा के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी) और एक स्थानापन्थ वैज्ञानिक महायक (सी) श्री दत्तात्रेय हरिश्चंद्र सैंतावडेकर को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं ।

स० पी० ए०/८१(१२१)/७४-आर०-४(पी एफ)—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहा के एक अस्थाई कारीगर (सी) श्री डेवव्रत डेव को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न गे आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर-श्रेणी (एस० बी०) नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 2 जनवरी 1975

स० पी० ए०/८१(१००)/७४-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र की परिवर्ती उर्जा साइक्लोट्रान परियोजना के एक अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री किथनहाली चैलू केशवकुमार को इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्थ वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं ।

स० पी० ए०/८१(१२३)/७४-आर०-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक, यहा के एक स्थाई सहायक फोरमैन और स्थानापन्थ फोरमैन श्री पधरीनाथ विटल निकम को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं ।

स० पी० ए०/८१(५)/७३-आर०-४—30 जुलाई, 1974 के समस्या इस कार्यालय की अधिसूचना के त्रै में, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक ने इस अनुसंधान केन्द्र में स्थानिक चिकित्सा अधिकारी के रूप में 17 अगस्त, 1974 से 31 दिसम्बर, 1974 तक अथवा आगामी आदेश तक के लिये, जो भी पहले हो, डा० (श्रीमती) शशिकला रजनीकात विभूवन की निरतर स्थानापन्थ नियुक्ति का अनुमोदन किया है ।

सं० पी ए/73(5)/73-भ-4--20 जुलाई, 1974 के समर्थन्या इस कार्यालय की अधिसूचना के क्रम में, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक ने स्थानिक विकित्सा अधिकारी के रूप में इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 सितम्बर, 1974 से 30 सितम्बर 1974 के पूर्वान्तर तक डा० धर्मशरण हालीगाउड पाटिल की नियंत्र नियुक्ति का अनुमोदन किया है।

पी० उम्मीकृष्णन,
उप-स्थापना अधिकारी (भ)

बम्बई 400085, दिनांक 23 दिसम्बर 1974

सं० 5/1/74-स्था० 5/386—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक श्री तिलामंनाठिल कुंचीराम सोमसुंदरम, आणुलिपिक (सीनियर) को 12-8-1974 से 8-11-1974 तक अस्थाई रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक जनवरी 1975

सं० 5/1/74- स्था० 5/—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक इस अनुसंधान केन्द्र के निम्नलिखित अधिकारियों को 30-8-1974 से 5-10-1974 तक के लिये उनके सामने लिखित निम्नलिखित पदों पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्र०	नाम और पद	जिस पद पर नियुक्त	कैफियत
सं०		है	

1.	कुमारी एच०बी० विजयकर प्रशासन अधिकारी	श्री बी० पी० अधिकारी II	श्री बी० पी० विजयकर, प्रशासन अधिकारी II, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर
2.	श्री एन० वेंकटमुब्रमण्यन सहायक कार्मिक अधिकारी	कुमारी एच०बी० विजयकर, जिन्हें स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी II नियुक्त किया है, के स्थान पर	अधिकारी I अधिकारी II नियुक्त किया गया है, के स्थान पर।
3.	श्री पी० एग० मोकाफो आणुलिपिक (वर्गी)	सहायक कार्मिक अधिकारी	श्री एन० वेंकट-मुब्रमण्यन, जिन्हें प्रशासनिक अधिकारी I नियुक्त किया गया है, के स्थान पर।

सं० आर/771/स्थापना 5/—वार्षिक निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर, इस अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी

श्री मधुकर सदाशिव रानाडिवे ने 31-12-1974 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग किया।

ए० शांत कुमार मेनन,
उप-स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 7 दिसम्बर 1974

सं० डी पी एस/ए/11013/4/73/स्थापना/1502—निदेशक, क्रय तथा भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, स्थायी भंडारी तथा रूपये 650-960 (संशोधित) के वेतनमान में नियुक्त स्थानापन्न भंडार अधिकारी (श्रेणी-II) श्री बी० सी० कुरुविला को 5-10-1974 से आगामी आदेश तक के लिए उसी निदेशालय में अस्थायी रूप से उसी वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० डी पी एस/ए/11013/4/73/स्थापना/1499—निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, स्थायी भंडारी तथा रूपये 650-960 (संशोधित) के वेतनमान में नियुक्त स्थानापन्न भंडार अधिकारी (श्रेणी-II) श्री एम० बनर्जी को 5-10-1974 से आगामी आदेश तक के लिए उसी निदेशालय में अस्थायी रूप से उसी वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० डी पी एस/ए/11013/4/73/स्थापना—निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, स्थायी भंडारी तथा रूपये 650-960 (संशोधित) के वेतनमान में नियुक्त स्थानापन्न भंडार अधिकारी (श्रेणी-II) श्री बी० सी० चेरियन को 5-10-1974 से आगामी आदेश तक के लिए उसी निदेशालय में अस्थायी रूप से तथा उसी वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

(के० पी० जोसफ)
प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु विजलीघर

तारापुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

सं० डी ए पी एस/प्रशासन/735-ए-62—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु विजलीघर के मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु विजलीघर के स्थायीवत् वैयक्तिक सहायक श्री एम० आई० चेरियन को 1 जनवरी, 1975 के पूर्वान्तर से 28 फरवरी, 1975 तक अथवा तब तक के लिए जब तक कि कोई व्यक्तित्व नियमित रूप से इस पद पर नियुक्त नहीं किया जाता है दोनों में से जो भी पहले घटित हो, तदर्थे आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० बी० सेतुमाधवन,
मुख्य प्रशासन अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

सिविल इंजीनियरी वर्ग

कलपकवाम, दिनांक 19 नवम्बर 1974

सं० १(६)/७४/भर्ती-१३२४९/१५१३—कलपकवाम स्थित परमाणु ऊर्जा विभाग की परियोजनाओं के मुख्य इंजीनियर (सिविल), कलपकवाम स्थित परमाणु ऊर्जा विभाग की परियोजना के सिविल इंजीनियरी वर्ग के स्थायी वित्त पर्यवेक्षक श्री एम० पापनाशमूर्ति को १ अगस्त, १९७४ के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर एस बी नियुक्त करते हैं।

बी० एस० वेंकटेश्वरन
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-५०००४०, दिनांक १ जनवरी १९७५

सं० नाई०स/प्रशा०/२२/१३(२)/२—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के विशेष कार्य अधिकारी, सहायक लेखाकार श्री जे० सूर्यनारायण राव को १-१-१९७५ से ३०-६-१९७५ की अवधि अथवा आगामी आदेश तक के लिए दोनों में से जो भी पहले घटित हो, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद, में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० पी० महान्ते,
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

कार्यालय महानिवेशक नागर विभाग

नई दिल्ली, दिनांक १० दिसम्बर १९७४

सं० ए० ३२०१३/१०/७३-ई० एस०—राष्ट्रपति ने श्री डॉ पी० भारद्वाज, वरिष्ठ विभाग निरीक्षक, नागर विभाग महानिवेशक, नई दिल्ली को १६ नवम्बर, १९७४ से आगले आदेश जारी होने तक नियमित प्राधार पर कलकत्ता में नियंत्रक, वैमानिक निरीक्षण के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक ११ दिसम्बर १९७४

सं० ए० ३२०१३/८/७४-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एन० सी० नाथ, सहायक निवेशक (संचार) को ३० नवम्बर, १९७४ (पूर्वाह्न) से नागर विभाग निवेशक (संचार) के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक ३१ दिसम्बर १९७४

सं० ए० ३२०१३/८/७४-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री जी० गोविन्दस्वामी, नियंत्रक संचार, बम्बई क्षेत्र, सांताकूब एयरपोर्ट बम्बई को उनके छुट्टी से वापिस आने पर नागर विभाग निवेशक (मुख्यालय) में ९ दिसम्बर, १९७४ (पूर्वाह्न) से स्थानापन्थ रूप में सहायक निवेशक संचार के पद पर नियुक्त किया है।

हरशंस लाल कोहली,
उपनिवेशक प्रशासन

पर्षटन और नागर विभाग मंत्रालय

भारत मीसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-३, दिनांक २७ दिसम्बर १९७४

सं० ई० ०३४९८—प्रादेशिक मीसम केन्द्र, कलकत्ता के निवेशक के कार्यालय के सहायक मीसम विशेषज्ञ, श्री के० डॉ मुकर्जी निर्वत्तन की आयु पर पहुँचने पर ३१-७-१९७४ को अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

नूतन दास,
मीसम विशेषज्ञ (सिब्बन्दी)
हुते वैधानिकालाओं के महानिवेशक

बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक १६ दिसम्बर १९७४

सं० १६/१६७/६९-स्था०-१—ग्राध्यक्ष, बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून निम्नलिखित अधिकारियों को उनके सामने लिखी तारीखों से अभियांत्रिकी एवं सर्वेक्षण के सहायक व्याख्याता के स्थायी पदों पर सहर्ष पुष्ट करते हैं:—

१. श्री पी० एन० दौरेस्वामी, ५-११-६९ से दक्षिण बनराजिक महाविद्यालय, कोयम्बटूर।
२. श्री शार० एन० नन्दी १-७-७० से उत्तरी बनराजिक महाविद्यालय, देहरादून।

पी० आर० के० भट्टाचार्य,
उप-कुलसचिव,

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सोमा शुल्क समाहतालिय

इलाहाबाद, दिनांक ७ जनवरी १९७५

सं० ९/१९७५—श्री भन्त बहादुर सिंह, स्थानापन्थ कार्यालय अधीक्षक ने, जो पिछले दिनों के केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहतालिय मुख्यालय, इलाहाबाद में तैनात थे, और जिनकी नियुक्ति अगले

आदेश होने तक के लिए, रु० 650-30-740-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी के रूप में की गई थी, समेकित मण्डल कार्यालय, मुरादाबाद में 6-6-1974 के अपराह्न में प्रशासन अधिकारी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। उक्त पद मंत्रालय के पद संख्या भा० सं० ११-१०१३/ई/१८२/७४-प्रशा० चार दिनांक २७-११-१९७४ द्वारा कानपुर समाहरणिय में अस्थायी तौर पर अपवर्तित (छाढ़वट) किया गया था।

एच० वी० दास,
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद

पटना, दिनांक 28 नवम्बर 1974

सी० सं० II (7) १-स्था०/७०—१९४९९—इस कार्यालय के स्थापन आदेश सं० २७०/७४ विनांक १२-९-७४, जिसके अनुसार श्री घमडा सिंह, निरीक्षक, वरि० थे, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०—३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० एवं नियमान्तरण प्रायं भत्ता सहित के वेतनमान में अन्वेतन रूप से तथा तदर्थं ग्राधार पर अधीक्षक, उत्पाद एवं सीमा शुल्क श्रेणी द्वितीय के रूप में नियुक्त हुए थे, के अनुसरण में श्री घमडा सिंह ने अधीक्षक, सीमा शुल्क, रक्षाल का कार्यभार दिनांक ११-१०-७४ के पूर्वाह्न में ग्रहण किया।

हरि नारायण साहू, गमाहर्ता,
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, पटना

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1974

सं० II/३/४७/७४-स्थापन—श्री वी० टी० नारायणस्वामी, प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय, मद्रास, ३१ अक्टूबर, ७४ के अपराह्न से अधिवार्पिकी की आयु प्राप्त करने पर सेवा-निवृत्त हो गये हैं।

सी० चिदम्बरम्,
समाहर्ता

सीमा शुल्क

बम्बई, दिनांक 17 दिसम्बर 1974

सं० स/५-३०२/७४-सिवंदी—श्री वी० के० कले, स्थायी भूल्य विस्थपक, बम्बई सीमा शुल्क भवन, दिनांक ३०-११-१९७४ के अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।

वी० वी० गुजराल,
सीमा शुल्क समाहर्ता

निरीक्षण निवेशालय सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
नई दिल्ली, दिनांक

मं० १/१९७५—श्री एम०-एम० देशपांडे, जो ए० विष्ण॑। दिनों द्वावैक निवेशालय में अधीक्षक, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-II के पद पर नियुक्त थे, निरीक्षण निवेशालय,

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली में १-१-१ ९७५ दोपहर पूर्व से निरीक्षण अधिकारी, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-II का कार्यभार सम्भाल लिया है।

मं० २/१९७५—श्री जे० एम० राय ने, जो कि पिछले दिनों कलकत्ता तथा उडीसा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ममाहर्ता कार्यालय, कलकत्ता में मुख्य लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त थे, निरीक्षण निवेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पूर्वी रिजनल यूनिट, कलकत्ता में निरीक्षण अधिकारी, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी-II का कार्यभार १८-१२-१९७४ से सम्भाल लिया है।

वी० एस० चावला,
निरीक्षण निवेशक

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नारकोटिक्स विभाग

दिनांक 20 दिसम्बर 1975

मं० -२२—श्री आर० वी० कोठारे, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी-II जो कि जिला अफीम अधिकारी, मन्दसौर-I, के रूप में तैनात थे और अब केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहरण अधीक्षक, बम्बई को स्थानान्तरित हो गये हैं, को १-१-१९७४ से रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० के वेतनमान में रु० १०००.०० के चरण पर दक्षतारोध पार करने की अनुमति दी जाती है।

अभिलाष शंकर,
नारकोटिक्स आयुक्त,

नौवहन एवं परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिवेशालय

प्रशिक्षण पौत्र “राजेन्द्र”, बम्बई और समुद्री अभियांत्रिक प्रशिक्षण निवेशालय, कलकत्ता/बम्बई में शैशिक वर्ष १९७५ के लिए प्रवेश

सं० उपरोक्त संस्थानों में नौचालन और समुद्री अभियांत्रिक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए निम्नलिखित केन्द्रों में २२ और २३ मई, १९७५ को हर एक केन्द्र में उम्मीदवारों को पर्याप्त सम्भा होने पर एक संयुक्त लिखित परीक्षा ली जायेगी।

परीक्षा केन्द्र

- (1) अहमदाबाद
- (2) बैंगलोर
- (3) भोपाल
- (4) बम्बई
- (5) कलकत्ता
- (6) चन्डीगढ़
- (7) कटक
- (8) दिल्ली
- (9) गोपालगंगा
- (10) गोहाटी
- (11) हैदराबाद
- (12) जयपुर
- (13) लखनऊ
- (14) मद्रास
- (15) नागपुर
- (16) पटना
- (17) पोर्टब्लैंडेयर
- (18) श्रीनगर
- (19) त्रिवेन्द्रम
- (20) विशाखापटनम्।

परीक्षा के लिए विषय होंगे:—(1) अग्रेजी (एक प्रश्न पत्र 3 घन्टे—100 अंक, (2) गणित (एक प्रश्न पत्र) 3 घन्टे—100 अंक, (3) भौतिक विज्ञान (एक प्रश्न पत्र) 3 घन्टे—100 अंक, (4) रसायन विज्ञान (एक प्रश्न पत्र) 1 1/2 घन्टे—50 अंक, (5) सामान्य ज्ञान (एक प्रश्न पत्र) 1 1/2 घन्टे—50 अंक, प्रवेश परीक्षा के परिणाम के आधार पर उम्मीदवारों को चुनाव बोर्ड कलकत्ता/बम्बई, के मामने डाकटरी परीक्षा और साक्षात्कार के लिए चुनाव जायगा, उम्मीदवारों को केन्द्रों पर परीक्षा और साक्षात्कार के लिए यात्रा, भोजन एवं निवास ध्यय का प्रबंध स्वयं करना होगा।

अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए 15 प्रतिशत और जन-जाति के उम्मीदवारों के लिए 5 प्रतिशत, बास्ते कि योग्य उम्मीदवार उपलब्ध हों, स्थान सुरक्षित रखे गये हैं।

आयु-सीमा

उम्मीदवार, 1 सितम्बर, 1975 को 16 से 19 वर्ष तक की आयु सीमा में होना चाहिए अर्थात् 2 सितम्बर, 1956 और 1 सितम्बर 1959 के बीच जन्म हो, अनुसूचित जाति और जन-जाति के उम्मीदवार 1 सितम्बर 1975 को 16 से 20 वर्ष तक की आयु सीमा में होने चाहिए अर्थात् उनका जन्म 2 भितम्बर 1955 और 1 सितम्बर 1959 के बीच होना चाहिए किसी भी दशा में आयु सीमा में शिथिलता नहीं होगी।

प्रवेश के लिए योग्यताएं

उम्मीदवार को हायर सेकेण्डरी/प्री यूनिवर्सिटी या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त उच्च माध्यमिक शिक्षा मडल या विश्वविद्यालय की परीक्षा एंचिल विषय, भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित, सहित साइंस स्ट्रीम में उत्तीर्ण होना चाहिए, वे उम्मीदवार भी जो उपरोक्त योग्यता परीक्षा में बैठ चुके हों या बैठने वाले हों, प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं परन्तु उनको साक्षात्कार के समय परीक्षा में पास हों जाने का कागजी प्रमाण 10 जुलाई, 1975 से पूर्व पेश करना चाहिए।

आवेदन

आवेदन फार्म और अन्य अनुदेश, नौवहन सहायक महानिदेशक (प्रशिक्षण) को लिखित आवेदन पत्र, 23 से ० मी० × 10 से ० मी० के आकार के लिफाफे, जिस पर अपना पता लिखा हुआ, 25 पैसे का डाक टिकट लगाया हुआ, और “बुक पोस्ट” शब्द लिखे हुए हो, के सहित भेज कर भुफ्ट प्राप्त कर सकते हैं। आवेदनपत्र और लिफाफे पर अपना डाक का पूरा पता स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए आवेदन फार्म मंगाने वाले लि फे पर बायें हाथ की ओर “राजेन्द्र” स० अ० प्र० नि० के लिए आवेदनफार्म के लिए प्रार्थना” अंकित होना चाहिए।

दोनों पाठ्यक्रमों के पूर्ण विवरण, फीस और छात्रवृत्तियां आदि को जानकारी देनेवाली विवरणीका शुल्क स० २/- का रेखित पोस्टल मार्डर नौवहन ग्राहीनिदेशक, बम्बई । को यथ भेजकर नौवहन सहायक महानिदेशक (प्रशिक्षण) से मंगाया जा सकता है। स्पष्ट अक्षरों में डाक का पूरा पता लिखा कर विवरणिका के लिए पृथक

आवेदन करना चाहिए। विवरणिका के लिए आवेदन पत्रवाल लिफाफे पर बायें और “विवरणिका के लिए प्रार्थना” शब्द अंकित होने चाहिए।

अंतिम तारीख

सभी तरह संपूर्ण अविवाहित पुरुष उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र नौवहन सहायक महानिदेशक (प्रशिक्षण) को 31 मार्च, 1975 को या उससे पूर्व पहुंच जाने चाहिए। इस निश्चित तारीख के बाद आये हुए आवेदनपत्र पर कोई विचार नहीं किया जायगा। रिक्त आवेदन फार्मों को डाक से भेजना 24 मार्च, 1975 को बंद किया जायगा।

एन० के० प्रसाद
सहायक अधिकारी
नौवहन महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक दिसम्बर 1974

सं० 27/24/74 प्रशा०-४—प्रमुख इंजीनियर, श्री शिव कुमार को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 650-30-740-35-810 -दक्षता रोक-35 -880-40-1000—दक्षता रोक-40-1200 रुपये (सामान्य भत्तों सहित) के बेतनमान में 650/- रुपये बेतन पर इस कार्यालय के दिनांक 17/18 दिसम्बर, 1974 के पत्र सं० 33/9/73-प्रशा०-४ में दी हुई सेवा की शर्तों के अनुसार 18-12-1974 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप में अस्थायी सहायक वास्तुक नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय
प्रशासन उप निदेशक
कृते प्रमुख इंजीनियर

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

सं० 5/3/74 ई० सी०-१—राष्ट्रपति, 1973 में हुई इंजीनियरी सेवा परीक्षा के आधार पर निम्नलिखित अभ्यर्थियों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-१ में महायक कार्यालयक इंजीनियर (सिविल) के अस्थायी पदों पर उनके नाम के आगे दी हुई तिथि से नियुक्त करते हैं :—

- | | |
|--|----------------------|
| 1. श्री एम० के गोयल | 20-11-74 (पूर्वाह्न) |
| जो पहले केन्द्रीय अभिकल्पन सगठन,
के० लो० नि० विभाग, नई दिल्ली
में सहायक इंजीनियरथे | |
| 2. श्री आर० डी० अग्रवाल | 21-11-74 (पूर्वाह्न) |
| जो पहले अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक-॥
कार्यालय, के० लो० नि० विभाग,
नई दिल्ली में सहायक निर्माण
सर्वेक्षक थे | |

3. श्री के० टी० सप्रबन्धम,	25-11-74 (पूर्वाह्नि)	के आगे वी गई तारीखों से, अन्य आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं :—
जो पहले मद्रास केन्द्रीय परमण्डल, —के० लो० नि० विभाग, मद्रास में सहायक निमाण सर्वेक्षक थे		1. श्री भोज राज 14-10-1974 2. श्री डी० पी० भसीन 7-10-1974
4. श्री बी० के० शर्मा,	13-12-74 (पूर्वाह्नि)	मूल शंकर पाठक, अवर सचिव
जो पहले केन्द्रीय अभिकल्पन सगठन, के० लो० नि० विभाग, नई दिल्ली में सहायक इंजीनियर थे।		कृते अध्यक्ष

पी० एस० परवानी,
प्रशासन उप-निदेशक

केन्द्रीय जल तथा विद्युत् आयोग
(विद्युत् संघ)

नई दिल्ली-110022, दिनांक 14 अक्टूबर 1974

स० 6/3/74-प्रशासन 2 (वि० स्क०) 2 जिल्हा-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल तथा विद्युत् आयोग एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहाय कोपर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी श्रेणी 2 सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उन के नामों के आगे लिखी तारीखों से, अन्य आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं:

1. श्री मोहन लाल एस राजानी	13-9-74 (पूर्वाह्नि)
2. श्री एच० सी० सेठ	12-9-74 (पूर्वाह्नि)
3. श्री जी० सूर्य नारायण	16-9-74 (पूर्वाह्नि)
4. श्री बी० के० अरोरा	12-9-74 (पूर्वाह्नि)
5. श्री डी० एम० वधवा	12-9-74 (पूर्वाह्नि)
6. श्री जगत प्रकाश	12-9-74 (पूर्वाह्नि)
7. श्री मुकुल बैनर्जी	16-9-74 (पूर्वाह्नि)
8. श्री जगदीश सिंह	24-9-74 (पूर्वाह्नि)
9. श्री पी० डी० गोयल	13-9-74 (पूर्वाह्नि)
10. श्री श्री कुमारन नयर	24-9-74 (पूर्वाह्नि)

दिनांक 17 दिसम्बर 1974

स० 6/3/74-प्रशासन 2 (वि० स्क०) (जिल्हा 2)—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल तथा विद्युत् आयोग एतद्वारा श्री एस० के० जैन, तकनीकी सहायक को केन्द्रीय इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 31 अक्टूबर, 1974 की पूर्वाह्नि से अन्य आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

मूल शंकर पाठक
अवर सचिव

नई दिल्ली-110022, दिनांक 26 नवम्बर 1974

स० 6/3/74-प्रशासन (वि० स०) (जिल्हा-II)—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल तथा विद्युत् आयोग एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायक/पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी श्रेणी-II सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उनके नामों

के आगे वी गई तारीखों से, अन्य आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं :—	1. श्री भोज राज 14-10-1974 2. श्री डी० पी० भसीन 7-10-1974
	मूल शंकर पाठक, अवर सचिव

कृते अध्यक्ष

(जल संघ)

नई दिल्ली-22, दिनांक दिसम्बर 1974

स० क-12017/1/72-प्रशा०-5—इस आयोग की अधिकृता स० क-12017/1/72-प्रशा०-5 दिनांक 3 अक्टूबर, 1974 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद्वारा श्री टी० पी० येगानान को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान केंद्र, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-गणित ग्रुप) के ग्रेड में स्थानापन्न क्षमता में ₹ 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 1-1-1975 से 28-2-1975 तक अथवा जब तक पद नियमित रूप से भरा जाए, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक जनवरी 1975

स० क-19012/418/73-प्रशा-5—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन कर लिए जाने के फलस्वरूप श्री जी० एल० छिवेदी, ने सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक भौतिक ग्रुप) केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान केंद्र, पूना, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल संघ) के कार्यालय का कार्यभार 10 दिसम्बर 1974 (पूर्वाह्नि) से त्याग दिया।

श्री हरी घंड गांधी उपरोक्त तिथि एवं समय अर्थात् 4-12-1974 (पूर्वाह्नि) से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

स० क-19012/432/73-प्रशा०-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग द्वारा उनका त्यागपत्र स्वीकार कर लिए जाने के फलस्वरूप श्री जी० एल० छिवेदी, ने सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक भौतिक ग्रुप) केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान केन्द्र, पूना, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल संघ) के कार्यालय का कार्यभार 10 दिसम्बर, 1974 (पूर्वाह्नि) से त्याग दिया।

के० पी० बी० मेनन
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष

नई दिल्ली-22, दिनांक जनवरी 1975

स० क-19012/523/74-प्रशा०-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद्वारा श्री जी० एस० सैनी, व्यावसायिक सहायक को केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक (वन-विज्ञान) के रूप में स्थानापन्न क्षमता में ₹ 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-

1200 रुपए के वेतनमान में 25-11-1974 (पूर्वान्त्रिम) से आगे आदेश होने तक पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री मैनी ने उपरोक्त नागीख तथा समय से केन्द्रीय जल और विद्युत् श्रायोग (जल संचय) में अतिक्रिय महायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

के० पी० बी० मेनन,
अवर सचिव

केन्द्रीय जल और विद्युत् श्रायोग
दक्षिण पूर्व रेलवे

कलकत्ता, दिनांक 31 दिसंबर 1974

सं० पी०/जी०/14/300सी—श्री सी० एच० बी० के० श्रीराममूर्ति को शहायक भण्डार नियंत्रक (थ्रेणी-II) का पुट्टी-करण भण्डार विभाग में 2 अक्टूबर 1969 से किया जा रहा है।

बी० रामनाथन
महाप्रबन्धक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
महाप्रबन्धक का कार्यालय

पाण्डु, दिनांक जनवरी 1975

1. ई/283/III/128पी०-III(०)—श्री आर० एन० घोष दस्तीदार, महायक विद्युत् इंजीनियर (द्वितीय थ्रेणी) को दिनांक 5-11-74 से प्रब्रव वेतनमान में मण्डल विद्युत् इंजीनियर के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. ई/283/III/133/पी०-IV(०)—श्री सी० आर० मुखर्जी, मुख्य दूर-संचार निरीक्षक (तृतीय थ्रेणी) को दिनांक 19-11-74 से द्वितीय थ्रेणी की सेवा में सहायक दूर-संचार इंजीनियर के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

3. ई/283/III/133 पी० IV (०)—श्री ए० के० सैन, सहायक दूर-संचार इंजीनियर (द्वितीय थ्रेणी) को दिनांक 21-11-1974 से प्रब्रव वेतनमान में मण्डल सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० रेड्डी,
महाप्रबन्धक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय
दिनांक

कम्पनी अधिनियम 1956 और महाराजा
श्री जितेन्द्र नारायण काल्प

सं० 19591/560/(३)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर महाराजा श्री जितेन्द्र नारायण कलाव लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और भट्टाचार्जी टेलर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 2/697/560(३)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (३) के अनुग्रह में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन माह के अवसान पर भट्टाचार्जी टेलर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और भाई उचातारा सिं० एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 2/823/560(३)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (३) के अनुभरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर भाई उचातारा सिं० एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और दुर्गा इंजिनियरिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 23747/560(३)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर दुर्गा इंजिनियरिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और निकुज प्रिंटिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 27193/560(३)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर निकुज प्रिंटिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एन० आर० सरकार,
कम्पनियों का महायक रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल।

कम्पनी अधिनियम 1956 कोर आर एस० सुन्दरम् चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 5694/74—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर आर० एस० सुन्दरम् चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का उप रजिस्ट्रार,

**कम्पनी अधिनियम 1956 और वारासत टूल्स फैब्री प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
कलकत्ता, दिनांक जनवरी 1975**

सं० 27051/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि वारासत टूल्स फैब्री प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

**कम्पनी अधिनियम 1956 और पायनियर मोटर्स आफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
कलकत्ता, दिनांक जनवरी 1975**

सं० 24442/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पायनियर मोटर्स आफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मिथिसन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक जनवरी 1975

सं० 24329/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मिथिसन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ईस्टर्न स्टार प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक जनवरी 1975

सं० 18881/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ईस्टर्न स्टार प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और डायमन्ड पावर स्पेसिलिटी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक जनवरी 1975

सं० 26773/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि डायमन्ड पावर स्पेसिलिटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एन० आर० सरकार,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और असम प्रिंटर्स एंड प्रिलिशसं लिमिटेड के विषय में

दिनांक 6 दिसम्बर 1974

सं० 210/560/3429—असम प्रिन्टर्स एंड प्रिलिशसं लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी भग दी जाएगी।

टेक कम्पनीज एक्ट 1956 की धारा 560 उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सर्वश्री असम प्रिंटर्स एंड प्रिलिशसं लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से हटा दिया गया है और उक्त कम्पनी भग हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और धुधरी लोण आफिस लिमिटेड के विषय में

दिनांक 3 जनवरी 1975

सं० 1/187/560—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धुधरी लोण आफिस लिमिटेड का नाम इसमें प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मनीपुर स्टेट बैंक लिमिटेड के विषय में

दिनांक 7 जनवरी 1975

सं० 1110/560/4-32—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मनीपुर स्टेट बैंक लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और तिरहुत फाईनेन्सिंग कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

सं० 6(677)-73-74/4166—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि तिरहुत फाईनेन्सिंग कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश लायल,
कम्पनी निवन्धक, विहार पटना

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स एंड अम्बाईवास ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1974

सं० 560/1819—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स एंड अम्बाईवास ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स थी मारडन
प्रोसेसर्स लिमिटेड के विषय में**

अहमदाबाद, दिनांक 1974

म० 560/1110—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स थी मारडन प्रोसेसर्स लिमिटेड नाम का इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स सुपर ज्योति
बेनीफिट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

म० 560/1845—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स सुपर ज्योति बेनीफिट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

ज० गो० गाथा,

प्रमंडल पेजीयक, गुजरात राज्य अहमदाबाद

**कम्पनी अधिनियम 1956 और इकान हंटरप्राइसेज,
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

दिल्ली, दिनांक 1974

म० 4708—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इकान हंटरप्राइसेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सी० कपूर

कम्पनी का महायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

**कम्पनी अधिनियम 1956 एवं श्री जगत्प्रिय सेविंग फंड
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1974

म० 13415/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री जगत्प्रिय सेविंग फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं रमेशनन्द सतीश कुमार

एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1971

म० 13650/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रमेशनन्द सतीश कुमार एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

3-444GI/74

**कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं युनीक मशीनरी कम्पनी
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

दिनांक 4 दिसम्बर 1974

म० 14902/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर युनीक मशीनरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम 1956 एवं कैमोकल एण्ड रेफिजरेशन
इक्वीपमेंट मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड**

के विषय में

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1974

म० 14123/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 को धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह, सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कैमोकल एण्ड रेफिजरेशन इक्वीपमेंट मैन्यू० कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन्
कम्पनियों का अर्तिकृत रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और चिदम्बरम टैक्सटाइल्स
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

दिनांक 1974

म० 426/74—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर चिदम्बरम टैक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम 1956 एवं नागर्मंड काटन मिल्स
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

दिनांक 1974

म० 6158/74—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नागर्मंड काटन मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

अधिसूचना स 5878/74

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और विश्वाम इस्प्रिट्रिक्स
एण्ड इक्युपमेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

दिनांक 1974

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी

जाती है कि इम तारीख से तीन मास के अवसान पर विश्राम इलेक्ट्रीकल्म एंड एक्यूपमेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषयित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सुन्दर राजा बस ट्रान्सपोर्ट स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

किनारा 1974

सं० 6003/74—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 के उपधारा (3) के अनुमति में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इम तारीख से तीन मास के अवसान पर सुन्दर राजा बस ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषयित कर दी जाएगी।

दृ० अपठनीय
कम्पनियों का रजिस्टर

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्री नारायणा इन्डस्ट्रीजल एंड ट्रेडिंग कारपोरेशन लिमिटेड के विषय में

एशनाकुलम्, दिनांक 12 दिसम्बर 1974

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 के उपधारा (3) के अनुमति में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इम तारीख में तीन मास के अवसान पर श्री नारायणा इन्डस्ट्रीजल एंड ट्रेडिंग कारपोरेशन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विषयित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बसपिल प्लान्टेशन्स लिमिटेड के विषय में

एशनाकुलम् दिनांक 12 दिसम्बर 1974

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुमति में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इम तारीख में तीन मास के अवसान पर बसपिल प्लान्टेशन्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विषयित कर दी जाएगी।

पौ० पृ० एम० अन्वार,
कम्पनियों का रजिस्टर, केरल

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और
श्री रघुपी एसोसियेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

धारा 145 (2) कम्पनीज एकट 1956 के अन्तर्गत

वैंगलूर, दिनांक 26 दिसम्बर, 1974

सं० लि०/१३३०/७४—धारा 445 (2)—कम्पनीज अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत सूचना दी जाती है कि मैमस दी र्पी एसोसियेशन प्राइवेट लिमिटेड कम्पनीज एकट 1956 में उच्च न्यायालय करनाटक वैंगलूर के दिनांक 6-9-1974 के आवेदन द्वारा समाप्त कर दिया गया है और उपरोक्त उच्च

न्यायालय के सन्वन्धन गजकीय समाप्त को द्वारा कम्पनी का समाप्तक नियुक्त किया गया है।

प्रबोध
कम्पनियों का रजिस्टर,
करनाटक, वैंगलूर

कार्यालय, आयकर आयुक्त,

पटना, दिनांक 17 दिसम्बर 1974

सं० आई० टी० XIII-3/71—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 4 जनवरी, 1974 और स० आई० टी० XIII-4/58-59, दिनांक 17 अप्रैल, 1972 का आशिक सुधार करते हुए तथा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, बिहार-II, पटना यह आदेश देते हैं कि दिनांक 23-12-74 से आयकर अधिकारों (सबक्षण) मुगेर, सरकारी वेतन सबधीं मामलों को छोड़कर राजस्व जिला मुगेर के सदर तथा जमुई अनुमड़न के सभी व्यवितयों या व्यक्तिवर्गों, जिनका निर्धारण वर्ष 1974-75 से मन्बन्धित तथा निर्धारण वर्ष 1974-75 तक के लिये सभी निर्धारण अब तक नहीं किया गया है, से संबंधित सभी कार्य भी करेंगे।

स० आई० टी० XIII-3/71—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 4 जनवरी, 1973 तथा सं० आई० टी० XIII-12/59-60, दिनांक 27 जुलाई, 1974 तथा 3 अगस्त, 1974 से आशिक सुधार करते हुए तथा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, बिहार-II, पटना यह आदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी (सबक्षण), मुजफ्फरपुर दिनांक 23-12-74 से आयकर अधिकारी बाईं-ग, मुजफ्फरपुर को सौपे गए सरकारी वेतन सबधीं मामलों को छोड़कर राजस्व जिला मुजफ्फरपुर, सीतामढी और वैषाली के सभी व्यवितयों या व्यवित-वर्गों, जिनका निर्धारण-वर्ष 1974-75 में संबंधित तथा निर्धारण वर्ष 1974-75 तक के लिये सभी निर्धारण अब तक नहीं किया गया है, से संबंधित सभी कार्य भी करेंगे।

ग० कै० दास गुप्ता,
आयकर आयुक्त
बिहार-II, पटना

बम्बई, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

म० 1159—एतद्वारा दुखद अधिसूचित किया जाता है कि श्री एम० ए० वाभवानी, भारतीय आयकर सेवा श्रेणी-2 के अधिकारी बाद में आयकर अधिकारी (सग्रहक), ए० वार्ड सैक्षण-1 बम्बई के रूप में नियुक्त दिनांक 10 नवम्बर, 1974 को स्वर्ग-वासी हुए।

एम० एम० शास्त्री,
आयकर आयुक्त,
बम्बई नगर-3, बम्बई

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, तारीख 31 दिसम्बर 1974

निवेदन मा० अमृतसर/जे० य० एल०/एपी-1518/74-75—
यतः मुझे दी० आर० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की स० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1503 मई 1974 लिखा है, जो गाव जाला सिह मे॒ स्थित है (अीर इसमे॒ उपावद्र अनुसूची मे॒ और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर मे॒ भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे॒ कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के पाल्दों मे॒ पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे॒ मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपन्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) जगीर मिह पुत्र अर्जन सिंह पुत्र दारा सिंह वासी जालंधर (अन्तरक)

(2) श्री कपल दत्त महे पुत्र पंडित दौलत राम महे मार्फत श्री जगदीश चन्द्र अड्डा होशियारपुर, जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे॒ अधीहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे॒ रुच रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे मे॒ अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे॒ हितवद्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे॒ समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे॒ से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे॒ प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे॒ हितवद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे॒ किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे॒ किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसे आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाए़ी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमे॒ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे॒ यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे॒ दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1503 मई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर मे॒ लिखा है।

दी० आर० सागर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 31 दिसम्बर 1974
मोहर :

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 31 दिसम्बर 1974

निदेश स० अमृतसर जाल०/एपी-1519/74-75—यह मुझे वी० आर० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की स० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1505 मई 1974 लिखा है, जो गाव जाला सिह में स्थित है (और हमें उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालधर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 मई, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः शब्द, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री जगीर सिह त्रिकुप अर्जन सिह त्रिक, जालधर (अन्तरक)
(2) श्री कपल दत्त महे पुत्र पडित दीलत राम मार्फत जगदीश चन्द्र अष्टडा होशियारपुर जालधर (अन्तरिती)
(3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
(4) कार्ह व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाह्या शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1505 मई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालधर में लिखा है।

वी० आर० सागर
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 31 दिसम्बर 1974

मोहर:

प्र० श्री आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निवेश सं० एएसआर/जे यू एल/एपी-1520/74-75—

यतः मुझे बी० आर० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसपा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1274 मई 1974 लिखा है, जो जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन 1974 मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी हुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुलभूषण पुत्र नंद लाल आफएन०बी० 270 धर्मेंद्री, नरिन्दर देव जगदीश मित्र अवनाश चंद पुष्पा देवकी विधवा डा० नंद लाल जी० ए० जोगिन्दर कुमार निर्मला दत्त पुत्र पंडित मरन दास रायपुर गाहोत० दमुआ।

(अन्तरक)

(2) लीडर इजीनियरिंग बक्स जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालयी हुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेप यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

हप्तोकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर्मी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1274 मई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

बी० आर० सागर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख 31 दिसम्बर 1974

मोहर :—

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निदेश सं० ए०ए०आर०/जाल/एपी-1521/74-75—यतः
मुझे वी० आर० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2297 मई 1974 लिखा है, जो आदमपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और /या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री हरभजन सिंह पुत्र प्रताप सिंह पुत्र रला सिंह वासी आदमपुर।

(अन्तरक)

(2) प्रीत पैलेस आदमपुर मार्फत स० मोहिदर पाल सिंह सामने पटोलपम्प, न्यू जवाहर नगर, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके प्रिधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में, किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2207 मई, 1974 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

बौ आर० सागर

तारीख : 31 दिसम्बर 1974

मोहर : सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निदेश सं० ए०एस०प्रार०/ जाल /एपी-1522/74-75—
यतः मुझे वी० आर० सागर आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस
श्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1382
नई 1974 लिखा है, जो वस्ती रोड मे स्थित है (और इससे
उपावश्च अनुसूची मे० और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकृत अधिकृत
कारी के कार्यालय, जालंधर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया :—

- (क.) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख.) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अतिरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों मे पूर्वोक्त तम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण मे, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

(1) श्री कर्म चन्द्र पुत्र वर्शाम राम पुत्र हीरा राम, नई आवादी रामदासपुरा मकान नं० 191, जालंधर अटार्नी आफ श्री लल्लमन सिंह पुत्र राज राम सिंह (हिमाचल प्रदेश)
(अन्तरक)

(2) श्रीमती किशनी देवी पत्नी श्री कर्म चन्द्र पुत्र कर्म चन्द्र रामदासपुर ता० जालंधर।
(अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 पर है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मे हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विरेलेख नं० 1382 मई 1974 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, जालंधर मे लिखा है।

वी० आर० सागर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 31 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निदेश सं० ए० एम० आर०/जाल/गपी-1523/74-75—
यतः मुझे बी० आर० संगर सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2017 मई 1974 लिखा है, जो मोता सिंह नगर, जालधर में स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई को पुरावित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या छन्दकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही की शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री हरबंस मिह पुब श्री जवाला सिंह पुब प्रताप पुर्ह जी० ए० हरवलाम कौर पत्नी हरबंस मिह जालधर।

(अन्तर्गत)

(2) श्री गवि गजमिह गिल पुब बलबंत सिंह पुब दातर मिह गाव गरहा त० जालधर।

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्टॉकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 760 मोता सिंह नगर, जालधर जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 2017 मई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालधर में लिखा है।

बी० आर० मागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निदेश सं० ए०ए०स०आर०/जाल०/एपी-1524/74-75—
यतः मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1444 मई 1974 लिखा है, जो गोपालपुर उर्फ विश्विपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री वलजिदर कौर पत्नी तारा सिंह पुत्र दाना वी० और पी० आ० माडोपर त० फगवाड़।

(अन्तरक)

(2) मैसर्ज मोतारज रबड़ इन्डस्ट्रीज मार्फत श्री मदन मोहन गुप्ता 99 आर्दण नगर, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हृचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1444 मई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 31 दिसम्बर 1974 अर्जन रेज, अमृतसर।

मोहर :

प्रारूप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निर्देश स० अमृतसर/जालंधर/ग० पी०-1525/74-75—
यत्, मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी स० धन्ती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1499 मई 1974 लिखा है, जो नगल सलीमपुर मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमती मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जालंधर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उम्मेदे दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्हव प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-सिरित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अनुग्रह 20-के शब्दो मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहो शूल करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण मे, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्रीमती सुरिद्र कौर पुत्री रघवीर मिह पुत्र ऊधम सिंह फौजी रोड, जालंधर कैंट। (अन्तरक)

2. श्रीमती अनत कौर पत्नी श्री सोहन मिह पलविदर कौर पुत्री श्री केवल मिह केवल पुत्र श्री सोहन मिह, राठपाल सिंह पुत्र केवल सिंह गांव रेस्ट हत्तमील जालंधर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे सच रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पा. सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेप यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पंच के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूचो

धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1499 मई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, जालंधर मे लिखा है।

वी० आर० सगर
सकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर
तारीख . 31 दिसम्बर 1974
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निवेश स० अमृतसर/जालधर/ए० पी०-1526/74-75—
यतः, मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी म० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1890
मई 1974 लिखा है, जो गुरु नगर, जालधर मे विद्युत है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालधर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 मई
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनाथे अन्तरिती हारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही पूर्ण करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपलब्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्रीमती चरणजीत कौर पत्नी श्री उमरग्रामो सिंह
श्रीलालपुर (अन्तरक)
2. कोन्टरेक्टर बलदेव राज पुत्र मेला राम पुत्र दौलत शम
दमुआ जिला होशियारपुर (अन्तरिती)
3. जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुच रखता हो (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

पृष्ठीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1890 मई
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालधर मे लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सक्षमक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 31 दिसम्बर 1974
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० अमृतसर/जालंधर/ए० पी०-1527/74-75—

यतः, मुझे, वी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1774 मई 1974 लिखा है, जो गांव श्रीलीखेल में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री कर्म सिंह चेला बाबू हरनाम सिंह गांव जयराम पुर त० एण्ड जिला कपूरथला (अन्तरक)
2. श्री सख्जीत सिंह पुत्र भूपिंदर सिंह पुत्र चना सिंह हरजीत सिंह पुत्र सुरिन्दर सिंह गांव वल त० एण्ड जिला जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे प्रधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे इन्हीं गवाता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती गांव श्रीलीखेल में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1774 मई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जालन्धर में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निदण सं० अमृतसर/जालन्धर/ग० पी०-1528/74-75—

यतः, मुझे, वी० आर० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1601 मई, 1974 लिखा है, जो गांव ग्रामी खेल में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में ग्रांग पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. संत कर्म सिंह वेला बाबा हरनाम सिंह गाव जयराम पुर त० कपूरथला (अन्तरक)

2. श्रीमती पाल कौर पत्नी सुरिदर सिंह भजन कौर पत्नी श्री भूपिंदर सिंह गांव बल त० जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में मन्त्र रखता हो
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1601 मई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

वी० आर० सागर,
सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 31 दिसम्बर 1974

सोहर :

प्रलेप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, अमृतसर

दिनांक 31 दिसम्बर, 1974

निदेश स० ए०एस०आर०/जाल०/ए०पी०-1529/74-75—
यतः मुझे वी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी संवधारी जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1184 मई, 1974 लिखा है, जो नंगल सलीमपुर में स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भरतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की व्यवस्था (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. राजिन्दर कौर पुन्नी रघुबीर सिंह पुत्र अधम सिंह, फोजी रोड, जालंधर केंट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अनतकौर पत्नी सोहन सिंह पुत्र मुनशा सिंह पलविन्दर कौर पुन्नी श्री केवल सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह केवल सिंह पुन्नी श्री सोहन सिंह, रघुपाल सिंह पुत्र केवल सिंह पुन्नी श्री सोहन सिंह, गांव रेल, त० जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० २ पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-हस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिये एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो, सो—
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45-दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अंजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों को सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1184, मई, 1974 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 31 दिसम्बर, 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निदेश सं० ए० एस०श्रार०/जाल०/ए०पी०-१५३०/७४-७५
यतः मुझे वी० आर० सागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1188 मई, 1974 लिखा है, जो नंगल मलीमपुर में स्थित है (ओर इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्दि किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. गरिजन्दर कौर पुत्री रघुवीर सिंह पुत्र अधम सिंह, फौजी गोड, जालंधर केंद्र। (अन्तरक)

2. श्रीमती ग्रनंत कौर पत्नी श्री गोहन सिंह, पुत्र मुंशा सिंह, पलविंदर कौर पुत्री केवल सिंह पुत्र श्री गोहन सिंह पुत्र मुंशा सिंह, राजपाल सिंह पुत्र केवल सिंह पुत्र मोहन सिंह, केवल सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह पुत्र मुंशा सिंह गांव रेह, तहसील जालंधर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1188, मई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

वी० आर० सागर,
मकान प्राधिकारी
महायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 31 दिसम्बर, 1974।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक 31 दिसम्बर, 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०/जुला०/ए०पी-1531/74-75 यतः
मुझ वी०आर० सगर सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विनेश्व न० 1495, मई, 1974 लिखा है, जो नगल सलीमपुरा मे स्थित है (ओर इसमे उपावद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकूर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जालधर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विनेश्व के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्दि किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

प्रतः प्रब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा

1. मुरिन्दर कौर पुबी रघुवीर मिह, पुब ऊधम मोह, बामी फौजी रोड, जालधर केट। (अन्तरक)
2. श्रीमती अनंतकौर पत्नी सोहन मिह, पलविंशर कौर पुबी केवल मिह, केवल मिह पुब श्री सोहन मिह, रघुपाल मिह पुब केवल मिह पुब श्री सोहन मिह, बामी रेह। (अन्तरिती)

3. जैमाकि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो मम्पति मे हचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति धाक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है स्थासम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विनेश्व न० 1495, मई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालधर मे लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 31 दिसम्बर, 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० दी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसंबर, 1974

निदेश सं० ए० एस०आर०/फग०/ए०पी०-१५३२/७१-७२ -

यह मुझे बी० आर० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धर्ती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 240 मई, 1974 लिखा है जो गांव भगवानपुर में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से नाम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) श्री अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत छाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पतः—

1 श्री मेहर सिंह पुत्र दलीप सिंह, बी० एण्ड पी० ओ०

रामपर सुनरा त० फगवाड़ा। (अमृतरक)

5—444GI/74

2 श्री ग्रजीत मिहू त्रुत ब्र अन्त मिहू

गाँव वेण, त० फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि नं० २ पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिकारी में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवहन है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गती को शी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 240, मई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में भिजा है।

बी० आर० सागर,
सक्षम प्राधिकारी,
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख . 31 दिसंबर 1974

मोहर :

प्रॅलूप आई० टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर, 1974

निदेश सं० ए०ए०आर०/ए०ए०ए०/००वी०-१५३३/७४-
७५—यतः मुझ वी० आर० सागर आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 751. मई, 1974 लिखा है, जो रेलवे रोड, नवां शहर में स्थित है (और इसमें उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवां शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तर्का याकृति की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

ओर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय अनुसरण में द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधिकारी :—

1. श्री रमेशचन्द्र फारसेलफ एण्ड जी०ए०आफ धर्मवीर
महाराज वामी नवां शहर (अन्तरक)

2. श्री सोहन सिंह पुत्र करतार सिंह,
वासी गाँव अरापुर, त० नवांशहर। (अन्तरिकी)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।
(वह अविक्त जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में भनि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालय शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिकी की दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ हींगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 751, मई, 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

वी० आर० सागर,

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 31 दिसम्बर, 1974

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर वायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसंबर, 1974

निदेश न० १००४०/आर०/न००८०/प००१०-१५३४/७४-
७५—यत् मुझे थी० आर० सागर आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना अधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 2500/-० से अधिक है
और जिसकी स० धनी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 673
मई, 1974 लिखा है, जो नेवंवे गोड़, नवाशहर में स्थित है (और
इससे उपावन्द अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नवाशहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, तो से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के द्वारा नया पाया गया तो से अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्थिति
से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के द्वारा इस सम्पत्ति को कमी करने या उससे
बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का, 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः आब, धारा 269-घ के अनुसरण में, यैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, यथात् —

1. श्री विपिन चन्द्र उर्फ विपिन चन्द्र पाल, हरीण चन्द्र पुत्र
महाराज पुत्र गोपी, आसी नवाशहर।

(अन्तरक)

2 श्री गुरमुख सिंह पुत्र करतार सिंह, गाव अरापुर, त०
नवाशहर। (अन्तरिती)

जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी
जानता है)

1. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममात्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गए
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उनकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने
ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 673, मई, 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नवाशहर में लिखा है।

वी० आर० सागर,
मकान प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज अमृतसर

तारीख . 31 दिसंबर, 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एग० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 31 दिसंबर 1974

निधन स० एएसआर/एपी-1535/74-75—यत मुझ
वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० 2/3 भाग कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1710 अगस्त, 1974 लिखा है, जो 59, हुक्म मिह रोड, अमृतसर में स्थित है (और इसे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भागीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 अगस्त, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेज्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

अतः अब, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिवित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की पाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दी न्यू सुरज ट्रासपोर्ट कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड
थाउट मार्ट गार्डी एट, अमृतसर मार्केट श्री बलदेव बृष्ण, चेयरमैन
(अन्तरक)

(2) श्री अमरजीत कौर पत्नी श्री अजीत मिह वलदेव कौर
पत्नी जोगिन्द्र सिंह, हुक्म मिह रोड, अमृतसर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है (बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुनि रखना हो (नह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह ममानि में हितबद्ध है)।

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, सौ—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/3 भाग कोठी न० 59 हुक्म मिह रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1710 अगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 31-12-74 महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर: अर्जन रेंज, अमृतसर।

प्ररूप आई० टी० पन० एस० ——

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निर्देश स० एप्सआर/पी-1536/74-75—यत्. मुझे,
बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिमकी स० ममति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2976 दिसम्बर, 1974 लिखा है, जो मकान न० 1285 और 897

एक्स-5 एक्स-5

दाव खतीका अमृतसर में स्थित है (और इसमें उावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 दिसम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के सिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के पांचों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किय गये हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपशारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गुरु पत्नी के बल किशन कपूर वासी ढांच खतीका अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार पुत्र श्री मत्या पाल मेठ कटरा अरति सिंह, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हच्छ रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

ल्यास्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग मकान न० 1285 और 897 ढांच खतीका, अमृतसर एक्स-5 एक्स-5

में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2976 दिसम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर,
मक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 31-12-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर: अर्जन रेंज, अमृतसर।

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 फ़िब्रुवरी 1973

निवेश स० ए०एस०आर०/1537/74-75—यत, मुझे, बी० आर० भगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विप्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2977 दिसम्बर, 1974 लिखा है, जो मकान नं० 1285 और 897 छाव एक्स-5 एक्स-5, खतीका अमृतसर मे स्थित है (और इसमे उपावढ अनमूर्ची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 दिसम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विप्रवास करने का पारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पद्धति अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेष्ठ से उक्त अन्तरण सिखित मे वास्तविक रूप से कर्तित नही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कार देने के अन्तरक के धार्यत्व मे कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियो को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों से पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य- बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थतः—

(1) श्रीमती शुभ पत्नी श्री केवल किशन कपूर वासी शाव खतीका, अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री रमन कुमार पूर्व श्री मत्या पाल कटरा चरत सिंह, अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबढ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे मे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबढ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे विया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग मकान नं० 1285/एक्स-5 और 897/एक्स-5 छाव खतीका अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2977 दिसम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर मे लिखा है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
तारीख: 31-12-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर।
अर्जन रेज, अमृतसर।

प्र० ४५० टी० ई० ६३० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निदेश सं० ए०प०आर०/एपी-१५३८/७४-७५—यत., मुझे, बी० आर० सगर, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2978 दिसम्बर, 1974 लिखा है, जो मकान नं० 1285 और 897 छाव खतीका अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत अनियम अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाश्च गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या भ्रम्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-व के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः यद्य, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

(1) श्रीमती शृंग पन्नी के बल किशन कपूर वामी द्वाव खतीका, अमृतसर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती रघुर्ण नता पत्नी श्री मत्या पाल मेठ कटरा नगर मिह, अमृतसर ।
(अन्तरिती)

(3) जंभा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।

(1) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सचित रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(1) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों द्वे में विसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है, श्राक्षेपों वी सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-व में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग मकान न० 1285/एक्स-5, और 897/एक्स-5 द्वाव खतीका अमृतसर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2978 दिसम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
तारीख : 31-12-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
मोहर : अर्जन रेंज, अमृतसर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज. अमृतसर का कार्यालय
अमृतसर, दिनांक । जनवरी 1975

निदेश सं० एएसआर/एपी-1539/74-75—यतः मझे, बी० आर० मगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 631 मई, 1974 लिखा है, जो गांव वजवारा में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण से द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपलब्ध (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

(1) श्री जगदीश राम जेरथ पुत्र स्वर्गीय चूनी लाल जेरथ प-330 डीफैस कालोनी, नई दिल्ली-24। (अन्तरक)

(2) श्री राम लाल, गोविंद राम और सीता राम पुत्र रमा रम मोहन ना मोरी बहादुरपुर तहमील और जिना होशियरपुर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) बोई व्यक्ति जो गम्पति में रचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह गम्पति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45-दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख गौर स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही प्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 631 मई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी देहली में लिखा है।

बी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 1-1-75 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर: अर्जन रेज. अमृतसर।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयदर विधि यम, १९६१ (१९६१ का ४३) की

आर. 269 घ (1) के अधीन सूचना

नारत गुरु एवं

कार्गिलख, सदांत नं १८— श्रावकत (निरीक्षण),
—, २९ अम्बुद्धा

अमनगढ़ चिना-१० नगरी १९७५

निदेश पा गार टार/पाई-1541/73-74—यह मुझे,
वी० जानू० १९८० जायन्तर प्रधिनियम, 1961 (1961
का 43) वी० सा २६७-ए दे अधीन संश्लेषण प्राधिकारी को, यह
विष्वास ०३.१ कारण है कि इथावर सम्पत्ति जिसका
उचित वर्जाय मूल्य 25,000/- स्थाये से अधिक है और
जिसकी संपत्ति दैवत निर्जिस्ट्रीकृत विलेखन ० २३४०
मई १९७१ का है जो उन रेखे में ख्यत है (और इससे उपाखड़
प्रत्युत्तरी के ०५५५८८० जिम है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी द्वारा इसका इन्हें रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम १९०५ (१९०५ ३०), अधीन १९७४ मई,
को पूर्वोक्त नमूने के जन्मत धारार
मूल्य में दर्शन है इसका प्रतिक्रिया है लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार असरित ही नहीं है और इसे यह विष्वास वरने का कारण
है कि यथापूर्वक समानिका इनित वर्जाय मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से, गोगे इयमां प्रतिफल वा दन्त्रह पतिष्ठत अधिक
है और यह विचलन्तर (अन्तररत्नो) और अन्तरिणी (अन्तरितियो)
के बीच तथा पाया गया है तो भवन के विरु प्रतिफल निम्न-
लिखित दरों के सभी अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
के अनुसार दर्शन होता रहता है।

(क) दूरध्वाम में ही कमी आय की बानत आपकर अधिकारिया, 1961 (1961 की 4) के अधीन ५० लाख रुपयों के लाभित्र, म कमी करने या उत्तरों व दाने के पिछे सुबह बनाना; और/या

(७) ऐसी रिपोर्ट जाय या किसी तर या अत्य आस्तियो
 १, २, ३, चर्चो, ५, ६, अधिनियम, १९२२
 (१०, ११) या आवार अधिनियम, १९६१
 (१२, १३) या धन एवं प्रधिनियम, १९५७
 (१४, १५) के प्रयोगतार्थ अन्तर्खी द्वारा
 ५कड़ दें। यहाँ गता था द्वा किया जाना चाहिए
 १५, १६। के लिए सूक्ष्म बनाना।

और गत दर्शक अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) के लघुाय वा वा उद्दो मे पूर्वविन सम्पत्ति के अजंन के लिए फार्य-
थाही मूल रूपे वा रुपां वा वा अभिलिखित किए गए है।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की व्यपादारा (1) का अनुसार इसका विवरण निम्नानुसार है—

6-444GL74

(१) श्री वेद व्यास पुस्तक अनन्त राम कृष्ण नगर, अमृतसर
(अन्तरक)

(2) श्री राम लाल पुत्र राघव रखा गल, शरीक पुरा अमृतसर कृष्ण लाल पुत्र मुन्ही राम, मेंढ़ा मड़ी अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग म समाप्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधिकारी जानता है तिं वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तिक सम्पत्ति के अर्जन के, लिए एकदम्भारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आशेष, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आवेदनों, यदि रोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आवेदन किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्णवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आशेषों की सुनवाई के माध्यम से जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकून विलेख न० 2340 मई, 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी

સારીખ 10-1-75

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

• हायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)
प्रजन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 10 जनवरी 1975

निवेदन सं० अमृतसर/ए०पी०-१५४२/७४-७५—यतः, मुझे
बी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी मूल्य अनुसार जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2336
मई 1974 लिखा है, जो तुग पेन में स्थित है (और इससे उपाबृह
अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 1974 मई,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से ह्रौद किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यान्वयी शुल्क वरने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री वेद व्याम पुत्र श्री अनन्त राम निवासी, कृष्ण नगर
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री राम लाल पुत्र श्री राम रखा मल,
निवासी शरीफ पुरा, अमृतसर।
श्री कृष्णसाल पुत्र श्री मुनशी गम.
मेवा मण्डी, अमृतसर।

(अस्तपत्ती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रचि रखता हो। (वह
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अंजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुनें जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वद्वारकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2336 मई, 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 10-1-1975

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एच० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 जनवरी 1975

निदेश मं० अमृतसर/ए०पी०-1543/74-75—यतः, मुझे,
बी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है
और जिसकी सं०धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1851 मई०
1974 लिखा है, जो गांव खीपर खेरी और बसरकी में स्थित है (प्रीर
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 मई०
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि धथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के सिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

ओर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अस: अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गुरबचन कौर पत्नी बलवत सिंह, गाव खापर खेरी तहसील अमृतसर अब राधा स्वामी देग व्यास। (अन्तर्क)

(2) श्री जरनैल मिह, सुरजीत मिह, अमरजीत मिह पुत्र हरबीप सिंह खापर खेरा ता० अमृतसर।

(अन्तर्गती)

(3) जैसा कि मं० 2 पर है।

(वह अक्षित, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखना हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनाना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उक्त में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनकाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्तीं पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनकाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिधारित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुसूची

इस्ती द्वेषा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1851 मई० 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर,
सक्रम प्राधिकारी,
भारतीय आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख: 10-1-75।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 जनवरी 1975

निवेश स० अमृतसर/ए०पी०-1544/74-75—यतः, मुझे
बी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीड विलेख नं० 1262
मई 1974 लिखा है जो गंव भैली दाई वाला मे स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय तरन तारन मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बहु के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीड विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने वा वारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना :

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मोहिन्दर गिह पुन श्री भगत निहृ
गाव भैली दाई वाला, न० अमृतसर। (अन्तरक)

(2) कर्म मिह पुव ठाकुर सिह, व्यजीन निहृ गाव गिह पुन
गाध गिह, मुखियार सिह पुन वरा निहृ गाव
भैली दाई वाला (अमृतसर)। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० ३ पर है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिकारों मे सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो ममता मे सचि रखना हो।

(वह व्यक्ति, जिसके वारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति दे हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी रुपके पूर्वान सम्पादने के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिता गुरु बरता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन ने प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशिती तारीख से 45
दिन वी अवधि दा तत्त्वाद्धी लाइसेंस पर सूचना
की तारीख ने 30 दिन की अवधि, जो भी जवाधि बाद
मे रामात हो भी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशिती तारीख से 45
दिन वे भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरा के पास लिखित
मे किये जा सके।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस रथावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हो, की सुनवाई के लिए दार्ख और स्थान निरात दिए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आपे यह अधिसूचित किया जाना है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन राना ता दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के बाय तुरे जाने के लिए अधिकार होता।

स्पष्टीकरण——इसमे प्रदृष्ट शब्दो भ.र पदा. दा, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क मे व्यवस्था दी गई है, वही
अर्थ द्रीगा, जो उत्तर अध्याय दे दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीड विलेख नं० 1262 मई 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तरन तारन मे लिखा है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 10-1-1975।

मोहर :

प्र० रुपा आई० टी० एन० एस० —
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

26५-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय मंटायन आयकर आयुक्त (गिरीक्षण)

अर्जन रेज चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 8 नवम्बर, 1974

निदेश स० के०एन०एल०/२८/७४-७५—यत मुझे जी० पी० सिह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26५-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सख्त ज्ञाट न० 48, जरनैली कलौनी है जो सामने मिश्रित हस्पताल, करनाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्द, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरारत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य रो उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षमित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई विस्तीर्ण आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने के लिए शुक्र बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय अत्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना,

और पत. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-का के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के यारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अत. अब, धारा 26५-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26५-घ की उपस्थान (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) (i) मनाहर लाल गम्भीर, वकील करनाल जिला कोर्ट, करनाल।
- (ii) श्री दंस राज पुत्र श्री लक्ष्मी वाम, नहीं दिल्ली।

(प्रतिशक्त)

(2) कृष्ण देव पुत्र श्री सालग राम, निवासी भकान न० 1033, बारड न० 6, नजदीक डिस्ट्रैलरी, सदर बाजार, करनाल। दफतर का पता श्री इमपोरियम, जी० टी० रोड, करनाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति वे अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो .—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-का में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 48, जमनैली कलौनी, सामने मिश्रित हस्पताल, हस्पताल रोड, करनाल।

प्लाट न० 48 उत्तर की तरफ से हस्पताल रोड से घरा हुमा है। सड़क की दूसरी तरफ हस्पताल है, प्लाट न० 46 श्री आर० एस० सेठी का है जिस पर नई दुकानें पश्चिम की तरफ बनी हुई हैं। इसके पीछे दक्षिण की तरफ प्लाट न० 50 जो कि श्री बी० एस० भाटिया का है और प्लाट न० 51 पर श्री श्री के० डी० शर्मा का घर है, प्लाट न० 52 पर पूर्व की तरफ श्री एन० एल० गम्भीर का घर है।

जी० पी० सिह,
मक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (गिरीक्षण),
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 8-11-1974।

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एम० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़
चण्डीगढ़, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निवेश सं० सीएचडी०/107/74-75—यतः, मुझे जी० पी०
सिह, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, चण्डीगढ़
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 18, सैकटर 26, है जो
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इस उपायन अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन 1974, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण
विभाग के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कार्यस महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर
देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उसके
बचावे के लिए सुकर बनाना और/या ;
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर प्रधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर प्रधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
प्रधाय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए
कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा प्रभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
रूपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

- (1) धीमती रछपाल कौर पुर्वी श्री भगवन्त सिंह,
485, अजीस नगर, पटियाला। (अन्तरक)

(2) श्री असन्त सिंह पुत्र श्री बूदा सिंह,
गाँव और ढाकखाना : जनडीला, त० गढ़शंकर ।
जिला : हुशियारपुर ।

(अन्तरिती) ।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के
लिए एसदूदारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रबंधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रबंधिया, जो भी प्रबंधिये के बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदूदारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के प्रधीन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
लिखित किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने
ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदूदारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के प्रधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
में सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर
प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
प्रधाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही प्रयृ
होगा, जो प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

दस० सी० एक० न० 18, सैकटर 26, प्रभाज मण्डी, चण्डीगढ़

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 8-11-1974

क्रमांक :

प्रारूप बाईंटी०एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निदेश सं० सी०एच०डी०/113/74-75/ :—यत् मई
जी० पी० सिंह,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सभल प्राविकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
संचय बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० प्लाट नं० 3061, सैकटर 21-D है जो चण्डीगढ़ में स्थित है
(और इससे उपावड़ भवन सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974,
मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेक्षण के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
भाषी शुरू करने के कारण भेरे हारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपशारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णन :—

(1) श्री अमृत पाल अग्रवाल पुत्र श्री कृन्दन लाल,
33-एफ, कमला नगर, नई दिल्ली-7 (अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्द नाथ सूद पुत्र श्री कनवर लाल सूद निवासी
94, सैकटर 21-ग०, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताहु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षात्तरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्तीवैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० प्लाट नं० 3061, सैकटर 21-डी० चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,
सभल प्राविकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 11 नवम्बर 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मण्डल

कार्यालय, महायकर आयकर अधिनियम (नि० ६ ण)

अर्जन रेज चन्डीगढ़

चन्डीगढ़, दिनांक 15 नवम्बर 1974

निदेश सं०मी०एच०डी०/१२५/७४-७५ / —यत्, मर्जे
जी० पी० मिह

महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज चन्डीगढ़-
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रुपय से अधिक है
और जिसकी म० एन०/न० ५३, सैकटर २१-ए० है जो चन्डीगढ़
मे स्थित है (और इसे उपायद्वय अनुसूची मे और पृष्ठे ८४ से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वन्डीगढ़ मे
मार्गीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के
अधीन मई, 1974

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम वा दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
वा अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पद्धति
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के सिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे आस्तविक
रूपसे कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की वावत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसमे बचने
के लिये सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना,

और यह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दो मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण मे मै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपेंशीरा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात :—

(1) श्री शान्ति सर्वप्रभु पुत्र श्री पूर्ण चन्द्र शर्मा ५३
सैकटर २१-ए०, चन्डीगढ़ । (अन्तर्क)

(2) (i) कृष्ण मिह पूत्र बनत मिह

(ii) श्री गुरनाम मिह

(iii) गुरमें मिह पूत्र श्री कृष्ण मिह निवास गाव पिंडी
जामीर जिला जलन्धर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो ~

(क) इस सूचना के गजपत मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन भी अवधि या तत्त्वधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन भी अवधि, जो भी अवधि वाद
मे समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म
मे किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन, भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितवद्ध
किसी दून्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित म किए जा सकेंगे ।

एतदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उन्नर मे किए गए आक्षेपो, यदि
कोई हो, की सुनबाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।

पूतद्वारा आगे इह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती दैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो
की सुनबाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण —इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस प्रध्याय मे दिया गया है ।

ग्रन्तसूची

मकान नं० ५३, सैकटर २१-ए०, चन्डीगढ़ ।

जी० पी० मिह,

मध्यम प्राधिकारी

महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चन्डीगढ़

तारीख 15 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आर्जन रेज, चन्डीगढ़

चन्डीगढ़, दिनांक 15 नवम्बर 1974

निदेश सं० एल० ढी० एस०/सो०/188/74-75/ :—यतः,
मुझे, जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या जमीन है जो बांडेवाल प्रवाना, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन प्रैन, 1974,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तररक (अन्तररकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या गन्य आस्तियों को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पतः—

(1) श्रीमती विद्याया वती उर्फ विद्या बी० प्रीतम लिंग विधवा विरीगेहियर प्रीतम सिंह निवासी देहली।

(ii) श्रीमती चान्द पुन्नी बदशी प्रीतम सिंह, पत्नी सरदार उज्जल सिंह निवासी देहली।

(iii) श्रीमती मनजीत कीर डफ मनजीत सोंकी पुत्री बदशी प्रीतम सिंह, पत्नी कनेल जी० एस० सोंकी, एडमिन स्टेटिव अफिसर, अम्बाला कैन्ट द्वारा मेजर मध्याह्न लिंग, मुख्यायर अन्तरक।

(2) (i) मठतर सिंह }
(ii) श्री सूरजीत सिंह } पुकाम श्री आगोर सिंह
(iii) श्री दलजीत सिंह } पुत्र श्री हजारा सिंह

निवासी-फलेहपूर प्रवाना, तहसील, लुधियाना। (प्रहरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्वसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध व्यक्ति अम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अंतर्न के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पेरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुनें जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतीवाड़ी की भूमि खेत्रफल 3 बींगा, 16 बिस्ता, खेवट नं० 346, खतोनी नं० 358, खसरा नं० 285, गांव बांडेवाला प्रवाना में स्थित है तहसील और जिला लुधियाना।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आर्जन रेज, चन्डीगढ़

तारीख : 15 नवम्बर 1974

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीनगर रेंज, जंशुपुर

प्रणीतिगद्, विनांक 15 नवम्बर, 1974

निदेश सं० LDH/C/335/74-75/ :—यतः, मम
ओ० पी० सिंह

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अण्डीगढ़
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
भौंड जिसकी सं० जर्मन र, जो हाफ बारा बारा (तै० लघियाना),
में स्थित है (अपौर इससे उचावड़ अन्नसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्टीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय
रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
1974, जलाई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीरण विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विवास करने के कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह वि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से अधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की आवत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी विसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रबट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

प्रेरणा: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के उद्याय 20-क के प्रदो में दूर्बोध सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आयंघाही शूल करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित निए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण म, में, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269 की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भगवान्न सिंह पुत्र श्री हरी सिंह, कारा बाजा, फैफ़ि-
याना (अन्तरक)

(2) न्यू इंडिया कलौनाइंजरज 55, भादोड़ हाउस,
लघियाना द्वारा श्री बाल कृष्ण। (अन्तर्सी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त रथावर सम्पत्ति में हिस्सद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उक्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान मिलत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क
अध्याय 20-क में मध्यापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्नसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 कलाल, खेकट बं० 1164 किलो० 13

1265 24/2

13

पर्क कारोबारा स्थिति है तहसील भोर जिला लुधियाना
17 / 1

जी० पी० सिंह,

सभी प्राधिकार

सहायक आयकर आदक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अण्डीगढ़

तारीख : 15 नवम्बर, 1974

मोदर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
चण्डीगढ़, दिनांक 24 दिसम्बर, 1974

निरेश सं० LDH/ C /446/74-75/—यतः,
मुझे जी० पी० सिंह,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी
को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी जमीन है जो गांव हैबोवाल कलां तसहसील
और जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा प्राधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 1974 जून,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के सिए प्रतिफल निम्न
निम्नित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
प्रध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) (i) श्री सरनजीत सिंह}
(ii) श्री अमर जीत सिंह} पुत्रान श्री हीरा सिंह,
निवासी हैबोवाल कलां तसहसील और जिला लुधियाना (अन्तरक)

(2) श्रीमती लाजवन्ती पत्नी श्री दौलत राम पुल श्री जीवन
दास निवासी टैगोर नगर लुधियाना।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षण्य
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने इस आक्षण्य-
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पंरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षण्यों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क
में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4 कनाल भूमि जिसका खाता नं० 547/599 और खास
नं० 36/19, मिन (जनावन्दी 1971-73) जो कि हैबोवाल
कलां गांव में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण के विलेख नं० 1601, जून, 1974
में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफतर में लिखा है)।

जी० पी० सिंह,
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 24 दिसम्बर, 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, चंडीगढ़

चंडीगढ़, दिनांक 24 दिसम्बर, 1974

निदेश सं० एल० ई० एच०/सी०/447/74-75:—यतः,

मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज चंडीगढ़ आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक और जिसकी सं० जमीन है जो गांव हैबोवाल कलां में तहसील और जिन लुधियाना में स्थित है (और इसे उपावढ़ अनुपूर्वों में और पूर्ण रूप से बर्गन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के प्रधीन 1974 जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच तथ यापा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की छावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-पार्ही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (i) श्री सरनजीत सिंह

पुत्रान श्री हीरा सिंह

(अन्तरक)

निवासी हैबोवाल कला तहसील और जिला लुधियाना

(2) श्रीमती सुरिन्द्र कुमारी पत्नी श्री कृष्ण लाल पुन्न श्री दोलत राम, निवासी टैगोर नगर, लुधियाना (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुल्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को भी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

घनमूली

4 कनाल भूमि जिसका खाता न० 546/599 और ब्लॉक न० 36/16 मिन (जमाबन्दी 1971-72) जो कि हैबोवाल कलां गांव में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1602, जून, 1974 में सब रजिस्ट्रार लिखित के दफ्तर में लिखा है)।

जी०पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, चंडीगढ़

तारीख : 24 दिसम्बर, 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

चण्डीगढ़, दिनांक 24 दिसम्बर, 1974

निवेश सं० एल० डी० एच०/सी०/448/74-75/ :—यतः
मुझे जी० पी० सिंह,सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सकाम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन है जो गांव हैबोवाल कला तहसील और
जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 1974 जून,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषाय (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) (i) श्री सरनजीत सिंह

पुत्रान श्री हीरा सिंह

(ii) श्री अमरजीत सिंह

(अन्तरक)

निवासी हैबोवाल कला तहसील और जिला लुधियाना।

(2) श्री सुन्दर लाल पुत्र श्री दीपेंद्र राम निवासी टेगोर,
नरग, लुधियाना। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसरी

4 कनाल जमीन जिसका खाता न० 547/599 और खसरा
न० 36/17 मिम० (जमाबन्दी 1971-72) जो कि हैबोवाल
कला गांव में स्थित है।(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 1603, जून, 1974
में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।)जी० पी० सिंह,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 24 दिसम्बर, 1974

मोदूर :

प्रलेप आई० दी० एच० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,

चण्डीगढ़ दिनांक 24 दिसम्बर, 1974

निवेश सं० LDH/ C /449/75-75/ :—यतः
जी० पी० सिंह,

सहायक भायकर भायक्स (निरीक्षण), अर्जन रेंज चण्डीगढ़
भायकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका अधिकार बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन है जो गांव हैबोवाल कलां तहसील और
जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावदू अनुसूची में भीर
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 1974 जून,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्भृत की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तर्भृती (अन्तर्भृतियों) के बीच क्षय पाया गया ऐसे अंतरण के
लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद अधिकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करके ने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करके या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रवृत्तिमय अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट
मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियने
के लिए सुकर बनाना।

और यहाँ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शब्द करके कारण भेरे जारा अभिलिखित किए गए
हैं।

बत, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की आरंभ 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अवतिः—

(1) (i) श्री सरनजीत सिंह

पुत्रान श्री हीरा सिंह,

(अन्तरक)

(ii) श्री अमर जीत सिंह,
निवासी हैबोवाल कलां, तहसील और जिला लुधियाना

(2) श्रीमती लाजवत्ती पत्नी श्री दौलत राम, पुत्र श्री
जीवन दास निवासी टेगोर नगर, लुधियाना (अन्तरिक्षी)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए के
एतद्वारा कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई है, तोः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधौहस्ताकारी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हैं, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसमें ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को भी जारीगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त प्राक्षरों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में व्यापारिभावित हैं, वही
मर्ज होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

जमीन 4 कनाल जिसका खाता न० 547/599 और खसरा
न० 36/17 मिन (1—3), 18/1,— मिन (1—12) और
19—मिन (1—5) (जमावन्दी 1971-73) जोकि गांव
हैबोवाल कलां में स्थित है।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1604 जून, 1974 में सब
रजिस्ट्रार लुधियाना के दफतर में लिखा है।

(मी० पी० सिंह),

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,

तारीख : 24 दिसम्बर, 1974
मोदूर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज अण्डीगढ़
का कार्यालय

अन्डीगढ़, दिनांक 27 दिसम्बर, 1974

निवेश सै० एच०एस०आर०/२५/७४-७५—यतः मुझे
जी० पी० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269 ष के प्रधीन संभव प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या जो खेती बाड़ी, जर्सीन, गांव सतरोद
बास तंहसील व जिला हिसार में स्थित है (और इससे उपावड
मनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय, हिसार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 1974 मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूर विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूम्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर
देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे
माचने के लिए सुकर बनाना और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुल्करते के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की
उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री गिलानी राम, 2. श्री तेज राम प्रदान श्री
जोल राम जाट, गांव और डाकखाना सतरोद बास तंहसील और
जिला हिसार। (अन्तरक)

(2) दी प्रिसिपल आफिसर मैः जनक स्टील ट्यूब प्राइवेट
लिमिटेड देहली रोड, हिसार (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर यह सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयुक्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, परोहस्ताकरी के प्राप्त
स्थिति में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
प्राक्षेपणों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने
ऐसा प्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा प्राप्त यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, प्राक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्राप्त शब्दों और पदों का, जो, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में प्राप्तिरिप्राप्ति है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती बाड़ी जमीन 48 कन्टल 9 मरले का 1/3 हिस्सा 16 कन्टल
3 मरले जिसका खसदा नं० 16/7/10, 11, 12, 13, 18/2,
19, 22, 23/1 है और जो कि सतरोद बास, तंहसील व जिला
हिसार में स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा के रजिस्ट्रीकूर
लिलेख नं० 319 मास मई 1974 में दिखाया गया है।

जी० पी० सिह,
संसद-प्राधिकारी

तारीख: 27-12-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर:

प्रैरुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज चण्डीगढ़
का कार्यालय

चण्डीगढ़ दिनांक 27 दिसम्बर, 1974

निदेश सं०एच०एस०आर०/36/74ब75—यत्. मुझे जी०पी०
सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज
चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या खेती बाड़ी जमीन है, जो गांव खतरोद खास,
तहसील व जिला हिसार में स्थित है (अग्रीर इससे उपर्युक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हिसार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन मटू, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्ताविक रूप से
फथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना और/या;

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी छन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

पूर यत : आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
प्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

प्रत : अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (i) श्री गिरानी राम (ii) श्री तेज राम ऐंत्रान
श्री जोत राम जाट गांव और झाकखाना सतरोद खास तहसील व
जिला हिसार। (अन्तरक)

(2) प्रिसिपल अफिसर मै. जनक स्टील ट्यूब प्रा० सि०
देहली रोड, हिसार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने
ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बड़ी प्रय॑
होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती बाड़ी जमीन 48 कनाल 9 मरल का 1/3 हिस्सा 16
कनाल 3 मरले जिसका खसरा न० 167/10, 11, 12, 13, 18/2,
19, 22, 23/1 जो कि गांव सतरोद खास, तहसील व जिला हिसार
में स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हिसार कि रजिस्ट्रीकरण
विलेख न० 320, मास मई, 1974 में दिखाया गया है।

जी०पी०सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 27-12-74

प्रोहर .

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

दिनांक 27 दिसम्बर, 1974

निवेश सं० एच०एस०आर/37/74-75—यतः मुझे, जी० पी०
सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या है जो खेती बाड़ी जमीन, गांव स्तरोद
खास तहसील व जिला हिसार में स्थित है (और इससे उपावद
प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय हिसार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन मई, 1974

को पूर्वाधित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मूँस यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति या उचित बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से बनित
महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
मध्ये के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—
8—444GI/74

(1) (i) श्री मिश्रानी राम, (ii) श्री तेजू राम
पुत्रांत्री जो राम जाट गांव और डाकखाना स्तरोद खात तह-
सील और जिला हिसार (अन्तरक)

(2) दी प्रिसिपल आफिसर में: जनक स्टील ट्यूब प्रा० लि०
देहली रोड, हिसार। (अन्तरिती)
को यह सूचना जरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उस सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधीक्षता के पास लिखित
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में विए गए
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत विए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वाधित दंरा के अधीन दूदना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय हुने जाने के लिए उधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में व्यापरिभावित हैं, वही अर्थ
द्वयोग जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती बाड़ी जमीन 48 कनाल 9 मरले का 1/3 हिस्सा
16 कनाल 3 मरले जिसका खस्ता नं० 167/10, 11, 12, 13
18/2, 19, 22, 23/1, है और जो कि गांधी हक्करोड खास,
तहसील व जिला हिसार में स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हिसार के रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 321 मास मई, 1974 में दिखाया गया है।

[जी० पी० सिंह]

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 27-12-74

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज, चण्डीगढ़
का कार्यालय

चण्डीगढ़, दिनांक 27 दिसम्बर, 1974

लिदेश स० एस० एस० आर०/3874-75—यतः मुख्ये. जी० पी० सिंह, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की भारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी मद्दया है, जो खेती बाड़ी जमीन गांव मतरोद खास, तहसील व जिला हिसार में स्थित है (और इससे उपावड़ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विशेष के अनुसार अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पञ्चकृत प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अस्तरको) और अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वे अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कर्मी करने वा उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नहिं था, लियाने के लिए रुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे हारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब, भारा 269-प के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन —

(1) श्री जोत राम पुत्र श्री मातृ जाट गांव और छक्काना मतरोद खास, नहमील और जिला हिसार। (अन्तरक)

(2) दी प्रिसिपल प्राफिसर मैं जनक स्टील ट्युब प्रा० लि० बहली रोड हिसार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पंचांगी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बांद में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत लिए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापकरणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस व्यापाय में दिया गया है

अनुसूची

खेती बाड़ी जमीन 15 कनाल 11 मरला जिसका किला नं० 167/20, 21 और जो कि गाव मतरोद खास, तहसील व जिला हिसार में स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हिसार के रजिस्ट्रीकृत विशेष नं० 323, में मास, मई, 1974 में दिया गया है।

जी० पी० मिह०
सकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज चण्डीगढ़

तारीख: 27-12-74

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

का कार्यालय

अर्जन रेज चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 30 दिसंबर 1974

निवेद स० लुधि०/स०/450/74-75—यत् मुक्ते ग्री० प०
सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज
चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की द्वारा 269-घ के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह
विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- मप्ये से अधिक है
और जिस की म० अधीन है जो गाव हैवीबाल कला तहसील और
जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1974, मई और

सितम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति ३ अचूत बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये
रजिस्ट्रीकृत विलेख व अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुक्ते यह
विषयास करने का कारण है कि दृश्यपूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह वि अन्तरक (अन्तरको)
और असंतिती (अन्तर्गतियो) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हृई विभी आय को बाबन आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीनकर
करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विभी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तर्ती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने में कारण में द्वारा अधिसिद्धि
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269-घ की
उचितारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) (i) श्री सरनजीत सिंह (ii) श्री अमरजीत सिंह
पुलाम श्री हीरा सिंह, निवासी हैवीबाल कला, तहसील
और जिला लुधियाना (अन्तरक)
- (2) (i) श्रीमती सुरिन्दर कुमारी पत्नी श्री कृष्ण
कुमार निवासी हैगोर नगर, लुधियाना,
(ii) श्रीमती लाजवन्ती पत्नी श्री दीलत राम निवासी
लाजवन्ती मुहल्ला, लुधियाना
(iii) श्री व्यारा लाल पुत्र श्री जीवन दाम निवासी
लाजवन्ती मुहल्ला, लुधियाना
(iv) श्री दीलत राम पुत्र श्री जीवन दाम निवासी
प्रायं स्कूल रोड लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि,
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिस्बद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताकारी के पास लिखित
मे किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान मियत किए जाएं
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमे ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिकी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना की गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रपूर्क शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क मे व्यापारिभावित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

जमीन धेवफल 23 कनाल 5 भरते जो कि गाव हैवीबाल कला
तहसील और जिला लुधियाना,

रजिस्ट्ररड डीड न० 576/मई 1974 खाता न० 548/600,
खसरा न० 36/18/2,

रजिस्ट्ररड डीड न० 580/मई 1974 खाता न० 547/599,
खसरा न० 36/18/1,

रजिस्ट्ररड डीड न० 4365/सितम्बर 1974 खाता न०
547/599, खसरा न० 36/12/6 मिन०,

रजिस्ट्ररड डीड न० 4366/सितम्बर 1974 खाता न०
547/599 खसरा न० 36/12/6-मिन०

रजिस्ट्ररड डीड न० 4369/सितम्बर 1974 खाता न०
547/599 खसरा न० 36/18-मिन०

रजिस्ट्ररड डीड न० 4370 मई 4371 सितम्बर 1974
खाता न० 547/599, खसरा न० 35/

11/1/(2-12) 11/2(5-08)

मोरखाता न० 547/599, खसरा न० 35

20 मिन० (5-17) 20/2 मिन० (2-7)

जमावन्ती 1971-72, के अनुसार

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 576 और 580 मई
1974 न० 4365, 4366 4369, 4370 मई 4371 सितम्बर
1974 में सब रजिस्ट्रर लुधियाना के दफ्तर मे लिखा है।

ग्री० पी० मिह

मध्यम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख 30-12-1974
मोहर

प्रलूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 24 दिसंबर 1974

निदेश सं० एल० ई० एच०/आर०/37/74-75—यह :
मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पष्ट से अधिक है
और जिसकी संख्या जमीन है जो गोव गयासपूरा, लुधियाना में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
1974, जून को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-
कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में धारात्विक रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वायं-
वाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए की
चपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगजे बन सिंह पुत्र श्री बलैती सिंह निवासी जसपाल
बांगर तहसील लुधियाना (अन्तरक)

(2) मैं ओसवाल बूलन मिल्ज लिमिटेड लुधियाना द्वारा
श्री विद्या सागर ओसवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्द किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अद्वितीय विद्या जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
मिए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित विद्या जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24 कनाल जमीन जो कि गयासपूरा, लुधियाना में स्थित है।
जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1846, जून 1974 में सब
रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

खसरा नं० 47, खाता नं० 195/221, जमावन्दी 1968-69

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 24 दिसंबर 1974

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 30 दिसंबर 1974

निवेश सं० डीबीएस/18/74-75—यत., मुझे, जी० पी० सिह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए(1) के अधीन सूचना कारण यह कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० जमीन, है जो गांव विष्णुपुरा जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बसी, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जून, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की व्यावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यत: अब, धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन:—

(1) श्री देविन्द्र अन्न चोपड़ा पुत्र श्री भगीरथ अन्न निवास गांव विष्णुपुरा, जिला पटियाला (अन्तरक)

(2) श्री हर महिन्द्र सिंह, पुत्र श्री करतार सिंह, निवासी कोठी सं० 2, फैज़ेख गालोनी, टेलर रोड, घमूतसर (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जमीन भौमकल 38 बीघे 15 बिस्ते, जोकि गांव विष्णुपुरा जिला पटियाला में स्थित है खसरा नं० 973/4-0, 975/4-0, 976/4-0, 977/4-12, 978/2-3, 979/4-0, 980/4-0, 984/4-0, 986/4-0, 987/4-0, जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 489, जून 1974 को सब रजिस्ट्रार डेरा बसी के दफ्तर में लिखा है।

38 बिस्ता 15 बिस्ता भूमि, इमारत, मर्गीखाना और पशुओं की अगह सहित।

जी० पी० सिह,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 30-12-74

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०——

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, विनांक 23 दिसंबर 1974

निवेश सं० डीबीएस/19/74-75—यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० जमीन है जो गाँव किण्णपुरा जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कापलिय, डेरा बसी, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जून को पूर्योक्त

मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में वाम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पञ्चव प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वर्षमें के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय प्रकट भारी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्याय 20-क के शब्दों में पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आयेवाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिसिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत् :—

(1) श्री ऊदे चौपडा, पुल श्री डी० सी० चौपडा, निवासी गांव किण्णपुरा, जिला पटियाला (धन्तरक)

(2) श्री हरमहिन्द सिंह पुल श्री करतार सिंह, कोठी नं० 2 फरैन्डज कलीनी, टेलर रोड, अमृतसर (अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना आरी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्तमद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो सो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाहर में व्याप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उत्तमद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है उक्त सम्पत्ति के अन्तरिक्षीय को दी जाएगी।

उत्तमद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

उचित रजिस्ट्रेशन—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन लेखफल 44 वीषे 1 विस्वा जो कि गांव किण्णपुरा, जिला पटियाला खसरा नं० 967/4-0, 968/4-0, 969/4-0, 970/4-0 971/0-7, 972/3-14, 974/3-14, 985/4-0, 988/4-0 989/4-0, 990/4-0, 991/4-0, जैसे कि राजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 480 जून 1974, में सब रजिस्ट्रार के उपतर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,

महायक अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़,

तारीख 30-12-1974

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 15-11-1974

निवेश सं० सुधि०/सी०/284/74-75—मतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
जी० पी० ग ०६९-घ नै शर्तीन सदम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर रामपति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रुपये में अधिक है और और जिस की सं० 313/बी—XIX—एस—4, डाक्टर शाम सिंह रोड, है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्टर्स नै विसेख के अनुसार अन्तरिक की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से घटित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने वा उससे बचाव के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 22) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के याम 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए काय-वाही मुक करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

मतः, मत, धारा 269-घ के अनुसरण मे. गैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ की उच्चारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन रेज, चण्डीगढ़

(1) प्रेम नाथ सूद पुत्र श्री जगन नाथ पुत्र श्री नथू राम, डाक्टर शाम सिंह रोड, लुधियाना (पन्तरक)

(2) श्री प्रमीर सिंह, पुत्र श्री साधू सिंह, पुत्र श्री कर्म सिंह, निवासी गांव भंडियाला तहसील समराला (प्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिये एतद्वारा कायवाहिया शुल्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्दी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों मे से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किती अन्य अवित्य द्वारा, अधोलिखित वारी के याद लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यविधि की, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अवित्य को, जिसे पूर्ववर्ती दैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के ममय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

प्रष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के जहार्यम 20-क मे यथार्थभावित है, महा अर्थ होगा, जो उस अव्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 313/बी—XIX—एस—4, मे से ज्वाट मिली 501 वर्ग गज, जो कि लुधियाना मे डाक्टर शाम सिंह रोड पर है।

वैसे कि रजिस्ट्रीकर के विलेख नं० 2133, मई 1974 को सह-रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर मे लिखा है।

जी० पी० सिंह,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख 15-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 26 नवम्बर 1974

निदेश सं० लुधि/सी/266/74-75—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़, भायकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिस की सं० प्लाट आशा पुरी कलोनी, है जो बाड़ेवाल आवाता तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्तौतः:—

(1) मैं धीर एण्ड कम्पनी कालोनाईज़स प्राइवेट लिमिटेड, रजिस्टर्ड कार्यालय 57 भद्रोल हाउस, लुधियाना, भारा श्री राम चन्द्र धीर पुत्र श्री शादी राम निवासी जोड़ेवाल, लुधियाना। (अन्तरक)

(2) प्रेम नाथ सूद पुत्र श्री जगन नाथ सूद पुत्र श्री नन्द राम सूद, निवासी बी-19-313, डाक्टर शाम सिंह रोड सिविल लाईन लुधियाना, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आधेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पर तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आधेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने पूर्ण आधेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आधेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बाड़ेवाल भवाना (आशापुरी) में भूमि खाता नं० 341 353, 342/354 खपरा नं० 910, 911 और 900 में से भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1600 वर्ग गज है।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख 26-11-1974

मौद्रिक :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, तिथि 26-11-1974

निदेश सं० लघि/सी०/369/74-75—यतः, मुझे, जी० पी० सिह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिस की सं० प्लाट आशापुर कलोनी है जो बाड़ेवाल अवादा तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही पूरु फरने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

प्रतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के ८४-घ (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9-444GI/74

- (1) मै० धीर एण्ड कम्पनी कालोनाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड,
57 भद्रांड हाऊस लुधियाना द्वारा श्री राम चन्द धीर
(अन्तरक)
- (2) श्री प्रेम नाथ सूद पुत्र श्री जगत नाथ सूद बी-19-313,
डावठर गाम सिह रोड, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू होता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में रामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिगूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बाड़ेवाल अवादा (आशापुरी) में भूमि खाता नं० 341/353, 342/354 खसरा नं० 910, 911 और 900 में से भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1220 1/2 वर्ग गज है।

जी० पी० सिह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 26-11-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई०टी०एन०एस० ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 26 नवम्बर 1974

निवेश सं० एल०डी०एच०/सी 415/74-75—यतः, मुझे,
जी०पी०सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-व्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

और जिस की सं० प्लाट आशा पुरी कालोनी, है जो बाड़ेवाल अवावा,
तहसील लुधियाना में स्थित है। (और इसमें उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के धर्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

असः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र भी उपकारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैं धीर प्रेषण कम्पनी कालोनाइजर्ज प्राइवेट लिमिटेड,
57, भद्रोली हाउस, लुधियाना द्वारा श्री २०८८८८
धीर (अन्तरक)

(2) श्री प्रेम नाथ सूद पुत्र श्री जगन नाथ सूद, बी-१९-३१३,
डाक्टर शाम सिंह रोड लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभावित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बाड़ेवाल अवावा (आशापुरी) में भूमि खाता नं० 341/
353, 342/354 खसरा नं० 910, 911 और 900, में से भूमि
का प्लाट जिसका शेवकल 629 1/2 वर्ग गज है।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 26-11-1974

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, तिथि 30 नवम्बर 1974

निदेश सं० करनाल/33/74-75—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० जमीन है जो गाव कालसोरा तहसील करनाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुभार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उच्चारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (i) ज्ञान सिंह पुत्र श्री लक्ष्मी पुत्री श्रीमती ननी
(ii) श्री गुरदियाल सिंह, } पुत्र श्रीमती कृष्णी
(iii) श्री अमर सिंह } पुत्री श्रीमती ननी
गांव सरबन माजरा तहसील करनाल, (अन्तरक)

(2) (i) श्री कलियान सिंह, पुत्र मला
(ii) श्री विरखा राम पुत्र माम राज,

(iii) श्री सरबना, पुत्र सुरता पुत्र जयराम,
(iv) श्री बचना पुत्र साधू राम पुत्र हरनाम,
(v) श्री रतीया } पुत्रान श्री हरदियान पुत्र
(vi) श्री खजाना } हरनाम
(vii) श्री रणजीत } गांव कलसोरा, तहसील करनाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी हर सूचना ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 127 कनाल 12 मरले, जो कि गांव कलसोरा तहसील करनाल खतौनी नं० 414, खेकट नं० 359 आयत नं० 101, खसरा नं० 21/1, 6. 4, आयत नं० 102-खसरा नं० 24/2/4. 0, 25/8. 9—

आयत नं० 108, खसरा नं० 6/6. 19, 15/2/4. 4, 20/2/3. 11, 25/2/3. 11

आयत नं० 109—खसरा नं० 11/7. 12, 19/8. 0, 20/1/4. 0, 20/2/2. 0, 21/8. 0, 22/3. 17

आयत नं० 124—खसरा नं० 1/8. 0, 2/4. 4

आयत नं० 125 खसरा नं० 5/8. 0

खतौनी नं० 416, आयत नं० 108, खसरा नं० 5/9. 0 10/6. 0, 11/8. 0 खतौनी नं० 417 आयत नं० 108 खसरा नं० 9/2/2. 0, 10/6. 0 11/80 12/8. 0, 20/1/6. 0 जमावन्दी 64-65

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 969, मई 1974 को सब रजिस्ट्रोर करनाल के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 30-11-1974

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़
चण्डीगढ़, दिनांक 30 नवम्बर 1974

निम्नेका सं० के० एन० एल० / 38 / 74-75/-—यतः मुझे, जी० पी० सिह, सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है, जो गांव गढ़ी वीरबल, तहसील करनाल मे० स्थित है (श्रीरामसे उपावस्था अनुसूची मे० और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल, मे० भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- | | |
|-------------------------|-------------------------------|
| 1. (i) सर्वथी पूरन | } मुद्रान श्री नथू राम पुत्र |
| (ii) श्री जयसिंह | } श्री मनसा राम, |
| (iii) श्री राम कुमार | } निवासी गांव खान पुर। |
| (अन्तरक) | |
| सर्व श्री : | |
| 2. (i) प्रेम सिंह | पुत्रान श्री राम सिंह, |
| (ii) गुरनाम सिंह | पुत्र श्री बाबू राम, |
| (iii) गुरमीत सिंह | } पुत्रान श्री अजमेर सिंह |
| (iv) बलवन्त सिंह | } पुत्र हरकृष्ण |
| (v) करमबीर सिंह | } पुत्रान श्री रामरत्न पुत्र, |
| (vi) धर्मबीर सिंह | } दुर्द्वा राम |
| (vii) यशपाल अव द्वकावाल | } पुत्रान श्री रामरत्न पुत्र, |
| (viii) जसबन्त | } दुर्द्वा राम |
| (ix) जयचन्द | } मोहर : |
| (x) राजपाल | } तारीख: 30-11-74 |

(xi) अमीनलाल, } पुत्र श्री लछमन सिंह
(xii) मेल सिंह } पुत्र दत्ता राम,
(xiii) चमेल सिंह } निवासी गेरटू वीरबल, तहसील करनाल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अघोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए आधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 118 कनाल 7 मरले, जोकि गांव गढ़ी वीरबल तहसील करनाल मे० है ।

खेलनं० 66,

खसरा नं०	56/17/10	65
0 2	,	9, 10, 11, 12, 17
		0. 8, 1. 15, 7. 18, 7. 2, 8. 0
14/1, 16, 18, 19	,	65
3. 8, 8. 0, 8. 0, 7. 10,	20	22 23 2411
	2. 6	1. 0 8. 0 5. 8
66		89
6 7 14 15 16		21 22 23
1. 18 4. 12 2. 0 7. 7 2. 18	,	2. 14 2. 11 0. 6
20		96
25. 1/3. 9		1/8. 0, 2/4. 8

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1125, मई, 1974 को सब-रजिस्ट्रार करनाल के दफतर मे० लिखा है ।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 30 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० के० एन० एल० / 39/74-75—यत मुझे जी० पी० सिह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है जो गांव जुन्डला, तहसील करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, लम्बे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यसके आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री वेसाखा सिंह, गांव और डाकखाना जुन्डला, तहसील करनाल। (अन्तरक)

2. (1) श्री देविन्द्र सिंह
- (2) श्री सतिन्द्र सिंह
- (3) श्री बलविन्द्र सिंह

(4) श्री जोगिन्द्र सिंह

(5) श्री जसपाल सिंह

पुत्रान् श्री करतार सिंह, निवासी गांव बलदी, तहलील करनाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 295 कनाल 18 मरले, गांव जुन्डला तहसील करनाल, जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1119, मई 1974 को सब रजिस्ट्रार करनाल के दफ्तर में लिखा है ?

खतौनी नं० 599 और 1323, खेट नं० 383, आयत नं० 69, खेट नं० 890, खसरा नं० 19/7, 11, 20/7.4, 18/7, 11, 21/7, 12 22/8.0, 24/8.0, आयत नं० 70, किला नं० 16/7, 11, 18/8.0, 19/1/1.8, 21/2/7.12, 22/3.14, 23/7.14, 24/8.0, 25/8.0, आयत नं० 92—किला नं० 6/8.0—15/8.0, 16/8.0, आयत नं० 93—1/9.1, 2/4.16, 1/7, 11, 6/8.0, 9/5.14, 10/8.18, 11/8, 8, 12/6.4, 19/6, 14, 20/7, 18—आयत नं० 94—किला नं० 1/7.12, 2/8.0, 3/8.0, 4/8.0, 7/8.0, 8/8.0; 9/8.0, 10/7.12, 12/2/1.12, 13/6.7, 14/7.17। 15/1/3.0, जमावन्दी 69—70।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेन्ट रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 30-11-1974

मोहर

प्रलूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 30 नवम्बर 1974

निम्नें सं० चण्डीगढ़/105/74-75—यत्. मुझे जी० पी० सिह,
आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान न० 51, सैकटर-4, चण्डीगढ़ है जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निरन्तरित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डी० के० महाजन, मकान न० 51, सैकटर 4,
चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. डा० अवतार सिह अतवाल, बाईंस चांसलर, काश्मीर
युनीवर्टी, श्रीनगर। (डेसिगनेज)

पृष्ठांद्वारा एग्रीकलचर, जे० के० गौमैट कमरा न० 109
न्यू सैक्टरियट, श्री नगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षेप यदि, कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 51, सैकटर 4, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, चण्डीगढ़।

ताकीद : 30-11-74
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 17 दिसंबर 1974

निर्देश सं० चण्डीगढ़/118/74-75—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खेती बाड़ी भूमि है जो मनी माजरा, यूनियन टैराइटी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिय है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भागीदार रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. बचन सिंह पुत्र श्री अर्जुन मिह निवासी गांव मनी माजरा, यूनियन टैरीटरी, चण्डीगढ़ । (अन्तरक)

2. मनी माजरा मोटर ड्रेडर्ज यूनियन, मनी माजरा, द्वारा प्रधान श्री राजीन्द्र सिंह । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अंतरिती को दी, जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती वैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती बाड़ी भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 कनाल, 14 मरले, मनी माजरा, स्थित यूनियन टैरीटरी, चण्डीगढ़ में स्थित है। भूमि निसाल रोड, नजदीक चण्डीगढ़ रेलवे स्टेशन और मध्य मार्ग, चण्डीगढ़ के पास स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी चण्डीगढ़ के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 188 मास मई, 1974 में दिखाया गया है।)

खेत नं० 429, खतीनी नं० 532, खसरा नं० 89/15 (7-2), 89/16 (7—13), 90/11/2 (3-2), 90/20 (7-11), टोटल 25 कनाल 8 मरले और 1/2 भाग 12 कनाल 14 मरले।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 17-12-74

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,

चण्डीगढ़, दिनांक 17 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० चण्डीगढ़/125-ए०/74-75—यत. मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या खेती बाड़ी भूमि है जो मनी माजरा, यूनियन टैरीटरी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य अस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के बारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपचारा (1) से अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री गुरमुख सिंह,
- (2) श्री सुखदेव सिंह,

निवासी मनी माजरा, यूनियन टैरीटरी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. मनी माजरा मोटर ट्रैडर्ज, यूनियन, मनी माजरा, यूनियन टैरीटरी, चण्डीगढ़, द्वारा प्रधान श्री गजिंड्र सिंह।
(अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती बाड़ी की भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 कनाल, 14 मरले है, निसाल रोड नजदीक चण्डीगढ़, रेलवे स्टेशन और मध्य मार्ग मनी माजरा के पास स्थित है।

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी चण्डीगढ़ के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 144, मास मई, 1974 में दिखाया गया है।

खेत नं० 429, खत्तौनी नं० 532, खसरा नं० 89/15, (7-2), 89/16 (7-13), 90/11/2 (3-2), 90/20 (7-11), टोटल 25 कनाल, 8 मरला, और 1/2 भाग 12 कनाल, 14 मरला।

(जी० पी० सिंह)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 17 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिसंबर 17 दिसंबर 1974

निवेश सं० चण्डीगढ़/99/74-75—यत्. मझे, जी० पी० सिह,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, चण्डीगढ़,
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास बरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० खेती बाड़ी भूमि है, जो गांव धन्नास, यूनियन टैरीटरी, चण्डीगढ़ मेरियत है (और इससे उपावद्ध अन्तर्भूती मेरियत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ मेरियत रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास बरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित ये वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मेरियत करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत्: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों मेरियत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसार मेरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हनुरा रिह पुत्र श्री काबुल निवास गांव धन्नास, यूनियन टैरीटरी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

10—444GI/73

2. श्री रमेश अनन्द कालिया पुत्र श्री दुलत राम कालिया, निवास 3103, सैकटर 27-डी०, चण्डीगढ़। (अन्तरिती) को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मेरियत की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मेरियत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मेरियत से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मेरियत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मेरियत हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मेरियत किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मेरियत के लिए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती द्वारा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सने जाने के लिए अधिकार होंगा।

स्पष्टीकरण:—इसमेरियत शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मेरियत दिया गया है।

अनुसूची

खेती बाड़ी भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 कनाल, 18 मरला है गांव धन्नास, यूनियन टैरीटरी, चण्डीगढ़ मेरियत है। (जैसा कि रजिस्ट्रीकूत अधिकारी, चण्डीगढ़ के रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 123, मास मई, 1974 मेरियत किया गया है)।

खेत नं० 53, खतौनीं नं० 85, खसरा नं० 9/13/3/214/1/3-13, 2-14, टोटल ५४ रुपया 6 कनाल, 7 मरले 1/2 भाग, 3 कनाल, 42 मरला।

खसरा नं० 9/30/2, खेत नं० 4, खतौनीं नं० 167, खेत नं० 103, खतौनीं नं० 166, खसरा नं० 9/29/2-3, और खेत नं० 136, खतौनीं नं० 213, खसरा नं० 9/3/212/0-15 और खेत नं० 138, खतौनीं नं० 215 और खसरा नं० 9/9/1/1/2-11 और 9/27/1-2, टोटल 3 कनाल, 13 मरले 1/2 भाग 1 कनाल 16 मरले, टोटल 9 कनाल, 18 मरला।

जी० पी० सिह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़।

तारीख : 17 दिसंबर 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़,

चण्डीगढ़, दिनांक 17 दिसम्बर 1974

निदेश स० चण्डीगढ़/100/74-75—यतः मुझे, जी० पी० सिह,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, चण्डीगढ़।
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खेतीबाड़ी भूमि है जो गाव धन्नास, यूनियन
टैरीटरी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसे उपावड़ अन्नसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
का 16) मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे छचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः श्रब, धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथवा:—

1 (1) श्री हजुरा सिंह |
{ (2) श्री अर्जेव सिंह } पुनान श्री बाबूल
(3) श्री नसीब सिंह, निवासी गाव धन्नास, यूनियन टैरीटरी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द्र कालिया पुत्र श्री दुलत राम कालिया,
3103, सैक्टर, 27-डी, चण्डीगढ़। (अन्तर्की)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतदद्वारा कार्यशाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई है तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

एतदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती बाड़ी भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 कनाल 4 मरला है गाव धन्नास, यूनियन टैरीटरी, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख नं० 124, मास मई, 1974 में दिखाया गया है।)

खेट नं० 60, खतौनी नं० 93, खसरा नं० 9/3/2, 9/7, 8, (1-10), (1-16), (8-0), खेट नं० 107, खतौनी नं० 171, खसरा नं० 9/28/1—18। टोटल एरिया 13 कनाल 4 मरले।

जी० पी० सिह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख 17 दिसम्बर 1964
मोहर :

प्रृष्ठा प्राई ० टी० एन० एस०——

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,

चण्डीगढ़, दिनांक 17 दिसम्बर 1974

निदेश सं० चण्डीगढ़/136/74-75—यतः, मुझे, जी० पी०
सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० 10/7, सैक्टर 27-बी, जो कि प्लाट नं० 3—5, सैक्टर 27-
बी० पर बना हुआ है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़
अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1974 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तर्तारितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती भागवती बास्ते मैसर्ज बलदेव ब्रदर्ज, बलाथ मर्चेट,
चौड़ा बाजार, लुधियाना। (अन्तरक)

2. (i) श्रीमती शक्ती रानी,
(ii) श्रीमती जैश्री शर्मा, निवासी 229, सैक्टर 9-सी०,
चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1017, सैक्टर 27-बी०, जो कि प्लाट नं० 3-एफ०, सैक्टर 27-बी, चण्डीगढ़ पर बना हुआ है। (क्षेत्रफल 2083.33 वर्ग गज)।

जी० पी० सिंह
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 17 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्रस्तुत आईटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 17 दिसंबर 1974

निषेध सं० अम्बाला/18/74-75—यतः मुझे जी० पी० सिह,
सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० लैड है, जो गांव धूलकोट, पीछे फारेस्ट आफिस
अम्बाला में स्थित है (और इससे उपावड़ अनसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितबाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर केने
के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना ।और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालय शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं ।अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपचारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री राजिन्द्र सिह,
- (2) श्री सुरिन्द्र सिह
- (3) श्री वीरिन्द्र सिह,
- (4) सातिन्द्र सिह

पुत्र तथा श्री गुरदियाल सिह, मारकत श्री वीरिन्द्र सिह सरपन्च,
चम्बकौर साहिव, जिला रोपड़। (अन्तरक)2. (1) श्री राम लभाया, पुत्र श्री दीवान चन्द, 91/मताहली
उस, माउल टाउन, अम्बाला शहर,(ii) श्री सेवा राम, थापर पुत्र गंगा राम, अनाज भर्डी,
अम्बाला शहर। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यालय शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ग 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारों से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भग्न 9 कनाल 17 मरला, गांव धूलकोट, पीछे फारेस्ट आफिस,
अम्बाला।

खसरा नं०

पैमाइश

24/46	.	.	2 कनाल 02 मरला
47	.	.	2 कनाल 05 मरला
25/32	.	.	1 कनाल 02 मरला
35	.	.	1 कनाल 06 मरला
38	.	.	3 कनाल 02 मरला

9 कनाल 17 मरला

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अम्बाला के रजिस्ट्रीकरण
विलेख नं० 1044, मास जून, 1974 में दिखाया गया है ।)

जी० पी० सिह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आमत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख : 17 दिसंबर 1974

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्राम्यक्षत (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 मितम्बर, 1974

सं० आर० ए० सी० 32/74-75—यस०, मुझे, एस०
बालसुश्रृङ्खला आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० 6-3-1110 बेगमपेट है, जो हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद भे भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-5-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के हिए प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उन्नत अन्तरण लिखित में वारंतविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व से क्षमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी फिसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मेरे आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती स्वीलता भूपाल, 6-3-1100/वी०, सोमाजीगड़ा,
हैदराबाद। (अन्तरित)
2. श्रीमती भरतराम भूपाल, बेगमपेट, हैदराबाद।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
का तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन वे भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबढ़ विसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे विए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएं
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित विया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वार्थी पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सूचने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क मे प्रयोगित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

नगर न० 6-3-1110 का पश्चिम भाग मकान जो बेगमपेट,
हैदराबाद में स्थित है, जिसमें मुख्य मकान, नौकरों के मकानात,
और उसे लगी हुई जगह। पूरी कुल जमीन का क्षेत्रफल 2433.129
वर्ग मीटर्स। जिसका आंधा हुआ भाग का क्षेत्रफल 568.405 वर्ग
मीटर्स है।

चौहड़ी—

उत्तर—चलापलसी के मकान।

दक्षिण—राजभवन की मुख्य संरचना।

पूरब—सोमनादी भूपाल और केशव भूपाल के मकानात।

पश्चिम—राजभवन—बेगमपेट मुख्य रोड।

एस० बालसुश्रृङ्खला
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर ग्राम्यक्षत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 28-9-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 दिसम्बर 1974

सं० आर० ए० सी० 64/74-75—यतः, मुझे, के० ए० सं० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 16-2-145/5/3 नई मलकपेट है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1808 का 16) के अधीन 3-5-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तम पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यान्वयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पोत्ताराजू रुक्मानी पुम्पी पी० कृष्णरौद्र, जो वाशिंगटन अमरीका में स्थित है। मुख्तारनामादार द्वारा थी जी० एस० द्वार केशवर राव, वकील नं० 4-8-700, गौलीगूड़ा, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री वी० मुद्रशन, पुत्र वी० वेकम्पम, टिम्बर मॉर्ट, शाह गंज, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के 'पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा मह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अंतर्न के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वर श्री अन्तरक के जमीन जिसके नं० 16-2-145/5/3 (प्लाट नं० 12, क्षेत्रफल 440 वर्ग गज) जो नई मलकपेट, हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 19-12-74

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 दिसम्बर, 1974

सं० आर० ए० सी० 65/74-75—यतः मुझे के० एम०

वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1051 वर्ग गज, खुली जमीन, राम कोट ह, जो प्लाट नं० सी० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे हारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्रीमती विजया कपाडिया, पत्नी कीर्ति कुमार कपाडिया, कपाडिया निवास, सोमानीगडा, हैदराबाद। (अन्तरक

2. श्रीमती शांतीबाई अगरबाल पत्नी रामलाल जी, 15-1-52/1, उम्मानगंज, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सभी खुली जमीन जो 1051 वर्ग गज हैं, प्लाट नं० सी० के सभी शोपड़पटियां जो पहला एडिन गार्डन का एस्टेट में दाखला या नं० 3-5-121 और 142, जो रामकोट, हैदराबाद में स्थित हैं।

के० एस० वेंकटरामन
मक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 19-12-74

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 21 विसम्बर 1974

सं० आर० ए० सी० 66/74-75—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 16/448/42/सी० 4 राम मूर्ति नगर है, जो
नेल्लूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेल्लूर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 27-5-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-
मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्व सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री अश्वम अन्जनेयसु रेडी,

(2) श्री अश्वम पलनकुमार रेडी,

(3) श्री अश्वम स्वीकासुल रेडी

पुत्र स्व० सुन्दर गमीरेडी, गममूर्ति नगर, नेल्लूर।

(अन्तरक)

2. डॉक्टर पी० जयप्रदा, असिस्टेंट सिविल सर्जन,
मैटर्निटी हास्पिटल, नेल्लूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अंजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापारमाखित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 448/42/सी० 4, वार्ड नं० 16, राममूर्ति नगर,
नेल्लूर टाउन।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 21-12-74

मोहर :

प्रस्तुत आदेश टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 21 दिसम्बर, 1974

सं० आर० प० सी० 67/74-75—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-5-121 और 142 एडिन गार्डन एस्टेट है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्: 11—444GI/74

1. श्रीमती लीलम कापाडिया पत्नी धीरज लाल टोकरसी कापाडिया, 6-3-660, सोमाजीगूडा, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती काम्ताबाई अगरवाल पत्नी ईश्वरनालजी अगरवाल, 15-1-52/1, उस्मान गंज, हैदराबाद। (अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्तीपैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, 954 वर्ग मीटर्स, प्लाट नं० बी, एडिन गार्डन, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 21-12-1974

मोहर :

प्र० श्री ई० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 दिसम्बर 1974

सं० आर० ए० सी० 70/74-75—ये: मुझे के० प० स०
वैकटरामन आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 16/473 है, जो पोगतोटा में स्थित है (आँगूँ इमारत
उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नेल्लूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 30-5-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्दै किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रव्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर, बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43).
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डा० एस० के० राजगोपालाचारी, के०- ससानम नं०
10-12-103/1, सीताफल मंडी मिक्कदराबाद में।
(अन्तरक)

2. यनाटी श्री निवामल रेडी, सूपुत्र रामचन्द्र रेडी, (2)
यानादी रमनम्मा, पती रामचन्द्र रेडी, पिडलापुर गांव, नेल्लूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आंकेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आंकेपों, यदि
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियर्त किए
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा
आंकेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आंकेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ती 11 नं० 16/473 पोगतोटा नेल्लूर में है।

के० एस० वैकटरामन
राक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-12-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी, 1975

सं० आर० ए० सी० 77/74-75—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 3-5-1066 और 1067 नारायणगूडा है, जो
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 1-5-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हैरा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे हारा अभिलिखित किए
गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रमेश चन्द्र जैसवाल मुख्तार नामादार द्वारा जीयालाल
जैसवाल, 3-5-1083, नारायणगूडा, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री कन्यालाल पुत्र अर्जुन दास, 3-4-433, नारायणगूडा,
हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है स्था-
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होता।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन तथा हमारत नं० 3-5-1066 और 1067 (क्षेत्रफल
269 वर्ग गज), नारायणगूडा, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-1-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी, 1974

सं० आर० ए० सी० 78/74-75—यतः मुझे के० एस०
बैंकट रामन आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 18-2-45 चन्द्रायन गुदा है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कृकार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 7-5-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) अन्तरिती और (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्दि किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे छचने
के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या छन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं :

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ओम प्रकाश पुत्र रामचन्द्र, 2-आर० टी०-38
सी०/बी० चन्द्रलाल बारादरी, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री ग्यारसी लाल पुत्र कौशल चन्द भागीदार,
विष्णु दास नया फशोर मिल्स, मुख्यारंगज, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

पढ़ीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 18-2-45, चन्द्रायन गुदा, हैदराबाद, थेवफल
8509 वर्ग गज।

के० एस० बैंकटरामन
सक्षम प्रधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज हैदराबाद

दिनांक : 4-1-75

मोहर :

प्रस्तुत आई०टी० एन०एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी, 1974

सं० आर० ए० सी० 79 / 74-75—यतः मुझे के०
एस० वेक्टरामन आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 3-5-1063 और 1077 नारायण गूडा है,
जो हैदराबाद में स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० आर० जैस्वाल पुत्र श्री जीतलाल जैस्वाल,
मुख्तारनामाबाद द्वारा जीतलाल जैस्वाल, 3-5-1083, नारायण
गूडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री अर्जुनदास 3-4-433, नारायणगूडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 3-5-1063 और 1077, नारायणगूडा, हैदराबाद,
क्षेत्रफल 177 वर्गजग।

के० एस० वेक्टरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 4-1-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1975

सं० आर०ए०सी० 80/74-75—यत/, मुझे के० एस० वेक्टरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5-1-27 आर० पी० रोड है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारती रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री के० काश नाथ पुत्र वेंकप्पा, नं० 3-3-86, कुर्मा बैस्ती, सिकन्दराबाद ।

2. श्रीमती बंडारी लक्ष्ममा पत्नी बी० मल्लप्पा, नं० 17-2-333, कुर्मा गुडा, सईदाबाद, हैदराबाद ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रयोगसिद्धि है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 5-1-27, किंगसवे, सिकन्दराबाद ।
क्षेत्रफल 305 वर्ग गज ।

के० एस० वेक्टरामन
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 4-1-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जनवरी, 1975

सं० आर० ए० सी० 82/74-75—यतः, मुझे के०

एस० वेकटरामन आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6-3-347/17/2 छारकापुरी कालौनी, है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-5-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीतर उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

ग्रन्त: अब, धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ति:—

श्री डाक्टर “एन० रमेशन” अ “ऐ० एस० सुपूत्र “के० नटेणउरयार “मेमब्रर वीरड” आन्ध्रप्रदेश सरकार।
(अन्तरक)

2. श्रीमती नीना मचनदा पत्ती एस० के० मचनदा, नं० 15, शान्ती नगर, हैदराबाद।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ करसा हूँ:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पंच के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ती नं० 6-3-347/17/2 सखे नं० मे० 142 छारकापुरी कालौनी, हैदराबाद-4 विस्तैन 1640 वर्ग फीट तक।

के० एस० वेकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-1-75
मोहर :

प्रलूप आई० ई० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1975

सं० आर० ए० सी० 84/74-75—यतः, मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1-8-747/4 नलाकुनटा है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप सुविधांश्चित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैडराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-5-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ यापा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) श्री एस० उत्त्यानारायणा,
- (2) श्रीमती एम० चन्द्राया,

(3) श्री एस० रमेशमारायन, म० नं० 1-8-747/4, नलाकुनटा, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री सी० किषामूर्ती, सुपुन्नी सी० विरप्पा एम० जाल मेडचल तालुका, हैदराबाद। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आधेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थानिकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति धर नं० 1-8-747/4, नलाकुनटा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 290, 13 वर्ग मीटर।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-1-1975
मोहर :

प्रख्या आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, तारीख 4-1-1975

निर्देश सं०सी० श्र०/५/मै-नम/हवेली-II/152/74-75—यतः, मुझे, एच० एस० अवैलब आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व के अधीन सभी प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है और जिसकी सं० 413/ए० 2 है, जो शनिवार पेठ, पूना-2 में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय हवेली-II में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विवेद के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह अन्तरक और अन्तरिती के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या ;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे हारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269 व के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री हरीहर चितामन नासु, 413/ए० शनिवार पेठ, पूना-2।
(अन्तरक)

2. श्री बाल विनायक जोगी, 20, प्रशांत नगर, नवी पेठ, पूना 30।
(अन्तरित)

3. (1) मेसम पुरोहित जनरल स्टोर्स, 413/ए०, शनिवार पेठ, पूना 2।

4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)। को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अंतरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदृश्य शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान घर क्रमांक 413/A-2, शनिवार पेठ पूना-2, क्षेत्र-1600 वर्ग फीट, फी होल्ड।

एच० एस० अवैलब
समक्ष प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 4-1-1974

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना कार्यालय,

पूना, दिनांक 4 जनवरी, 1975

निर्देश सं० सी० ऐ०/५/मे०/७४/हवेली-II/१५३/७४-७५—

यतः, मुझे, एच० एस० अवैलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना आयुक्तारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० 413/ए-1 है, जो शनिवार पेठ, पूना-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक और अन्तरिती के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक है से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा असिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रघुनाथ चित्तामन नातु 413/ए-2 शनिवार पेठ, पूना-2 (अन्तरक)
2. श्री आल विनायक जोशी 20 प्रसात नगर नवी पेठ, पूना-30 (अन्तरित)
3. (1) डॉक्टर एस० जी० ग्रेवे
(2) श्री राम भावे
(3) श्री के० डी० वेशमुख 413/ए-2 शनिवार पेठ पूना-2

4. श्री/श्रीमती/कूमारी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) । को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथमत शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान धर क्रमांक 413/ए-०-१ शनिवार पेठ, पूना-२
क्षेत्र :— 1500 वर्ग फीट फी-होल्ड

एच० एस० अवैलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज, पूना ।

विनांक : 4 जनवरी, 1975

मोहर :

प्रलूप ग्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 6 जनवरी, 1975

निदश सं० सी० ए० 5/हवेली-I/मे०-74/156/74-75—

यतः मुझे, एथ० एस० अवैलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का

43) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 27/598-सी० कंटोरेमेन्ट नं० 57. है, जो खड़की, पूना-3 में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा आधिकारी के कार्यालय खड़ेली-I, पूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-5-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है प्रीत यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

प्रतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, प्रश्नात् :—

1. श्री चंपालाल प्रेमराज जैन नं० 59, खड़की बाजार, पूना-3

2. श्री निहाल चन्द, रूप चन्द शहा नं० 57, न्यू बाजार, न्यू बाजार खड़की पूना-3 (अन्तरित)

3. 1. श्री कन्दैयालाल रसन चव

2. एस० आर० जैन

3. हिमत लाल चम्पालाल

4. आर० आर० कोहनी

5. के० झी० जैन

6. झी० आर० नगरकर

7. टी० झी० वेंकटरामन

8. एस० के० जैन

9. झी० पी० आगरवाल

10. एन० आर० शहा

सभी रहने वाले 57 न्यू बाजार, खड़की पूना-3.

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, विषय कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्ती को भी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और इसके ऊपर मकान, न्यू बाजार, खड़की, खड़की कंटोरेमेन्ट सं० नं० 27/598 सी० कंटोरेमेन्ट बोर्ड नं० 57, न्यू बाजार खड़की, पूना-3

धोन-1783, 25 वर्ग फीट, जमीन लीज होल्ड

एच० एस० अवैलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

दिनांक: 6 जनवरी, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन, रेंज पूना

पूना, दिनांक 7 जनवरी, 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/मि० 74/हवेली-II/157/74-75—
यतः, मुझे, एच० एस० ग्रवैलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 55/2/1 है, जो ओौध, पूना-7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II, (पूना) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-5-74 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सब पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पर उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया जाया था या किया जाना चाहिए या छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-भाबी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधि :—

1 श्री झी० टी० कोठारी 318/19 चतुःष्टंगी रोड,
पूना-16
(प्रत्तरक)

2. श्री डी० जी० पाठक द्वारा-स्पैको कारब्युरेटर्स
(इंडिया) नि० पोस्ट बाक्स नं० 13, चिचवड, पूना-19
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधद्दि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्षसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना क्षर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सब सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फी होल्ड खुली जगह सं० नं० 55/2/1 ओौध, पूना-7
क्षेत्र—10452.243 वर्ग फीट

एच एस० ग्रवैलख

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 7-1-75

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 7 जनवरी, 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/म० 74/हवेली-II/158/74-75—
यतः, मुझे, एच० एस० अवैलख आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० नं० 55/2/1 है, जो ओंध, पूना-7 में
स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II,
(पूना) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 27-5-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के वायित में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री कें टी० कोठारी 318/19 घरुःपूर्णी रोड,
पूना-16
(अन्तरक)
2. श्री डी० जी० पाठक द्वारा-स्पॉको कारब्लूरेटर्स (इंडिया)
लि० पोस्ट बाबस नं० 13 चिंचवड, पूना-19
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

ल्यास्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फी होल्ड खुली जगह—सं० नं० 55/2/1 ओंध, पूना-7
क्षेत्रफल—10215 वर्ग फीट

एच० एस० अवैलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

दिनांक : 7-1-75

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना- दिनांक 8 जनवरी 1975

निर्देश सं० सी०ए० 5/मई 74/हवेली-II/159/74-75
यतः मुझे एच० एस० अवैलख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वेक्षण 124/1/अ-1 है, जो पर्वता पूना में स्थित है (ग्रीष्म इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II पूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-5-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयी पूर्ण करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. गंगाधर श्री सीता राम फुले,
2. श्री बाल गंगाधर फुले,

3. श्री उल्हास गंगाधर फुले अश्वान पालन कर्ता सं० 1,

4. श्रीमती यमुनाबाई गंगाधर फुले, सब रहने वाले प्लाट सं० 4 सर्वे क्ष 1 सदाशिव पेठ, पूना (अन्तरक)

2. अर्थात् को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी सं० 33/5 & प्रभात रोड, पूना क्ष 4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरमध्ये पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त वेरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रयोगिक भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फी-होल्ड खुली जगह सर्वे क्ष 124/1/अ-1, पर्वती पूना

क्षेत्रफल :—3431 वर्ग मीटर्स

खुली जगह पूना म्यूनिसिपल कार्पोरेशन के कक्षा में निम्न प्रकार से विवर हुई है।

पूर्व के तरफ—नाला और अन्तरक की बीच हुई जमीन दक्षिण के तरफ—श्रीमती नाईवाई फुले की जमीन

पश्चिम के तरफ—होनेवाला 40 फीट टी० पी० रोड, और उत्तर के तरफ—श्री तावरे की जमीन।

एच० एन० अवैलख सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख : 8-1-75

मोहर :

अर्जन रेंज, पूना

प्रसूप आई० टी० एन० एस० —
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, पूना

पूना विनांक 8 जनवरी 1975

निर्देश म ० सी०ए०-५/मई 74/हवेली-II/160/74-75
 यतः मुझे एच० एस० अवैलख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं 548, मर्वे नं 124/1/ब/1 है, जो पर्वती पूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-॥। पूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-5-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए काव्याद्वारी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती लाईबाई बाबुराव फुले 1023 सदाशिष वेठ, पूना,

(2) श्रीमती इदुम्मी मोपानराव लंडगे 759/75-2 डेंडकन जिमखाना, पूना नं-4 (अन्तरक)

2 अचंता कोआपरेटिव हार्डिंग सोसायटी लि० अध्यक्ष : श्री विष्णु विठ्ठल गोगरे ब्लाक नं 1, वर्षा अपार्टमेंट्स 33/5 प्रभात रोड, पूना-क्ष-4 (अन्तरिती) को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों के सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

फ्री-होल्ड खुली जगह फायनल प्लाट नं 548, हर्वे नं 124/1/व-1, पर्वती पूना। क्षेत्रफल : 2692.6 वर्ग मीटर्स

खुली जगह पूना म्यूनिसिपल कार्पोरेशन के क्षेत्र में निम्न प्रकार से घिरी हुई है :—

पूर्व के तरफ—नाल और फायनल प्लाट नं 546।

दक्षिण के तरफ—पी० डब्ल्यू० डी० कालोनी और फायनल प्लाट नं 546।

पश्चिम के तरफ—अंतरक की ओर हुई जमीन और

उत्तर के तरफ—फायनल प्लाट नं 549।

एच० एस० अवैलख,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 8-1-75

मोहर:

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

बंबई, विनाक 7 जनवरी 1975

निर्देश सं० अ० ई० 5/7/4/74-75—यतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 177 सं० 249 हिस्सा 3 है, जो घाटकोपर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-7-4 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. गोर्खनदास शिवचन्द्राय और अन्य

(अन्तरक)

2. नरोत्तम मनीषाई और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का तमाम टुकड़ा या खाली जमीन जो गांव घाटकोपर के प्लाट नं० 17, गरोड़िया नगर योजन, घाटकोपर, जो सर्वेक्षण नं० 3, रजिस्ट्रेशन उप-जिला और जिला बम्बई नगर और उपनगर और मापमे 950 वर्गगज समकक्ष 794-30 वर्गमीटर या आस-पास स्थित और मौजूद है।

जे० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5 बम्बई।

तारीख : 7-1-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1975

निर्देश स० आ०ई० 5/8/5/74-75—यतः मुझे जै० एम० मेहरा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्याम करम
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
26,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० सर्वे क्र 292 (अश) हिस्सा अ 18 है जो मुल्ड
में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-5-74 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह वि अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच स्थ पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिखित में बास्तविक रूप से विधित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उसमें
बदलने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमत्यों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं
किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे हारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—444GI/74

1 श्री विग्रह क गमचंद्र पाटील (अन्तरक)

2 श्री मिमसदेश वा० आ० ब्राह्मिंग सोमायटी निमिट्ट
(अन्तरिती)

3 श्री टि० आर० पाटील श्रीर के० आर० पाटील
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्सम्बधी व्यवितरण। पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
मसाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितरण में में किसी
व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस मूल्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति का जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वेक्षण न० 292 (अश) हिस्सा न० 1 श्री, ममुड परिषम,
बम्बई-80 भौत 1194-9 वर्ग मीटर में स्थित है।

जै० एम० मेहरा
मक्षम प्राधिकारी,
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-5 बम्बई।

तारीख 7-1-75

मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1975

निर्देश स० अ०८० 5/90/74-75.बोल्यूम I—अतः मुझे ज० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी स० सर्वे क्र० 50 हिस्सा क्र० 1, (अंश) है, जो छिलेज, मोहिनी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्तालिय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेज के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के छोड़तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रत्नेश्वर बलभजी वोरा और अन्य 11

[भागीदार सम-हिता इन्डस्ट्रियल एन्टरप्राईज,

(अन्तरक)

2. श्री यशवन्त राय रामकृष्ण दबे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

सर्वे क्र०-7, हिस्सा क्र०-10(अंश). सर्वे क्र०-50, हिस्सा क्र०-2 (अंश)।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मेरे फिसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पारा लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति हम सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए सारी और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना इन ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपी की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यह सभी जमीन के टुकड़े या खाली खेती के करने सायक जमीन का स्वीक जो गांव मोहिनी जो कुलान्धीरोड़ पर स्थित है तालुका कसां जो रजिस्ट्रेशन उप जिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगरों जो बृहत्तर बम्बई में हैं और जो माप में 2100 वर्ग गज (अर्थात् 1756 वर्ग मीटर हैं) और जिसका सर्वेक्षण नं० 50 हिस्सा नं० 1 (अंश) सर्वेक्षण नं० 7 हिस्सा नं० 10 (अंश) और सर्वेक्षण नं० 50 हिस्सा नं० 2 (अंश) और धिरा है उत्तर की ओर से सर्वेक्षण नं० हिस्सा नं० 10 द्वारा दक्षिण की ओर से नसलस द्वारा, पूर्व की ओर में जमीन जिसका सर्वेक्षण नं० 50 हिस्सा नं० 2 (अंश) द्वारा और पश्चिम की ओर से जमीन जिसका सर्वेक्षण नं० 50 हिस्सा नं० 1 (अंश) द्वारा।

ज० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 10-1-75

मौहर:

प्राप्त आई० टी० एन०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1975

निर्देश स० अ० ई०प०-९०/२७४-७५ (बृ०-२)---अतः
मुझे, जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-5, बम्बई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० सब क्र-८ हिस्सा क्र०-१ (अंग) 5 और 10 है, जो व्हीलेज मोहिली में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ९-५-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि, अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग, के अनुसरण में, मे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री यशवतराव रामकृष्ण क्षे

(अन्तरक)

2 श्री रत्नलाल बलभट्टी बोरा और अन्य
मागीदार ममहीता इन्डस्ट्रीयल इन्डस्ट्रीजेम,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रतिक्रिया, यदि कोई है तो .—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेप, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एवद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापूरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

वह सभी जमीन के टुकड़े या खाली खेती करन वालक जमीन का स्वीकार जो गाव मोहिली जो कुर्मा अन्धेरी रोड पर स्थित है तालुका कुल्ला जो रजीस्ट्रेशन उप जिला बांद्रा जिला बम्बई उपनगर जो बृहत्तर बम्बई मे ह और माप से निम्नलिखित है

सर्वेक्षण	हिस्सा क्र०	वर्गगज	वर्गमीटर
8	1	484	404. 68
8	5	423	353. 77
8	10	968	808. 75

जे० एम० मेहरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-5, बम्बई

तारीख: 10-1-75

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 दिसम्बर, 1974

निर्देश मा० आई०-1/806-6/भई, 1974—आस. मुझे
श्री गा० कल्पके सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन
रेज-1 बम्बई आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1620 माहिम डिविजन है, जो
काशीनाथ धुरु स्ट्रीट, कैडेल रोड में स्थित है (और इससे उपायदृ
ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय मब रजिस्ट्रार, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-5-1974
के पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ट विवेद के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने वा
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/वा
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आदि
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
न अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :—

1. श्री किर्तिकुमार मोहनलाल मेहता

(अन्तरक)

2. श्री नानजी जीवराज करानी और अन्य

(अन्तरिती)

3. किराएदार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अधेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरात्मक व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की कुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

इन्द्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के मध्याय
20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का यह तमाम टुकड़ा या अहाता अथवा वर्षी इमारत
के माथ स्वतंत्र जमीन जो काशीनाथ धुरु स्ट्रीट, कैडेल
नगर और टापू और उप रजिस्ट्रेशन जिला बम्बई माप में
574.79 वर्ग गज अर्थात् 480.65 वर्गमीटर या आसपास
और भूराजस्व के संग्रहक की पुस्तकों में नया सर्वेक्षण नं०
1624 और 1626 (प्रश्न) और कैडस्ट्रोल सर्वेक्षण नं०
1620 माहिम खंड और नभारपालिका भावों एवं करों के
संग्रहक की पुस्तकों में जी वाई नं० 2703(3) पुरानी गली
नं० 1380 और नयी गली नं० 25 ए के प्रत्यंत एवं पंजीकृत
है और इस प्रकार धिरा हुआ है अर्थात् पूर्व की ओर
बालाराम पांडुरंग परेलकर जिसका सी० एस० नं० 70,
माहीम खंड, की जायदाद द्वारा पश्चिम की ओर से बम्बई
नगर निगम द्वारा रास्ते के लिए सुरक्षित 20 मि० जमीन
द्वारा उत्तर की ओर से काशीनाथ धुरु स्ट्रीट
फीट चौड़े मार्ग द्वारा और वसिण की ओर से भाहिम खंड
सी० एस० 59 की जमीन द्वारा।

श्री शं० फड़के
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 30-12-74

अर्जन रेज-1, बम्बई

मोहर :

प्रकृष्ट आई० दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत भवान

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 दिसम्बर, 1974

निवेश स० अ० ह०-1/806-6/मई, 1974—अत मुझे
श्री श० फडके सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन
रेज-1, बम्बई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी स० मी० प० स० न० 1620 माहिम डिवीजन है, जो
काशीनाथ धुरु स्ट्रीट, केंडल रोड से स्थित है (और इससे उप-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी
के कार्यालय मबर रजिस्ट्रार, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रार
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-5-1971 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीर्ट के विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
करित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने
के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयी मूरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये
गये हैं।

यह: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए की उपशारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री किरणकुमार मोहनलाल मेहता

(अन्तरक)

2. श्री नानजी जीवराज कागनी ग्रौं अन्य (अन्तरिती)

3. किरणदार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यालयी गूरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में विए गए आक्षेपों
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित विया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा या अहाता अथवा बनी हमारत
के साथ स्थित जमीन जो काशीनाथ धुरु स्ट्रीट, केंडल रोड,
ग्रौं और उपरजिस्ट्रेशन जिला बम्बई माप में 574.79
वर्ग गज अर्थात् 480.65 वर्गमीटर या शास्त्रीय और भूराजस्व
के संग्रहक की पुस्तकों में नया सर्वेक्षण न० 1624 और
1626 (अंश) और केंडल सर्वेक्षण न० 1620 माहिम
खंड और भगरपालिका भावों एवं करां के संग्रहक की पुस्तकों
में जी वार्ड न० 2703 (3) पुरानी गली न० 1380 और
गली न० 25 ए के अन्तर्गत पंजीकृत है और इस प्रकार विरा
हुआ है अर्थात् पूर्व की ओर बालाराम पाठुरंग परेलकर
जिसका सी० एस० न० 70 माहिम खंड, की जायदाद द्वारा
परिष्कार की ओर से बम्बई नगर निगम द्वारा रास्ते के लिए
सुरक्षित 20 फिट जमीन द्वारा, उत्तर की ओर से काशीनाथ
यह स्ट्रीट, नामक 50 फीट चौड़े मार्ग द्वारा और दक्षिण की
ओर से माहिम खंड, सी० एस० 59 की जमीन द्वारा।

श्री य० फडक

सक्षम प्राप्तिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 30-12-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आष्टक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

264-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-१, बम्बई

बम्बई, दिनांक । नवम्बर 1974

निर्देश सं १९१/नि०सं०आ०प्र०ई०-२/१२७२—
अतः मुझे श्री ग० सो० गव. महायक आयकर आयुक्त (निर्देशक), अजन रेज-४ बम्बई आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा २६९ ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट ब्र० २५१ है, जो मौजे घाटकोर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रन्तुसूची में और पूण रूप सर्वित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन २९-५-१९७४ के पर्वकृत

सम्पत्ति एवं उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए, रजिस्ट्रीड्रैट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से व्यक्ति नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सकार बनाना; और/या

(छ) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य भारतव्य को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वे लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शांता मेघजी शाह,
शान्ति निवास, देवघर रोड, माटूगा, वर्मदई-१९
(अन्तरंक)

2. मैसर्स जे० को० आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड

२७५. जे० के० हाऊस, तेलंग रोड, माटुगा,

पृष्ठा- 19

(अन्तरिक्षी)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो '—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थान सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, अदिक्षा कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे अक्षित को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिकी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पंरा के अधीन सूचना दी गई है, आधेपो की सन्तवाई के समय सूते जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आधिकारिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के में प्रथापरिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस और

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि वस्त्रवृद्धि उपनगर जिले के रजिस्ट्री उप जिला ब्रान्दा के मौजे घाटकोपर में स्थित है जोकि प्रस्तावित घाटकोपर टाउन प्लानिंग स्कीम नं० 3 का अन्तिम प्लाट नं० 251, सी० ३०० मर्केंशन नं० 5731 धारण किए हुये हैं माप भे ८५।। वर्गीकरण की अनुमति के समक्ष और नियन्त्रण भी दिए गए हैं।।

उत्तर में या ओर अन्तिम प्लाट नं० 252 की खुली जगह और अग्रीता दक्षिण में या ओर अन्तिम प्लाट नं० 250, पूर्व में या ओर अन्तिम प्लाट नं० 255 पश्चिम में या ओर स्कीम की 30 फीट सड़क।

ग० स० राव
सक्षम प्राधिकारी

तारीख : १-११-१९७४

मोहर २

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 14 जनवरी, 1975

निर्देश मं० श्र० ह० 2/1012/2376/74-75.—अतः मुद्दे
मुझे वि० र० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है, कि अस्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25-00/- रु० से अधिक है और जिसकी म० न० 42/14, 15 अ०, 15 ब०, (अंश) सी० टी० स० न० 242, 243, 273 है, जो विलेपाले (पूर्व) में स्थित है (और इसमें उपावद शत्रुघ्नी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकॉर्ट प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यभान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकॉर्ट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) में वीच स्थ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० एम० ईरानी

(अन्तरक)

2. मैराम याज्ञदान शापूर को० औ० हाऊ० सो० लिमिटेड
(अन्तरिती)

3. मैराम ।

(वह अक्षित जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एन्ड्रारा कार्डशियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्ट्योकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में पथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्री उपजिला बान्द्रा के विलेपाले में स्थित है जोकि माप से 522 वर्ग गज (436.45 वर्ग मीटर है) तथा बृहत्तर बम्बई नगरपालिका के द्वारा अनुमोदित किये गये उपविभाग के नक्शे में प्लाट क्र० 12धारण किये हुए हैं, एवं सर्वेक्षण क्र० 42 हिस्सा क्र० 14 सी० टी० एस० क्र० 242 सर्वेक्षण क्र० 242 15 श्र० सी० टी० एस० न० 243 एवं सर्वेक्षण क्र० 15 ब० (अंश) सी० टी० एस० क्र० 273 और सर्वेक्षण क्र० 44 हिस्सा क्र० 2(अंश) एवं सी० टी० एस० क्र० 252 धारण किये हुए हैं तथा निम्न प्रकार से विरा हुआ है अर्थात्—उत्तर में या और प्लाट न० 1 से, दक्षिण में या और प्लाट न० 13 से, पश्चिम में या और एवं बाल में तथा पूर्व में या और महात्मा गांधी रोड एक्स-टेशन से, साथ में उस पर निर्मित याजदाननामक भवन से, घिरा हुआ है।

वि० र० गुप्ते

मकाम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 14 जनवरी, 1975

मोहर :

प्रस्तुत आईटीएन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1975

निवेश मं. अ० ई० 2/1014/2395/74-75—अन: मुझे चि० र० गुप्ते आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायकर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं. अन्तरित रीवाइज़ फ्लाट नं. 23 टि० पी० एस० नं. 6, म० सं. 228, हि० मं. 5, 6 और 13 है, जो विलेपालै में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-5-1974 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-फर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना पाहिए था, छिपाने के लिए सुविधा के लिए.

अतः, धब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की

1. श्री अलिमुदीन गफर समसुहित मनियार (अन्तरक)
2. मैसर्म नब अकतिपता को० आप० हाऊ० सो० लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविकल्पों पर मूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायकर सम्पत्ति में हित-बढ़ विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास लिखित भें लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभावित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली भूमि या मैदान का वह तमामटुकड़ा या भाग जो कि बृहस्पत बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्री उप जिला बाल्का के रेवेन्यू छिलेज विलेपाले में 44 फीट चौड़ी सर्वेजनिक सङ्क जोकि थर्ड रोड से ज्ञात है पूर्व भाग में स्थित मौजूद एवं 457 हुआ है, जोकि अन्धेरी टाउन प्लानिंग स्कीम क्र० 6 का अन्तिम रिवाइज़ फ्लाट क्र० 23 (पहले फ्लाट क्र० 32) है जो कि मूल रूप से सर्वेजन क्र० 228 हिस्सा क्र० 5, 6 और 13 धारण की हुई भूमि का भाग है जो कि माप से 970 वर्गगज यानी कि 800.04 वर्गमीटर के समकक्ष है एवं नगरपालिका के द्वारा 'के' वार्ड क्र० 7838 (5) के अन्तर्गत निर्धारित किया जाता है तथा निम्नप्रकार से विरा हुआ है अर्थात् उत्तर में या और रिवाइज़ अन्तिम फ्लाट क्र० 21 से (पहले फ्लाट नं. 31 धारण किए हुए है) दक्षिण में या और रिवाइज़ अन्तिम फ्लाट क्र० 24 से (पहले फ्लाट नं. 34 धारण किए हुए है) पूर्व में या और रिवाइज़ अन्तिम फ्लाट नं. 22 से (पहले फ्लाट नं. 33 धारण किए हुए है) पश्चिम में या और अन्धेरी टाउन प्लानिंग स्कीम रोड नं. 3 तथा इन्हेन्चर से संलग्न नक्शे पर रेखांकित है एवं एक लाल रंग की सीमा रेखाओं द्वारा विद्युता गया है।

वि० र० गुप्ते
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, बम्बई

तारीख: 13 जनवरी, 1975

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-4110004, दिनांक 13 जनवरी 1975

निर्देश सं० सी० ओ० 5/मे०/74/सोलापुर/बम्बई-161/74-
75—यतः मुझे एच० एस० औलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक और जिसकी सं० फायदनल प्लाट क्र० 24अ (पार्ट) सि० टी० एम० क्रमांक 8928/2 सर्वे क्रमांक 1 अ है, जो सोलापुर शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय भाग्यतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-5-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तम पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

प्रीर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

ग्रन्त : ग्रब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ सम्प्रधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रतन चन्द्र हीरा चन्द्र

कन्स्ट्रक्शन हाउस, बैलर्ड इस्टेट, बम्बई-1

(अन्तरक)

2. डि.इडियन ट्यूम पाईप कंपनी लिमिटेड,

कन्स्ट्रक्शन हाउस, बैलर्ड इस्टेट, बम्बई-1 (अन्तरिती)

14—444GI/74

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(अन्तरिती)

अनुसूची

भूमि का एक टुकड़ा जो सोलापुर नगर तहसील उत्तर सोलापुर जिला सोलापुर, और सोलापुर म्युनिसिपलिटी के कक्षा में है। जिसको उपर्ये प्लाट कहते हैं। जिसका सर्वे क्रमांक 9अ टाउन प्लानिंग स्कीम क्रमांक 4 फायदनल प्लाट क्रमांक 24अ (पार्ट) मि० टी० एस० क्रमांक 8928 अ/2 जिसका क्षेत्र ० तीन एकर है। उसमें 19गुणे जमीन सरकार ने ली और बची हुई जमीन 2 एकर 21गुणे याने 10218.3114 वर्ग मीटर्स जिसका सर्वे क्रमांक 8928 अ/2 पार्ट है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर के तरफः सर्वे क्रमांक सि२ टी० एस० क्रमांक 8928 अ/1 पार्ट ।

विश्वास के तरफः 19गुणे जमीन सरकार ने ली हुई।

पश्चिम के तरफः जुना बार्शी रोड।

पूर्व के तरफः सी० टी० एस० क्रमांक 8928 अ/1 पार्ट लिंज—होल्ड जमीन ।

एच० एस० औलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 13-1-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ८० सी० क्य० २३-१-१६८(१०१)/१-१/७४-७५-
यतः मुझे जे० कथूरिया,
यतः, मुझे, सी० बी० गुले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 89 तथा 90/1, प्लाट नं० 24,
25, 26, 28, 29, 30, 31, 32, 33, और 34 है, जो चार गढ़
रोड, अमरेली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमरेली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 9-५-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यद्यपि
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना और या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए मुकर बनाना और;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दुष्टी बेन, रामजीभाई,
सबजीपरा, अमरेली।

(अन्तरक)

2. मैंसर्सुखनाथ को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
की ओर ये:—
प्रमुख: श्री बी० बी० पटेल,
द्वारा तालुका पंचायत, अमरेली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनबाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती दैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनबाई के ममय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारिभागित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन बाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 3888.32 वर्ग मीटर है और जिसका सर्वे नं० 89 तथा 90/1 है, और प्लाट नं० 24, 25, 26, 28, 29, 30, 31, 32, 33 और 34 है और चारगढ़ रोड, अमरेली में स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं:—

पूर्व : रेलवे सड़क
पश्चिम : कृष्ण नगर
उत्तर : मुख्यनाथ परा
दक्षिण : चारगढ़ रोड

जे० कथूरिया,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 8-11-1974

मोहर:

प्र० आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 सितम्बर 1974

निवेश सं० 156/ए०सी०क्य०-23-176/14-4/74-75—

यतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 909 और 910 अधारिया जिनिंग एण्ड प्रेसिंग फैक्टरी है, जो कड़ी जिला मेहसाना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कड़ी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री नवीनचन्द्र प्रहलाद जी पटेल,
प्रो० : अधारिया जिनिंग एण्ड प्रेसिंग फैक्टरी,
स्टेशन रोड, कड़ी ।

(अन्तरक)

2. मै० अमरीण शिवलाल एण्ड क० की ओर से उसके सहिरांरी :
शिवलाल छानलाल पटेल,
इशानपुर मोरा, तह० देहगाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्वल्पीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अधारिया जिनिंग एण्ड प्रेसिंग फैक्टरी नामक अबल सम्पत्ति जिसका कुल क्षेत्रफल 11 एकड़ और 17 गुंथा है और जो कड़ी गांव में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कड़ी के 7-5-1974 को किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 20-9-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-179(106)/1-1/74-75

—यतः मूले जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी स० सर्वे नं० 1418, 1419, म्युनिसिपल सैसस नं० 1090, 1091, जमालपुर वार्ड-I है, जो ताडनीगोरी, ताजपुर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908) का 16) के अधीन 2-5-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए व्यक्ति या अधिकारी द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

- (1) 1. श्री मणी लाल गणेशजी खन्नी,
2. श्री हरीलाल गणेशजी खन्नी,
3. श्री प्रह्लाद गणेजी खन्नी,

4. श्री वासुदेव हरीलाल खन्नी,

5. श्री इश्वरलाल हरीलाल खन्नी,

6. श्री नरेशकुमार हरीलाल खन्नी,

ताडनीगोरी, जमालपुर, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री करसनभाई हुसेनभाई भाटी, चम्पामील की चाल, काँचकी मसजीद के निकट जमालपुर, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोल्हस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मकान जिसका सर्वे नं० 1418, म्युनिसिपल सैसस नं० 1090 (जमीन जिसका थेनफल 30 वर्ग गज) तथा सर्वे नं० 1419, म्युनिसिपल सैसस नं० 1091 (जमीन जिसका थेनफल 74 वर्ग गज), एट नं० 92, जमालपुर वार्ड-I है, और जो ताडनीगोरी, ताजपुर, अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कथूरिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 28-11-74

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1974

निदेश स० ए० सी० क्य० 23-1-182(III)/1-1/74-75—
यतः मुझे जै० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ वे अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी स० सर्वे न० 668, शीट न० 44, म्युनिसिपल संससन न० 1277, 1277-1, शाहपुर वार्ड-I है, जो रंगीला पोल के निकट, नवधरी, शाहपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), गैजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 8-5-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

(1) श्री नारणभाई मगलदास पटेल,
श्री निरंजन नारणभाई महादेविया,
श्री पंकज नारणभाई,
श्रीमती पुष्पाकरी नारणदास,
वंगला न० 20, सीमा सोमायरी, सेट जेवियर्स हाईस्कूल
रोड, अहमदाबाद-14। (अन्तरक)

(2) श्री रतिलाल करणनदास गाधी, हिरा बिल्डिंग, पहला पारसी बाड़ा, वर्म्बई-4। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि को हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत जो 147 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जिसका सर्वे न० 668, शीट न० 44, म्युनिसिपल संससन न० 1277, 1277-1, शाहपुर वार्ड न० 1 है और जो, नवधरी, रंगीला पोल के निकट शाहपुर अहमदाबाद में स्थित है।

जै० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I अहमदाबाद।

तारीख : 7-12-74

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निदेश म०ग्र० मी० क्य० 23-I-189(102)/16-6/74-75
—यतः मुझे जे० कथूरिया,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० सर्वे नं० 143, 155, 171, हाउस नं० 2710, बाँड़ नं० 8 है, जो आजी नदी के पूर्व तट पर राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन मई '74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ह्रदृष्टि किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मणीलाल दलपतगय शुकल,
श्री नौतमलाल दलपतराय शुकल,
सरदार बाग के निकट, राजकोट। (अन्तरक)

(2) श्री गोपालजी बेचर, गोहेल
श्री मच्छा करणा डाभी,
श्री श्रुणभाई जयाभाई डाभी,
श्री अशोक कुमार गोपालजी गोहेल,
श्री मुकुंद गोपालजी गोहेल,
10, विजय प्लाट राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्त्वसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य-व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्यक्षी

मकान जो 3433-1-6 वर्ग गज भूमि मर स्थित है, और जिसका सर्वे नं० 143, 155, 177, हाउस नं० 2710 बाँड़ नं० 8 है और जो आजी नदी के पूर्व तट पर, पांजरा पुल के निकट राजकोट में स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

पूर्व : शीतला माता का मंदिर,

पश्चिम : 40 फुट का रास्ता

उत्तर : 30 फुट का रास्ता,

दक्षिण: जोडेश्वर मंदिर की दीवाल।

जे० कथूरिया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख: 8-11-74

मोहर:

प्र० आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयवत् (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निवेश सं० ८० सी० क्य० २३-१-१९५ (१०५)/१-१/७४-७५

—यतः मुझे जो० कथूर्गिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भवें नं० 143, एफ० पी० नं० 388, सब प्लाट नं० 24, टी० पी० एस० नं० 6 है जो फतेहनगर, पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 17-५-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) कम्पीजिशन ट्रस्ट के द्वास्टी :—
1. श्री अनुभाई देवजीभाई गठौर, "देवभूवन" प्रितमनगर, एलिम श्रिज, अहमदाबाद ।
2. श्री साराभाई जगाभाई शाह, दिप कुंज मोसायटी पालडी, अहमदाबाद-7 ।
3. श्री महेन्द्रभाई मणीलाल शाह, जैन मरुचंद मोसायटी, पालडी अहमदाबाद ।

4. श्री कातिलाल ठाकोरदास काशी प्रितमनगर अवाडा के निकट, एनिसिन्निज, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) 1. श्री चंद्रकान्त रत्नीलाल शाह,

2. श्री दीनीप रत्नीलाल शाह,

3. श्री परेण रत्नीलाल शाह, गुजरात

मोसायटी, कांकरिया, अहमदाबाद (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० २ पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आशेष, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आशेषों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आशेष किया है तभा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आशेषों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो ९६७ वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जिसका मर्वे नं० १४३, सब प्लाट नं० २४, फायनल प्लाट नं० ३८८-२४, ३८८-२४-१, तथा टी० पी० एस० नं० ६ है और जो फतेहनगर पालडी, में अहमदाबाद में स्थित है, और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

पूर्व : सब प्लाट नं० २३

पश्चिम : ३० फूट का गम्भा

उत्तर : सब प्लाट नं० १७-१८

दक्षिण : सब प्लाट नं० २५

जै० कथूर्गिया,
मकान प्राधिकारी

तारीख : 28-11-1974 सहायक आयकर आयवत् (निरीक्षण),
मोहर : अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-१ अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1974

निदेश सं० ए० सी० क्य० २३-१-१९६(११०)/१-१/७४-७५
—यतः मुझे, जे० कश्युरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सब-प्लाट नं० 20-१, एफ० जी० नं० 622, टी० पी० एस० नं० 3 है, जो कोचरब, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबृह अनुसूची में ग्रीन पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 24-५-१९७४ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः श्रब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री चंद्रलाल कालीदास पटेल,
श्रीमती कान्ताबेन चंद्रलाल,
श्री सुरेन्द्र चंद्रलाल पटेल,
श्री भूपेन्द्र चंद्रलाल पटेल,

श्री प्रकाश चंद्रलाल पटेल,
श्री रजनीकान्त चंद्रलाल पटेल,
24, हाटकेण्वर मोमायटी, सेंट जेवियर्स रोड,
अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री रोहितभाई रणछोडभाई पटेल,
श्रीमती शारदादेव रणछोडभाई पटेल,
बंगला नं० ७-ए, अतुलपार्क, नारणपुरा चार रास्ता,
अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुनें जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन जिसका थेवरफल 489, 53 वर्ग मीटर है और जिसका मव-प्लाट नं० 20-१, फायनल प्लाट नं० 622, टी० पी० स्कीम नं० 3 है, ग्रीन जो कोचरब ग्रहमदाबाद में स्थित है ग्रीन जिसकी मीमांप निम्नलिखित है :—

पूर्व: मव प्लाट नं० 20-२

पश्चिम: सब प्लाट नं० २१

उत्तर: रोड़

बक्षिण: फायनल प्लाट नं० ६२१

जे० कश्युरिया,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-१ अहमदाबाद

तारीख : 7-12-74

मोहर :

प्रेस्लिप आई० टी० एन० एस०————
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना
भारत मरकार

कार्यालय महायकर प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्राज़न रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 21 नवम्बर, 1974

निदेश सं० 171/ए० सी० क्य० 23-205/19-7/74-75—
यत् मुझे पी० एन० मिस्ल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 85-2 पैकी और 87-ए-2 पैकी है, जो
फुलपाड़ा, सा० चोरियासी, जिला: सूरत में स्थित है (और इससे
उपरबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1961 (1908 का 16) के अधीन 10-5-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वापर्तिक रूप से
प्रियंका नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या, लिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय-20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी शूल करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ए के अनुसरण में, मेरे आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए की
उपशाय (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री सूर्यकान्त चिममलाल
चंडलब्रेम-चिमनलाल

मूर्शीर ग्रनीज सूर्यकान्त और पियुश सूर्यकान्त अपने
वाली सुशीला बेन सूर्यकान्त द्वारा (अन्तरक)

(2) प्रिन्सीपल अफिसर शक्ति विजय को०-आपरेटिव

हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड फुलपाड़ा की ओर से
प्रेसीडेंट: शाद्वार्दी जसमाई पटेल
सैक्रेटरी: हरमनभाई भीखाभाई पटेल
मेम्बर: मरेनकुमार गुन्वतराय ठक्कर (अन्तरिती)
(3) जैमा कि म० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुच रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिया शूल करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाट में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सके।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए¹
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसको सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने
ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप
दी सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थावरकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में पथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 85-2 और 87-ए-2 पैकी :—

- विक्षिण की ओर प्लाट नं० 5 कुल माप 2762 वर्ग गज
 - पश्चिम की ओर प्लाट नं० 1 कुल माप 2650 वर्ग गज
 - विक्षिण की ओर प्लाट नं० 8 कुल माप 2762 वर्ग गज
 - उत्तर की ओर प्लाट नं० 2 कुल माप 2650 वर्ग गज
 - पश्चिम की ओर प्लाट नं० 7 कुल माप 2762 वर्ग गज
 - पूर्व की ओर प्लाट नं० 3 कुल माप 2649 वर्ग गज
 - उत्तर की ओर प्लाट नं० 2 कुल माप 2632 वर्ग गज
 - पश्चिम की ओर प्लाट नं० 4 कुल माप 2632 वर्ग गज
 - पूर्व की ओर प्लाट नं० 4 कुल माप 2762 वर्ग गज
 - उत्तर की ओर प्लाट नं० 3 कुल माप 2632 वर्ग गज
- जो फुलपाड़ा, सा० चोरासी जि० सूरत में स्थित है जैसा कि
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के रजिस्ट्रीकृत निलेख नं० 1732
से 1741 में प्रदर्शित है।

सक्षम प्राधिकारी पी० एन० मिस्ल,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-॥ अहमदाबाद

तारीख: 21-11-1974

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II

भ्रह्मदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 169/ए० सी० क्य० 23- 225/6-1/74-75
यतः मुझे पी० एन० मितल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 78 प्लॉट नं० 57 (जमीन श्रीर मकान) है, जो हरिमक्ती कालोनी रेस कोर्स सर्कल के पास, बड़ोदा में स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 2-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अनिमित्त किए गए हैं।

अत अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) 1. श्री कंचनलाल पीताम्बरदास शाह
2. श्री मती पुष्पावती कंचनलाल शाह
3. दिनेश कंचनलाल शाह

4. नीरब दिनेश (सगीर) अपने बाली विनेश कंचनलाल शाह द्वारा ।

5. राजेश कांतीलाल शाह अपने कुल मुख्तार कंचनलाल पीताम्बरदास शास द्वारा भ्रह्मदाबाद (अन्तरक)

(2) मैं शरोफ कूपर एन्ड कं० की ओर से उसका भागीदार वसंतलाल नानालाल शरोफ, बम्बई (अन्तरिती)

(3) मैं शशान्त ट्रेडिंग कं० 57 हरिमक्ती कालोनी जेतलपुर रेस कोर्स के पास बड़ोदा (बहु व्यक्ति, जिसके अधिकारी में सम्पत्ति है) ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालयी शुरू करता है।

इकल सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई से समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा। स्थानीकरण —इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रमूसूची

जमीन व मकान जो सर्वे नं० 78 प्लॉट नं० 57, हरिमक्ती कालोनी, रेस कोर्स सर्कल के पास, बड़ोदा में स्थित है जिसका कुल जमीन का माप 7880 वर्ग फुट है बगले सहित, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के 2-5-1974 को किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1899 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मितल,
सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 21-11-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मौहर: अर्जन रेज-II, भ्रह्मदाबाद

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1974

निवेश स० 170/ए० सी० क्य० 23/13-8/74-75—यह मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हपये से अधिक है और जिसकी स० सर्वे न० 177, कुल माप 33275 वर्ग गज खुली जमीन है, जो चकलासी पारी, नडियाद में स्थित है (और इससे उपगढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नडियाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 16-5-1974 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया, ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबल अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से क्रियित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

मत. अब, धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्री विठ्ठलभाई चुनीभाई देसाई
हरीभाई चुनीभाई देसाई

रामभाई चुनीभाई देसाई

देसाई बागी, नडियाद (प्रस्तरक)

- (2) गांधीपार्क को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० की ओर से उसके चेयरमेन शशीकान्त इश्वरभाई पटेल, सेक्रेटरी विठ्ठलभाई शिवभाई पटेल (अन्तरिती)

- (4) श्री नरेन्द्रभाई छमनभाई पटेल अनकपुरी सोसायटी बड़ोदा (यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसरे में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त दौरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभायित हैं, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

खुली जमीन सर्वे न० 172, जिसका कुल माप 33275 वर्ग गज है और जो चकलासी पारी, नडियाद में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी नडियाद के 16-5-1974 को किये गये रजिस्ट्री-कृत विलेख न० 1432, 1433, 1434, 1435 और 1436 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्रधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 21-11-74

मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्ति, निरीक्षण

अर्जन रेज-१, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सी० क्र० 23-1-213(104)/16-6/
74-75—यतः मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 27 तथा 28 है, जो कुवाडवा रोड राजकोट में स्थित है, (और इससे उपावड़ मनसूची में और पूर्ण रु० से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1961 (1908 का 16) के अधीन 30-5-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित भी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त राम्पसि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, तिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी मुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कान्तीलाल सीलाधर नथवाणी, कर्ता हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब नेशनल प्रोटो स्पेर्स, 531/ए सेंड इस्टर्निंग चौपाटी बृहदी

(मन्त्रक्रृत).

2. मैसर्स फोहेनूर पेपर हास्टस्ट्रीज सुरेन्द्रनगर रोड, अहमदाबाद की ओर से

भागीदार — (1) श्री प्रकाश बल्लभदास शेठ, (2) श्री दिनकर बल्लभदास शेठ, (3) श्री रजनीकान्त मोहनलाल शेठ, (4) श्री लिलिन रमणीकलाल शेठ, (5) श्रीमती प्रभाकुवर चूशालदासी मेरेना, (6) श्री सुभाष बल्लभदास शेठ, (7) श्री बालुभाई डायाभाई पटेल,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक श्रेष्ठ सम्पत्ति (बाधकाम सहित) जिसका क्षेत्रफल 11 एकड़ी और 20 गुंडा है और जिसका सर्वे नं० 27 तथा 28 है जो कुवाडवा रोड, राजकोट पर स्थित है और जिसकी सीमाएँ निम्नलिखित हैं :—

पूर्व—रणछोड़ भाई की बाढ़ी

पश्चिम :—लालपरी का रास्ता।

उत्तर :—रणछोड़ भाई की बाढ़ी

दक्षिण :—बढ़वाण रोड

ज० कथूरिया

सकाम प्राप्तिकारी,

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, अहमदाबाद

तारीख : 8-11-74

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एम० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय भाषायकर भाषुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

गवर्नर मदाबाद, तारीख 6 जनवरी 1975

निवेश स० ए० सौ० क्य० 23-1-218 (120)/18-5/
14-75—यत मझे ज० कथूरिया, भायकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के प्रधीन सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,00/-/- से अधिक है और जिसकी म० सर्वे न० 1697 सब प्लाट न० 2/ए है, जो श्रावा-
वाड़ी बढ़वाण मे स्थित है (और इसे उपावस्थ अनुसूची मे और
पूर्णलूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बढ़वाण
मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
वे अधीन 31-5-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण
विवेद के अनुसार अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(प्रन्तरितियो) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास-
विक रूप मे कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत भायकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर
देने के अन्तरक के वायित्व मे कमी करने या उसमे
बदलने के लिए सुकर बनाना और/या ,

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या भायकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या अन्तरक अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

प्रीर पत भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं ।

अत . ग्रंड, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे भायकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जत :-

1 श्री- मोहनलाल दामाभाई मकवाणा गसरात्राली, जान,
गीता मन्दिर रोड, अहमदाबाद
(प्रत्यक्ष)

2 गोहील पोटरीज अपने भागीदार द्वारा --
(1) श्री तुलसीभाई दामाभाई,
(2) श्री-छंगन भाई तुलसी भाई,
(3) श्री किसनजाल-तुलसी भाई, छोपाचाल गीता मन्दिर रोड
अहमदाबाद ।

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रचन रखता है । (यह व्यक्ति,
जिसके बारे मे अधीक्षता अधीक्षता है कि वह सम्पत्ति मे द्वितीय
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
एतद्वारा कायेबाहिया शुरू करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अप्पे, यदि कोई है तो ।—

(फ) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45-
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद मे
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक व्यक्तियो मे कोई
किसी व्यक्ति द्वारा ,

(थ) इस सूचना के गजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45-
दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति मे हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षता अधीक्षता के पास
लिखित मे किए जा सके ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हम प्राप्ति
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उक्त मे किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने
ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के प्रधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण —इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो भायकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क मे व्यापारिभापित हैं, वही प्रथ
होगा, जो उस अध्याय मे विद्या गया है ।

अनुसूची

एक अध्यन समाप्त जो 2050 वर्ष गज भूमि पर विद्यत है
और जिसका सर्वे न० 1697 सब प्लाट न० 2/ए है, और जो
अधीक्षता अधीक्षता मे स्थित है ।

ज० कथूरिया,
मध्यम प्राविकारी,
सहायक अधिकार भाषुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दायीय न० १०-८०५
मोहूरे :

प्रकाश याई० टी० एन० एस० —

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, भ्रह्मदावाद

भ्रह्मदावाद, तारीख 2 नवंबर 1974

निवेदन सं० 167/ए० सी० क्य० 23-235/19-8/74-75

यतः मुझे पी० एन० मितल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के प्रधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसको सं० २० रे० सं० नं० 42 पैकी और 43 पैकी है, जो उच्चा ता० ओरियासीं, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपायकर प्रयुक्ति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीबुरेंज इंडियम 1961 (1908 का 16) के प्रधीन 3-5-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के प्रमुखार्थ घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि घन्तरफ (घन्तरको) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे घन्तरण के ५ ए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है —

(क) घन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन वर दम के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधाय 20-व के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरेंद्वारा प्रभिलिखित किए गए हैं।

यतः प्राय, धारा 269-व के घनुसरण में, मैं, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उच्चादा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्ता त्रिविकारी विलेख के लिए घर्ता भरने वाले जो इन व्यक्तियों के लिए घर्ता भरने का काम सहित जिसका रें सं० नं० 42 पैकी और 43 पैकी जो उच्चा (सूरत उच्चा रोड) ता० ओरियासीं जि० सूरत में स्थित है और जिसका क्षेत्र फ्ल 1364 वर्ग गज (मकान नं० 1) है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी सूरत के मे 1974 के रजिस्ट्री विलेख नं० 1670 में प्रदर्शित है।

मै० दशोदा दिक्क फैक्टरी घरने भागीदारों द्वारा :—

1. जीवन लाल जोइताराम
2. जयसीलाल जीवन लाल
3. हीरालाल जीवन राम सगरामपुरा, धनीम हाउस सूरत
(घन्तरक)

2. जीवन ज्योत नगर फ्लेट्स को० घो० हा० सोमार्डी उच्चा सूरत की ओर से उसके—
प्रमुख —भगव भाई० नरोत्तम भाई० पटेल
सेक्रेटरी —शान्ति लाल हिंगस लाल
मेम्बर —दिनेश चन्द्र साकर साल
(प्रतिश्वासी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शक करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की कार्यालय से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के घन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के प्रधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधाय 20-व में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, और उम प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रायल सम्पत्ति (नीव तक के बाघ काम सहित) जिसका रें सं० नं० 42 पैकी और 43 पैकी जो उच्चा (सूरत उच्चा रोड) ता० ओरियासीं जि० सूरत में स्थित है और जिसका क्षेत्र फ्ल 1364 वर्ग गज (मकान नं० 1) है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी सूरत के मे 1974 के रजिस्ट्री विलेख नं० 1670 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मितल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्ति (निरीक्षण),

अर्जन रेज-II, भ्रह्मदावाद

तारीख: 2-11-1974

मोहर:

**SHRAM MANTRALAYA
SHRAM BUREAU**

Simla, the 8th February 1975

No. 23/3/74-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 decreased by five points to reach 326 (Three hundred and twenty six) during the month of December, 1974. Converted to base : 1949=100, index for the month of December, 1974 works out to 396 (Three hundred and ninetysix).

K. K. BHATIA, Director.

**MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER**
Bombay-20, the 19th December 1974

No. 10(1)/73-74/CLB. II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 5(1) of the Cotton Control Order, 1955, and in supersession of the Textile Commissioner's Notification No. 10(1)/73-74/CLB.II dated the 11th April, 1974, I hereby direct that no manufacturer shall have at any time in his possession a quantity of Indian Cotton required for consumption on his own spindles whether held by himself or held in his behalf by any other person and including quantities to be delivered against outstanding contracts in excess of the limits specified in the Schedule below:—

SCHEDULE

Sl. No.	Area	Quantity
1	2	3
1.	Manufacturer having his place of manufacture in the City limits of Bombay and Ahmedabad.	Not exceeding the quantity equivalent to his three months' average monthly consumption.
2.	Manufacturer having his place of manufacture in the States of Assam, Orissa, West Bengal and Bihar.	Not exceeding the quantity equivalent to his four and half month's average monthly consumption.
3.	Manufacturer having his place of manufacture in the areas other than those mentioned in items 1 and 2 above.	Not exceeding the quantity equivalent to his four months' average monthly consumption.

Provided that, in the case of a manufacturer who is required to execute orders for defence purposes, the Textile Commissioner may, on application made to him in this behalf, permit such manufacturer to keep stocks of Indian cotton in excess of these limits to the extent of contracts to be executed.

Provided further that in the case of a Co-operative Spinning Mill, the Textile Commissioner may, on application made to him in this behalf, permit such manufacturer to keep stocks of Indian cotton upto six months of the Mills' average monthly consumption.

Provided further that in the case of a manufacturer who has exported in the preceding calendar year ending on 31st December, a part or whole of his packed production the Textile Commissioner may, on application made to him in this behalf accompanied by necessary particulars, permit such manufacturer to keep Indian cotton upto the limits indicated below:—

- (a) Manufacturer who has exported upto and including 10% of his packed production in the preceding calendar year ending on 31st December. Quantity equivalent to his half month's average monthly consumption over and above the applicable stock limits indicated in the Schedule above.
- (b) Manufacturer who has exported more than 10% but upto and including 25% of his packed production in the preceding calendar year ending on 31st December. Quantity equivalent to his one month's average monthly consumption over and above the applicable stock limits indicated in the Schedule above.
- (c) Manufacturer who has exported more than 25% of his packed production in the preceding year ending on 31st December. Quantity equivalent to his one and half months' average monthly consumption over and above the applicable stock limits indicated in the Schedule above.

Provided further that the quantity of Indian cotton which can be held in the possession of a manufacturer who has been using wholly or mainly foreign cotton, shall be as specified by the Textile Commissioner from time to

time on application made to him by the said manufacturer in this behalf.

Further, in exercise of the powers conferred on me by Clause 4(1) of the above said order, I direct that no manufacturer shall purchase Indian cotton unless his stock of such cotton at any time comes down below the limit prescribed for him in column (3) of the Schedule above or the limit specified in the provisos above as the case may be.

Mills which have Indian cotton stocks in excess of the above limits are required to send details to the Textile Commissioner. Such mills are prohibited from buying any further quantity of Indian cotton till such excess position is corrected to the levels below the limits now prescribed. Dealers other than banks holding quantities of Indian cotton on behalf of the mills are advised to satisfy themselves that such stocks of cotton are within the limits prescribed for the mills concerned.

Explanation

- (i) The average monthly consumption will be computed on the basis of the figures reported by the manufacturer to the Textile Commissioner in Form CST-II for the preceding cotton year ending the 31st day of August.
- (ii) The average monthly consumption will be computed on the basis of full working months during the preceding cotton year without taking into consideration the strike period, if any.
- (iii) The cases of mills which were closed and have been restarted recently either by the National Textile Corporation or private parties will be considered on merit on submission of application to the Textile Commissioner.
- (iv) For the purpose of this Notification, Indian cotton shall include all varieties of Indian cotton.

G. S. BHARGAVA
Joint Textile Commissioner

**MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)**

New Delhi, the 18th December 1974

No. A.19018(157) /74-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri R. S. Rastogi, an Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Central Revenues, New Delhi, as Accounts Officer in the Office of Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi, on deputation with effect from the forenoon of 7th December 1974.

K. V. NARAYANAN, Director (Admn.).

**MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION
(DEPARTMENT OF SUPPLY)**

NATIONAL TEST HOUSE

Calcutta-27, the 12th December 1974

No. G-318/A.—The Director, National Test House, Alipore, Calcutta, has been pleased to appoint Shri N. Madhavan, a permanent Assistant, borne on the cadre of the Ministry of Finance and attached to the Internal Finance Branch, Department of Supply, Bombay as Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the National Test House, Bombay Branch, Bombay Branch, Bombay with effect from the forenoon of 20-11-74 and until further orders.

2. Shri N. Madhavan assumed charge of the post of Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the National Test House, Bombay Branch, Bombay with effect from 20-11-1974. (F.N.)

S. K. BOSE, Dy. Director (Chem.)
for Director, National Test House.

**DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &
DISPOSALS**

New Delhi-I, the 31 December, 1974.

No. A-1/1(762).—The President is pleased to appoint Shri Janardan Sahay, Senior Purchase Officer in the Bharat Cooking Coal Limited, Dhanbad to officiate on ad-hoc basis as Deputy Director of Supplies, Grade II of the Indian Supply Service in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 2nd December, 1974 and until further orders.

No. A-1/1(929).—Shri D. E. De-Sarkar relinquished charge of the office of Deputy Director (Grade II of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on the afternoon of 8th November, 1974 for his reversion to his parent office as Deputy Manager in the High Explosives Factory, Kirki (Poona), under the DGOF (Ministry of Defence).

No. A-1/1(242).—The President is pleased to appoint Shri Muhammed Singh, Assistant Director of Supplies (Grade I) (Grade III of ISS) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay to officiate on ad-hoc basis as Deputy Director of Supplies, Grade II of the Indian Supply Service in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay with effect from the afternoon of 30th November 1974 and until further orders.

No. A-1/1(224).—The President is pleased to appoint Shri J. C. Bhandari, Permanent Director (Grade I of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate as Deputy Director General (Supplies & Disposals), in the office of the Deputy Director-General of Supplies & Disposals, Calcutta with effect from the forenoon of 15th November, 1974 and until further orders.

No. A-6/247/(287)/60.—The President has been pleased to appoint Shri K. Ganguly, Assistant Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Inspecting Officer in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Class I from the forenoon of the 30-11-74.

Shri K. Ganguly relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle in the forenoon of 30-11-74 and charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the same circle of the Directorate General of Supplies and Disposals in the forenoon of the 30-11-74.

No. A-6/247(276)/60.—The President has been pleased to appoint Shri A. K. Bose, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Inspecting Officer in the Engineering Branch Grade III of the Indian Inspection Service, Class I from the afternoon of the 2-12-74.

Shri A. K. Bose relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle in the afternoon of 2-12-74 and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the same circle of the Directorate General of Supplies in the afternoon of the 2-12-74.

The 2nd January 1975

No. A-17011(78)/74-A 6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri S. K. Bandopadhyay, Assistant Director of Supplies (Grade II) in the Headquarters office of the DGSD, to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle w.e.f. the forenoon of the 11-12-74 until further orders.

Shri S. K. Bandopadhyay, relinquished the charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade II) in the Headquarters office of DGSD, on the afternoon of 20-11-74 and assumed charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle on 11-12-74 (FN).

New Delhi, the 4th January 1975

No. A-6/247(292)/60.—The President has been pleased to appoint Shri R. J. Vaziraney, Assistant Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Inspection Officer in Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Class I from the forenoon of the 3rd December, 1974.

Shri Vaziraney relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Bombay Inspection Circle in the afternoon of the 27th November 1974 and after availing of the earned leave for 5 days from 28-11-74 to 2-12-74 assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the Bombay Inspection Circle in the forenoon of the 3rd December, 1974.

The 7th January 1975

No. A-17011/56/73-A.6.—Shri P. Arthur Raju, permanent Examiner of Stores and officiating Asstt. Inspecting Officer (Tex.) in the Madras Inspection Circle of Dir. General of Supplies & Disposals retired from Government service w.e.f. 30-11-74 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

No. A-17011/29/74-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri K. V. Narayanan, Assistant Director of Supplies (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Tex.), Bombay to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Bombay Inspection Circle w.e.f. the forenoon of 18-12-74 until further orders.

Shri Narayanan relinquished the charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Tex.), Bombay on 18-12-74 (F.N.) and assumed charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Bombay Inspection Circle on 18-12-74 (F.N.).

The 9th January 1975

No. A-6/247(343)/62-II.—The President has been pleased to appoint Shri A. K. Sur, Assistant Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Inspecting Officer in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Class I from the forenoon of the 30-11-74.

Shri A. K. Sur, relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle in the forenoon of 30-11-74 and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the same circle of the Directorate General of Supplies & Disposals in the forenoon of the 30-11-74.

BALWANT SINGH, Deputy Director (Admn.)

New Delhi, the 19th December 1974

No. A-6/247(279)/60-II.—The President has been pleased to appoint Shri A. T. Nachnani, Assistant Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Inspecting Officer in the Engg. Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Class I from the forenoon of the 20-11-74.

Shri Nachnani relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Bombay Inspection Circle in the forenoon of the 8-8-74, and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the Madras Inspection Circle in the forenoon of the 20-11-74.

The 30th December 1974

No. A-6/247(198)/III.—Shri G. N. P. Rao, Inspecting Officer (Engg.) in Grade III of Indian Inspection Service Class I in the Madras Inspection Circle of the Dir. General of Supplies & Disposals, retired from service w.e.f. 31-10-74 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

The 31st December 1974

No. A-1/1(994).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri A. V. S. P. Sinha, a permanent Head Clerk in the office of the Deputy Director of Inspection, Kanpur to officiate on local ad-hoc basis as Assistant Director (Administration) (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, Kanpur with effect from the forenoon of 18th November, 1974, and until further orders.

No. A-1/1(950).—Shri S. K. Bandopadhyaya relinquished charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the afternoon of 30th November, 1974 on his appointment as Assistant Inspecting Officer, (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Calcutta.

No. A-1/1(903).—Shri M. S. Sundareswaram relinquished charge of the office of Assistant Director of Supplies Grade II in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the afternoon of 30th November, 1974 on his reversion to his parent office viz. DEAFMS (Ministry of Defence).

The 6th January 1975

No. A-6/247(26)/57/III.—Shri D. T. Gursahani a permanent Deputy Director of Inspection and officiating Director of Inspection, in Grade I of the Indian Inspection Service Class I in the Bombay Inspection Circle under the Directorate General of Supplies & Disposals retired from Government service in the afternoon of the 30th November, 1974 on the expiry of Extension of service granted to him.

No. A-17011/81/74-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri B. K. Malakar, Examiner of Stores (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same circle w.e.f. the forenoon of the 10th December 1974, until further orders.

The 7th January 1975

No. A-17011/80/74-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri R. K. Guha, Examiner of Stores (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same circle w.e.f. the forenoon of the 10-12-74 until further orders.

BALWANT SINGH, Dy. Director (Admn.),
for Director General of Supplies & Disposals.

New Delhi-1, the 8th January 1975

No. A-1/1(997).—Shri K. V. Narayanan relinquished charge of the office of Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 18th December, 1974 on his appointment as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Bombay.

No. A-1/1(991).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri S. K. Dasgupta Head Clerk in the office of the Director of Inspection, Bombay to officiate on local ad-hoc basis as an Assistant Director (Administration) (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 23rd December 1974 and until further orders.

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

**MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA**

Calcutta-13, the 17th December 1974

No. 2181(RK)/19B.—Dr. Rajendra Kumar, M.Sc., Ph.D., is appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on minimum of pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 23rd September 1974, until further orders.

No. 51/62/19A.—Shri D. N. De, Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from 31st August 1974 (afternoon).

16—444GI/74

The 27th December 1974

No. 40/59/C/19A.—Shri Aditya Kishore Mookerjee, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on ad-hoc basis with effect from 11-11-1974 (F.N.), until further orders.

The 1st January 1975

No. 2251(NKS)/19B.—Shri N. K. Sinha, Senior Drilling Assistant, Geological Survey of India is appointed on promotion as Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- (Revised) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 21st October 1974, until further orders.

No. 2251(RRKN)/19B.—Shri R. R. K. Nair, Senior Drilling Assistant, Geological Survey of India, is appointed on promotion as Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- (Revised) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 11th December 1974, until further orders.

C. KARUNAKARAN,
Director General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi, the 4th January 1975

No. F.20(B-3)14/61-A.1.—Shri B. N. Das Gupta, Offg. Archivist (General) expired on the 6th December 1974.

Sd. ILLEGIBLE.
Director of Archives

DELHI MILK SCHEME

New Delhi-8, the 20th December 1974

No. 2-28/74-Estt-I.—Chairman, Delhi Milk Scheme is pleased to appoint Shri I. S. Anand, an Accounts Officer of the office of Accountant General, Posts & Telegraphs, as Accounts Officer (Class-II Gazetted) in the Delhi Milk Scheme on deputation with effect from the forenoon of 19-11-74 until further orders.

R. SUBRAHMANYAM
Dy. General Manager (Admn.)

**MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT**

New Delhi-3, the 4th January 1975

No. E(I)/03498.—On attaining the age of Superannuation Shri K. D. Mukherjee, Asstt. Meteorologist, office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta retired from Govt. service w.e.f. the afternoon of 31-7-1974.

NOOTAN DAS
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Observatories

**DIRECTORATE GENERAL
ALL INDIA RADIO**

New Delhi, the 9th January 1975

No. 5(21)/69-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri V. L. Gavit, Transmission Executive, All India Radio, Parbhani as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 23rd December, 1974 and until further orders.

No. 5(122)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri B. R. Kumar, Transmission Executive, All India Radio, Tiruchirapalli as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 23rd December, 1974 and until further orders.

No. 5(24)/69-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. V. L. Liani, Transmission Executive, All India Radio, Imphal as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 21st December, 1974 and until further orders.

No. 5(103)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri A. K. Biswas, Transmission Executive, All India Radio, Ranchi as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 26th December, 1974 and until further orders.

No. 5(23)/69-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri N. S. Issac, Transmission Executive, All India Radio, Calicut as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 21st December 1974 and until further orders.

No. 5(116)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kum. Vimla Shastri Transmission Executive, All India Radio, New Delhi as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 18th December, 1974 and until further orders.

No. 5(77)/67-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri V. S. Pansare, Transmission Executive, All India Radio, Poona as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 23rd December, 1974, until further orders.

No. 5(90)/67-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri D. P. Jatav, Transmission Executive, All India Radio, Allahabad as Programme Executive All India Radio, Jabalpur in a temporary capacity with effect from the afternoon of 23rd December, 1974 and until further orders.

No. 5(1)/69-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri F. Ekka Transmission Executive, All India Radio New Delhi as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 20th December, 1974 and until further orders.

SHANTI LAL
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 23rd December 1974

No. 2/9/74-S III.—The Director General, All India Radio, hereby appoints the following officers in the cadre of Assistant Engineer in All India Radio in an officiating capacity at the offices/Stations of All India Radio as shown against their names with effect from the date mentioned against each unit further order:

S. No.	Name of the officer	Name of the office/ Station where posted	Date of appointment.
1.	Smt. Chandra Aiyangar	Research Department, All India Radio, New Delhi.	15-11-1974
2.	Shri R. Narasimha Rao	All India Radio, Cuttack.	28-11-1974

The 8th January 1975

CORRIGENDUM

No. 2/9/74-S III.—The date of appointment of Shri R. Narasimha Rao, Assistant Engineer, All India Radio, Cuttack may please be read as 23-11-74 instead of 28-11-74 in this Notification No. 2/9/74-S III dated 23-11-74.

P. K. SINHA
Prashasan Upnideshak
Krite Mahanideshak

New Delhi, the 13th January 1975

No. 2/71/60-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri G. Ramalingam, Accountant Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Madras to officiate as Administrative Officer at All India Radio, Vijayawada on *ad hoc* basis with effect from 1-1-75 (FN).

I. S. PANDHI
Section Officer
for Director General

(CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi, the 20th December 1974

No A-35017/1/73-CWI.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri K. K. Deb Roy, a Junior Engineer (Electrical) in the Central Public Works Department as Assistant Engineer (Elect.) Rs. 650—1200 in the Civil Construction Wing of All India Radio and to post him as Assistant Engineer (Electrical), Gauhati under Divisional Office (Electrical), New Delhi with effect from the 19th October 1974 (afternoon) on the deputation for a period of one year in the first instance.

K. G. KRISHNAMURTHY
Engineer Officer to C.E. (Civil)
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL
PUBLICITY**

New Delhi-1, the 19th December 1974

No. 7/15/68-Est.II.—On his reversion to his parent Department in Uttar Pradesh State Government, Shri S. C. Bansal, relinquished charge of the post of Field Exhibition Officer in this Directorate with effect from 11th November, 1974 (forenoon).

R. L. JAIN
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

New Delhi, the 19th November 1974

No. 2/202/56-Est.I.—Consequent on their reversion to the post of Draftsman, Shri Om Parkash Kashyap and Shri D. R. Bhanot relinquished charge of the post of Senior Artist in this Directorate on the afternoon of the 31st October, 1974.

R. L. JAIN
Deputy Director (Admn.)

FILMS DIVISION
Bombay-26, the 16th December 1974

No. 40/PFII/48-Est.I.—The Chief Producer Films Division, has appointed Shri V. R. Peswani, Officiating Superintendent in the Films Division, Bombay to officiate as Assistant Administrative Officer in the same office with effect from the forenoon of the 11th December, 1974 vice Shri M. K. Jain granted leave.

Sd. ILLEGIBLE
for Chief Producer.

Bombay-26, the 18th December 1974

No. 17/26/49-Est.I.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri F. Joseph, officiating Branch Manager in the Films Division at Hyderabad retired from service with effect from the afternoon of 30-11-1974.

The Chief Producer, Films Division has appointed Shri R. P. Sharma, permanent Salesman in the Films Division at Lucknow to officiate as Branch Manager, Films Division at Hyderabad from the afternoon of the 30th November, 1974 vice Shri F. Joseph, officiating Branch Manager, Hyderabad retired.

The 24th December 1974

No. 17/40/49-Est.I.—The Chief Producer of the Films Division has appointed Shri P. V. Rao, Officiating Salesman, Films Division, Nagpur to officiate as Branch Manager in the same office with effect from the afternoon of the 16th November, 1974 vice Shri A. K. Mehra granted leave.

The 2nd January 1975

No. A.19012/3/74-Est.I.—Consequent on repatriation of Shri M. P. Advani, Accounts Officer (Admn.) to his parent Department on 7-12-1974 (F.N.) Shri K. Rajgopalan, Accounts Officer of the office of the Controller General of Defence Accounts (Airforce), Dehra Dun assumed charge of the post of Accounts Officer (Admn.), Films Division, Bombay on that date.

The 7th January 1975

No. 17/20/49-Est.I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri V. Srinivasan Permanent Salesman, Films Division, Bangalore to officiate as Branch Manager, Films Division Bangalore with effect from 17-6-1974 (A.N.) until further orders vice Shri S. N. Ray, Branch Manager, Films Division, Bangalore tendered his resignation of the post.

V. R. PESWANI
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

New Delhi, the 23rd December 1974

N. A.12026/2/74-Admn.I.—In continuation of this Division Notification No. A.12026/2/74-Adm.I, dated 4-9-1974, Director Publications Division is pleased to appoint Shri K.C. Singh, a permanent Senior Accountant, to officiate as Accounts Officer with effect from 27-11-1974 until further orders.

M. L. TANDON, Deputy Director (Admn.).

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 30th December 1974

No. 13-13/74-Admn.—The President is pleased to appoint Dr. Balraj Sur to the post of Staff Surgeon (Dental), Central

Government Health Scheme, New Delhi with effect from the forenoon of the 12th November, 1974 on ad-hoc basis and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Staff Surgeon (Dental) Central Government Health Scheme, Dr. Balraj Sur relinquished charge of the post of Junior Staff Surgeon (Dental) Central Government Health Scheme on the forenoon of 12th November, 1974.

The 1st January 1975

No. 28-5/70-II-Admn.I.—The Government of India announce with profound regret the death of Dr. H.M.L. Srivastava, Assistant Director (Ent). R.C.O., National Malaria Eradication Programme, Lucknow on the 15th October 1974.

No. 9-3/74-Admn.I.—The Director of Administration of Vigilance is pleased to appoint the following officers to the posts of Clinical Instructor at the RKAK College of Nursing, New Delhi with effect from the date mentioned against each in a temporary capacity and until further orders :—

1. Kumari Manjeet Kaur, 28-9-74 (F.N.).
2. Kumari Aleyamma John, 28-8-74 (F.N.).
3. Kumari Lily K. Abraham, 13-9-74 (A.N.).
4. Kumari Kiran Sachdeva, 13-9-74 (A.N.).

The 7th January 1975

No. 9-35/74-Adm.I.—The Director of Administration and Vigilance in the Directorate General of Health Services is pleased to accept the resignation from service of Kumari Bharathy Namudripad, Clinical Instructor, Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from the afternoon of the 30th November, 1974.

No. 10-16/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Smt. Gayatri Biswas, to the post of Senior Analyst in the Central Food Laboratory, Calcutta with effect from the forenoon of the 9th December 1974, in a temporary capacity and until further orders.

The 10th January 1975

No. 17-93/73-Adm.I.—The Director General of Health Service is pleased to appoint Shri H.K. Dhole to the post of Assistant Architect in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of the 26th September, 1974 in a temporary capacity and until further orders.

S. P. JINDAL, Deputy Director (Admn.).

New Delhi, the 21st December 1974

No. 16-9/72-Admn.I(CGHS I)—Consequent upon appointment of Dr. S. B. Singh as Homoeopathic Physician on regular basis the services of Dr. (Kum) Uma Jain, Homoeopathic Physician appointed on ad-hoc basis under Central Govt. Health Scheme, Delhi, are terminated with effect from the afternoon of the 5th November 1974.

The 24th December 1974

No. 20-80/74-CGHS-I.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. Vikram Singh Junior Medical Officer (ad-hoc), C.G.H.S. Scheme, Delhi relinquished charge of his post on the 17th September, 1974 (A.N.).

K. VENUGOPAL,
Deputy Director, Admn. (C.G.H.S.)

New Delhi, the 23rd December 1974

No. 36-5/73-CHS(I).—Consequent on her transfer Dr (Mrs.) K. L. Aggarwal relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (ad-hoc) under the Central Government Health Scheme, Delhi on the afternoon of 12th August, 1974 and assumed charge in the same capacity in the Willingdon Hospital, New Delhi on the same terms and conditions on the afternoon of 12th August, 1974.

The 6th January 1975

No. 20-23/74-CHS II.—Consequent upon the acceptance of his resignation, Dr. C. Kannan, relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, Central Leprosy Training & Research Institute, Chingleput on the afternoon of the 4th November, 1974.

R. N. TEWARI,
Dy. Director Admn. (CHS).

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION
(HEAD OFFICE)**

Faridabad, the 20th December 1974

No. F.4-5(34)/74-A.I.—On his attaining the age of 58 years, Shri K. Seshadri, Marketing Officer, Group I, Visakhapatnam superannuated from Government Service with effect from 31-10-74. (Afternoon).

No. F.P.C. 4-5(1)/74-A.I.—Shri R. Kannan, Marketing Officer, (Group I), Cochin was appointed to officiate as Deputy Senior Marketing Officer, Group I, on a purely temporary and ad-hoc basis in the Directorate of Marketing and Inspection as Bhopal for the period from 7-10-74 to 31-10-74. He has been reverted as Marketing Officer, Group I, on 1-11-74 (F.N.) and posted at Bhopal until further orders.

The 9th January 1975

No. F.4-5(3)/74-A.I.—On the basis of the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Ram Singh, has been appointed as Marketing Officer, Group I, on officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection, with effect from 1-8-1973 (F. N.), until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO
Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

**(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION
(BRANCH HEAD OFFICE)**

Nagpur, the 9th January 1975

No. F.2/8/74-DN.II.—For the purpose of Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), Ministry of Foreign Trade, Ministry of Commerce, Ministry of Finance (Department of Revenue and Company Law), Ministry of Finance (Department of Revenue), Ministry of Finance (Revenue Division), notifications No. 125, 126, 127 Dt. 15-9-1962, No. 1131, 1132 Dt. 7-8-1965, No. 2907 Dt. 5-3-1971 No. 3601-A, 3601-B, 3601-C Dt. 1-10-1971, No. 3099 Dt. 3-11-1973, No. 1127 Dt. 21-4-1973, No. SRO 3184, Dt. 28-12-1956, No. 83 Dt. 29-7-1961, No. 3752 Dt. 26-12-1955, No. 1157 Dt. 22-6-1963, No. GSR-904 Dt. 27-6-1964 No. 1130 Dt. 7-8-1965, No. 12 Dt. 9-6-1945, No. 1 Camp Dt. 5-1-1946, No. 6 Dated 5-2-1949, No. 64 Dated 17-6-1961, No. 48 dated 24-5-1954, No. 172 dated 29-12-1954, No. 5 dated 14-1-1961, No. 174-CUS dated 26-12-1964, No. 448 dated 14-3-1964, No. 1421 dated 31-8-1963, No. 124 dated 15-9-1962, No. T133, 1134, 1135 dated 7-8-1965, and published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri N.Y.Z. Faruqi, Senior Marketing Officer,

Incharge, Northern Region, New Delhi to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Black Pepper, Chillies, Cardamom, Ginger, Turmeric, Coriander, Fennel Seed, Fenugreek, Celery Seed, Cumin Seed, Curry Powder, Sandalwood Oil, Palmarosa Oil, Lemongrass Oil, Vetiver Oil, Vegetable Oils, Tendu Leaves, Tobacco, Wool, Bristles, Goat Hair, Animal Casings, Table Potatoes, Walnuts, Myrobalans, Onions, Garlics and Pulses, which have been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marking Rules of the respective commodities as amended from time to time and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

No. F.2/8/74-DN.II.—For the purpose of Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), Ministry of Foreign Trade, Ministry of Commerce, Ministry of Finance (Department of Revenue and Company Law), Ministry of Finance (Department of Revenue), Ministry of Finance (Revenue Division), notifications No. 1130 Dt. 7.8.1965, No. 12 Dt. 9.6.1945, No. 1 camp Dt. 5.1.1946 No. 6 Dt. 5.2.1949, No. 448 Dt. 14.3.1964, No. 125, 126, 127 Dt. 15.9.1962, No. 1131, 1132 Dt. 7.8.1965, No. 1133, 1134, 1135 Dt. 7.8.1965, No. 2907 Dt. 5.3.1971, No. 3601-A, 3601-B, 3601-C Dt. 1.10.1971, No. 3099 Dt. 3.11.1973, No. 64 Dt. 17.6.61 and published in Gazette of India, I hereby authorise Shri P. S. Jagannath Babu, Dy. Senior Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Tendu Leaves, Tobacco, Table Potatoes, Black Pepper, Chillies, Cardamom, Turmeric, Ginger, Onions, Garlic, Pulses, Coriander, Fennel Seed, Fenugreek, Celery Seed and Cumin Seed, which have been graded in accordance with the provisions of Grading and Marking Rules of the respective commodities as amended from time to time and formulated under Section 3 of the Agriculture Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

No. F.2/8/74-DN.II.—In partial modification of Notification No. F.2/8/72-DN.II Dt. 30.3.74, No. 3(44)/9/72-D.II, No. 3(TL)/2/65-D.II Dt. 6.4.74, published in the Gazette of India, Part III, Section 1, dated 30.3.74 and 6.4.74, the name of Shri B. S. Bhardwaj, Assistant Marketing Officer, wherever occurring in the said notifications may be treated as cancelled.

No. F.2/8/74-DN.II.—In partial modification of Notification No. 3(TL)/2/65-D.II, No. 3(44)/9/72-D.II, No. F.3(13)52/73-D.II, No. F.3(13)57/72-D.II, No. F.74/15/72-D.I, No. F.5/11/69-D.II, No. F.2/8/70-DN.II published in the Gazette of India, Part III, Section I, dated 21.7.73, the name of Shri L. K. Shukla, Senior Marketing Officer, wherever occurring in the said notifications may be treated as cancelled.

N. K. MURALIDHARA RAO
Agricultural Marketing Adviser.
to the Government of India.

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)**

Bombay-400 085, the 5th December 1974

No. PA/81(88)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Kadava Ramchandra Sharma, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

The 8th December 1974

No. PA/81(98)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Sat Dev Singh Walia, a permanent Scientific Assistant (B) and a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

The 13th December 1974

No. PA/76(4)/74-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, Appoints Shri Dattatraya Laxman Bhave, a permanent Assistant Accountant and a temporary Accountant in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assistant Accounts Officer on an *ad-hoc* basis in the same Research Centre, with effect from the forenoon of October 14, 1974, until further orders.

The 18th December 1974

No. PA/81(99)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Trimbak Krishna Khare, a permanent Tradesman-E and an officiating Tradesman-G in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(62)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Rajendra Prasad Jain, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(90)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Harbhajan Singh Dua, a permanent Scientific Assistant (B) and an officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

The 20th December 1974

No. PA/34(1)/74-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Upendra Nath Mitra, a permanent Assistant Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Security Officer in the same Research Centre, with effect from the forenoon of December 6, 1974, until further orders.

The 22nd December 1974

No. PA/81(50)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Pratap Bashomal Rawlani, a permanent Scientific Assistant (B) and a officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(123)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Mchrab Beg Mirza, a temporary Scientific Assistant (B) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(121)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints, the undermentioned permanent Scientific Assistants (B) and officiating Scientific Assistants (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officers/Engineers-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

Sl. No. and Name

1. Shri Tarun Kumar Sen Gupta.
2. Shri Manatosh Kumar Mitra.

The 27th December 1974

No. PA/81(95)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Kanjibhai Tribhovandas Patel, temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(87)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Nilkanth Shridhar Sathaye, a permanent Tradesman E and officiating Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

The 30th December 1974

No. PA/81(92)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Kum. Nirmala Kishinchand Shamdasani, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade (SB) in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(122)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Sujeer Parameshwarayya, a permanent Assistant Foreman and officiating Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(122)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned temporary Scientific Assistants (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

Sl. No. and Name

1. Shri Ashok Mohanrao Karnad.
2. Shri Manohar Govindray Bhandari.

The 1st January 1975

No. PA/81(120)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned temporary Scientific Assistants (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officers/Engineers-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

Sl. No. and Name

1. Shri Krishan Avtar Sharma.
2. Shri Salil Das Gupta.

No. PA/81(97)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Dattatraya Harishchandra Sutawdekar, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(121)/74-R-IV(PF).—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Debabrata Deb, a temporary Tradesman-C in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

The 2nd January 1975

No. PA/81(100)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Kithanhalli Cheluviyah Keshava Kumar, temporary Scientific Assistant (C) in the Variable Energy Cyclotron Project of the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(123)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Pandharinath Vithal Nikam, a permanent Assistant Foreman and officiating Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/73(5)/73-R-IV.—In continuation of this Office Notification of even number dated July 30, 1974, the Director, Bhabha Atomic Research Centre, has approved the continued officiating appointment in a temporary capacity of Dr. (Smt.) Shashikala Rajnikant Tribhuwan as Resident Medical Officer in this Research Centre from August 17, 1974 to December 31, 1974 or until further orders whichever is earlier.

No. PA/73(5)/73-R-IV.—In continuation of this office Notification of even number dated July 30, 1974, the Director, Bhabha Atomic Research Centre, has approved the continued officiating appointment in a temporary capacity of Dr. Dharmaraj Halligoud Patil as Resident Medical Officer in this Research Centre from September 1, 1974 to forenoon of September 30, 1974.

P. UNNIKRISHNAN,

Dy. Establishment Officer (R)

Bombay 400 085, the 23rd December 1974

Ref. 5/1/74-Estt.V/386.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints Shri Tillamannatil Kunchiram Somasundaram, Stenographer (Sr.) to officiate as Assistant Personnel Officer in temporary capacity in this Research Centre for the period from August 12, 1974 to November 8, 1974.

The 4th January 1975

No. Ref. 5/1/74-Estt. V/63 :—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints the undermentioned officials in this Research Centre to officiate against the following posts for the period from 30-8-1974 to 5-10-1974 as indicated against them:—

Sl. No.	Name & Designation	Post to which appointed	Remarks
1.	Kum. H. B. Vijayakar Admn. Officer I	Admn. Officer II	Vice Shri V.P. Chopra, A.O. II granted leave.
2.	Shri N. Venkatasubramanian Asstt. Personnel Officer	Admn. Officer I	Vice Kum. H.B. Vijayalar ap- pointed to Officiate as A.O. II.
3.	Shri P. S. Mokhasi Stenographer (Sr.)	Asstt. Person- nel Officer	Vice Shri N. Venkatasubra- manian app- ointed to offi- ciate as A.O. I.

The 9th January 1975

No. R/771/Estt.V/104.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri Madhukar Sadashiv Ranadive, Officiating Assistant Personnel Officer in this Research Centre relinquished charge of his post with effect from 31-12-1974 (A.N.).

A. SANTHAKUMARA MENON,
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay 400001, the 7th December 1974

No. DPS/A/11013/4/73/Est.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri V. C. Kuruvilla, a permanent Storekeeper and officiating Stores Officer (Class II) in the scale of pay of Rs. 650—960 (Revised), as Assistant Stores Officer in the same scale of pay in a temporary capacity in the same Directorate with effect from 5-10-1974 until further orders.

No. DPS/A/11013/4/73/Est.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints M. Banerjee, a permanent Storekeeper and officiating Stores Officer (Class II) in the scale of pay of Rs. 650—960 (Revised), as Assistant Stores Officer in the same scale of pay in a temporary capacity in the same Directorate with effect from 5-10-1974 until further orders.

No. DPS/A/11013/4/73/Est.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri V. C. Cherian, a permanent Storekeeper and officiating Stores Officer (Class II) in the scale of pay of Rs. 650—960 (Revised), as Assistant Stores Officer in the same scale of pay in a temporary capacity in the same Directorate with effect from 5-10-1974 until further orders.

K. P. JOSEPH,
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 1st January 1975

No. AMD-2/2048/70-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri V. Ramachandran, a permanent Accountant of the Office of the Controller General of Defence Accounts at present on deputation to the Atomic Minerals Division, as Assistant Accounts Officer in a substantive capacity with effect from the forenoon of March 1, 1973.

The 3rd January 1975

No. AMD/1/6/73-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri Shashi Bindu Vyas as Scientific Officer/Engineer (Mechanical) Grade SB in an Officiating capacity in the Atomic Minerals Division w.e.f. the forenoon of 20th December 1974, until further orders.

S. RANGANATHAN,
Sr. Administrative and Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Bombay, the 31st December 1974

No. TAPS/ADM/735-A.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri M. I. Cherian, a quasi-permanent Personal Assistant in the Tarapur Atomic Power Station as Assistant Personnel Officer in the same Power Station on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of January 1, 1975 to February 28, 1975 or till a regular incumbent is appointed whichever date is earlier.

K. V. SETHUMADHAVAN,
Chief Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500040, the 1st January 1975

Ref. No. NFC/Adm/22/13(2)/2.—The Officer-on-Special Duty, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri J. Suryanarayana Rao, Assistant Accountant, as Assistant Accounts Officer, in an officiating capacity, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for a period from 1st January 1975 to 30th June 1975 or until further orders whichever is earlier.

S. P. MHATRE,
Senior Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 10th December 1974

No. A. 32013/10/73-ES.—The President is pleased to appoint Shri D. P. Bhardwaj Senior Aircraft Inspector, Office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi to officiate as Controller of Aeronautical Inspection, with Headquarters at Calcutta, on regular basis with effect from the 16th November 1974 until further orders.

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 11th December 1974

No. A-32013/8/74-EC.—The President is pleased to appoint Shri N. C. Nath, Assistant Director (Communication) to officiate as Deputy Director (Communication) in the Civil Aviation Department New Delhi (Headquarters) with effect from the 30th November 1974 (F.N.).

The 31st December 1974

No. A.32013/8/74-EC.—The President is pleased to appoint Shri G. Govindaswamy, Controller of Communication Bombay Region, Santacruz Airport, Bombay, on return from leave to officiate as Assistant Director of Communication in the Civil Aviation Department New Delhi (Headquarters) with effect from the 9th December 1974 (forenoon).

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 16th December 1974

No. 16/167/69-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to confirm the following officers in the permanent posts of Assistant Lecturer in Engineering and Surveying from the dates noted against each :

- (1) Shri P. N. Doraiswamy, S.F.R.C., Coimbatore—With effect from 5-11-69.
- (2) Shri R. N. Nandi N.F.R.C., Dehra Dun—With effect from 1-7-70.

P. R. K. BHATNAGAR,
Deputy Registrar,

COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Allahabad, the 7th January 1975

No. 9/1975—Shri Sant Bahadur Singh, officiating Office Superintendent, previously posted in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad and appointed to officiate as Administrative Officer of Central Excise, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, assumed charge as Administrative Officer of Central Excise in the Integrated Divisional Office, Moradabad, on 6-6-1974 (Afternoon) against a post temporarily diverted from Kanpur Collectorate from 6-6-1974 to 31-7-1974, *vide* Ministry's letter F. No. A. 11013/E/182/74-Ad.IV dated 27-11-1974.

H. B. DASS,
Collector

Patna, the 28th November 1974

C. No. II(7)1-ET/70/19499.—In pursuance of this office Estt. Order No. 270/74 dated 12th September 1974 appointing Sri Ghambanda Singh S. G. Inspector of Central Excise and Customs to officiate provisionally and on *Ad-hoc* basis as Superintendent of Central Excise and Customs Class II in the time scale of pay of Rs 650—30—740—35—8'0—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- plus usual allowance as admissible under rules. Sri Ghambanda Singh assumed charge as Superintendent of Customs Raxaul in the forenoon of 11-10-1974.

H. N. SAHU,
Collector

Shillong, the 8th January 1975

No. 1/75.—Shri Nara Nath Bora, an officiating Office Superintendent, Customs and Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Administrative officer (Class II) Customs and Central Excise until further orders. Shri Nara Nath Bora assumed charge as Administrative officer, Customs and Central Excise Dibrugarh on 30-12-74 (F.N.).

H. R. SYIEM,
Collector

Madras-600034, the 14th November 1974

C. No. II/3/47/74-Estt.—Shri P. T. Narayanaswamy, Administrative Officer, Madras Central Excise Collectorate has retired from Service on superannuation with effect from

31-10-74 A.N.

C. CHIDAMBARAM,
Collector,

**DIRECTORATE OF INSPECTION CUSTOMS AND
CENTRAL EXCISE**

New Delhi, the 7th January 1975

No. 1/75.—Shri M. S. Deshpande, lately posted as Superintendent of Central Excise Class II in the Drawback Directorate of the Ministry of Finance, Department of Revenue & Insurance assumed charge as Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Class II in the D.I.C.C.E., New Delhi w.e.f. the 1st January 1975.

The 9th January 1975

No. 2/75.—Shri J. M. Roy, lately posted as C.A.O. in the Calcutta and Orissa Central Excise Collectorate, Calcutta assumed charge as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class II in the East Regional Unit of this Directorate at Calcutta w.e.f. the 18th December 1974.

B. S. CHAWLA,
Director of Inspection

Bombay-400038, the 9th December 1974

CUSTOMS

No. 10.—Shri B. K. Kale, Permanent Appraiser, Bombay Custom House, retired from service with effect from 30-11-1974 (AN).

B. B. GUJRAL,
Collector of Customs

**CENTRAL BUREAU OF NARCOTICS
NARCOTICS DEPARTMENT
OFFICE OF THE NARCOTICS COMMISSIONER**

Gwalior-6, the 21st December 1974

No. 22.—Shri R. V. Kothare, Superintendent of Central Excise, Class II, who was posted as District Opium Officer Mandsaur-I (now transferred to Bombay Central Excise Collectorate), is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 1000/- in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the 1st January 1974.

ABHILASH SHANKER,
Narcotics Commissioner

**MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING**

Bombay, the 1975

Admission to the T. S. "Rajendra and the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta/Bombay for the academic year 1975.

A combined written examination will be held on 22nd and 23rd May, 1975, for admission to the Navigation and Marine Engineering Courses in the abovementioned institutions at the following centres subject to sufficient number of candidates being available at each centre :

EXAMINATION CENTRES

- (1) Ahmedabad
- (2) Bangalore
- (3) Bhopal
- (4) Bombay
- (5) Calcutta
- (6) Chandigarh
- (7) Cuttack
- (8) Delhi

- (9) Ernakulam
- (10) Gauhati
- (11) Hyderabad
- (12) Jaipur
- (13) Lucknow
- (14) Madras
- (15) Nagpur
- (16) Patna
- (17) Port Blair
- (18) Srinagar
- (19) Trivandrum and
- (20) Visakhapatnam.

Subjects for the examination will be (i) English (One paper) 3 hours—100 marks, (ii) Mathematics (One paper) 3 hours—100 marks, (iii) Physics (One paper) 3 hours—100 marks, (iv) Chemistry (One paper) 1½ hours—50 marks, (v) General Knowledge (One paper) 1½ hours—50 marks. On the basis of the result of the Entrance Examination, candidates will be called for a medical examination and an interview before the Selection Board at Calcutta/Bombay. The candidates will have to bear the travelling expenses and to arrange for the boarding and lodging at the centres of the examination and interview.

Fifteen percent of the seats are reserved for candidates belonging to Scheduled Caste and five percent for Scheduled Tribes provided suitable candidates are available.

AGE LIMIT

Candidates must be within the age limit of 16 to 19 years on the 1st September, 1975, i.e., born between the 2nd September 1956 and 1st September 1959. Candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes must be within the age limit of 16 to 20 years on the 1st of September 1975 i.e. born between the 2nd September 1955 and 1st September 1959. Age limits will in no case be relaxed.

QUALIFICATION FOR ADMISSION

Candidates must have passed the Higher Secondary Examination/Pre-University Examination or its equivalent of a recognised Board of Secondary Education or a University in the Science stream with Physics, Chemistry and Mathematics as elective subjects. The candidates who have appeared or intend to appear at the above mentioned qualifying examination are also eligible to apply for admission subject to their producing documentary proof of having passed the examination not later than 10th July, 1975.

APPLICATION

Application forms and other instructions are available free of cost from the Assistant Director General of Shipping (Training) on submitting an application in writing, enclosing a self-addressed envelope 23 cms. by 10 cms. with 25 paise postal stamps and words "Book-Post" superscribed on it. Complete postal address in Capital Letters should be given both in the application and the self-addressed envelope. Cover containing the application for supply of application form should bear the words "Request for Rajendra/DMET Application Form" on the top left corner of the envelope.

PROSPECTUS

Prospectus containing full particulars of the two courses and details of fees, scholarships, etc., is obtainable from Asstt. Director General of Shipping (Training) on payment of Rs. 2/- by Crossed Indian Postal Order payable to the Director General of Shipping, Bombay-1. Separate application should be made for supply of prospectus with complete postal address in capital letters. Cover containing the application for supply of prospectus should bear the words "Request for Prospectus" on the top left hand corner.

CLOSING DATE

Applications in the prescribed form completed in all respects from unmarried male candidates should reach the Assistant Director General of Shipping (Training) on or before the 31st March, 1975. Applications received after the due date will not be considered. Supply of blank application forms by post will be closed on 24th March 1975.

N. K. PRASAD,
Asstt. Director General of Shipping,
for Dy. Director General of Shipping.

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 9th January 1975

No. 27/24/74-Admn.IV.—The Engineer-in-Chief is pleased to appoint Shri S. Shiv Kumar as Assistant Architect in a temporary and officiating capacity in the Central P.W.D. on the pay of Rs. 650/- p.m. in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (plus usual allowances) with effect from 18-12-1974 F.N. on the terms and conditions of service as enumerated in this office letter No. 33/9/73-Admn.IV dated 17th/18th December, 1974.

(Sd.) ILLEGIBLE
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 31st December 1974

No. 5/3/74-ECI.—The President is pleased to appoint the following candidates on the results of Engineering Services Examination, held in 1973 on probation to the Central Engineering Service Class I, in the Central P.W.D. against temporary posts of Assistant Executive Engineers (Civil) with effect from the dates noted against each :—

1. Shri M. K. Goel
formerly Asstt. Engineer
Central Designs Organisation,
CPWD, New Delhi. 20-11-74 (AN).
2. Shri R. D. Aggarwal,
formerly A.S.W.
Office of Works (II) CPWD,
New Delhi. 21-11-74 (F.N.).
3. Shri K. T. Sambandam,
formerly A.S.W.,
Madras Central Circle, PWD,
Madras. 25-11-74 (F.N.).

4. Shri V. K. Sharma,
formerly Asstt. Eng. CPWD,
Central Designs Organisation,
New Delhi. 13-12-74 (F.N.).

P. S. PARWANI,
Dy. Director of Administration.

CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION
(POWER WING)

New Delhi-110022, the 14th October 1974

No. 6/3/74-Adm. II (PW) Vol. II.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints the following Technical Assistant/Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the dates shown against their names, until further orders :—

1. Shri Mohan Lal S. Rajani—13-9-74 (F.N.).
2. Shri H. C. Seth—12-9-74 (F.N.).
3. Shri G. Suryanarayan—16-9-74 (F.N.).
4. Shri V. K. Arora—12-9-74 (F.N.).
5. Shri D. M. Wadhwa—12-9-74 (F.N.).
6. Shri Jagat Prakash—12-9-74 (F.N.).
7. Shri Mukul Banerjee—16-9-74 (F.N.).
8. Shri Jagdish Singh—24-9-74 (F.N.).
9. Shri P. D. Goyal—13-9-74 (F.N.).
10. Shri Sri Kumaran Nayar—24-9-74 (F.N.).

The 26th November 1974

No. 6/3/74-Adm.II(PW)(Vol.II).—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints the following Technical Assistant/Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the dates shown against their names, until further orders :—

1. Shri Bhoj Raj—14-10-1974.
2. Shri D. P. Bhasin—7-10-1974.

M. S. PATHAK,
Under Secy.
for Chairman.

New Delhi-110022, the 17th December 1974

No. 6/3/74-Adm.II(PW)(Vol.II).—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri M. K. Jain, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Class-II) Service with effect from the forenoon of the 31st October, 1974, till further orders.

M. S. PATHAK,
Under Secy.

(WATER WING)

New Delhi-22, the 6th January 1975

No. A-12017/1/72-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-12017/1/72-Adm.V, dated the 3rd Oct., 1974, the Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri T. P. Yegnan to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Mathematics Group) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period from 1-1-75 to 28-2-75 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 7th January 1975

No. A-19012/418/73-Adm.V.—Consequent upon his selection by the Union Public Service Commission, the Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri Hari Chand Gandhi to the post of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group) in the Poona Gauging Division of the Central Gauging Circle, Central Water and Power Commission, Poona, with effect from the forenoon of the 4th December, 1974.

Shri Hari Chand will be on probation for a period of two years with effect from the same date and time viz. 4-12-74. (Forenoon).

No. A-19012/432/73-Adm.V.—Consequent upon the acceptance of his resignation by the Chairman, Central Water and Power Commission Dr. G. L. Dwivedi relinquished charge of the office of Assistant Research Officer (Scientific-Physics Group), Central Water and Power Research Station, Poona, C.W. & P.C. (WW), with effect from the afternoon of the 10th December, 1974.

The 9th January 1975

No. A-19012/523/74-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri G. S. Saini, Professional Assistant to officiate as an Extra Assistant Director (Forestry) in the Central Water and Power Commission on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 25-11-74 (F.N.) until further orders.

Shri G. S. Saini took over charge of the office of Extra Assistant Director (Forestry) in the Central Water and Power Commission (Water Wing) with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON,
Under Secy.
for Chairman, C.W. & P. Commission.

SOUTH EASTERN RAILWAY
(GENERAL MANAGER'S OFFICE)

Calcutta-700042, the 31st December 1974

No. P/G/14/300C.—Shri Ch. V. K. Sreeramamurthy is confirmed as Assistant Controller of Stores (Class II) with effect from 2nd October, 1969 in the Stores Department.

V. RAMANATHAN,
General Manager.

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

GENERAL MANAGER'S OFFICE

(Personnel Branch)

Pandu, the 7th January 1975

1. E/283/III/128 PIII(O).—Shri R. N. Ghosh Dastider, Asstt. Electrical Engineer (Class II) is appointed to officiate in senior scale purely on ad hoc measure as Divisional Electrical Engineer w.e.f. 5-11-74.

2. E/283/III/133 PIV(O).—Shri C. R. Mukherjee, CTCI (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on ad hoc measure as Asstt. Telecomm. Engineer w.e.f. 19-11-74.

3. E/283/III/133 PIV(O).—Shri A. K. Sen, Asstt. Tele-comm. Engineer (Class II) is appointed to officiate in senior scale as Divisional Signal & Telecomm. Engineer w.e.f. 21-11-74.

M. R. REDDY,
General Manager.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Maharaja Sree Jitendra Narayan Club Limited

Calcutta, the 26th December 1974

No. 19591/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of the three months from the date hereof the name of the Maharaja Sree Jitendra Narayana Club Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bhattacharjee Traders Private Limited
Calcutta, the 26th December 1974

No. 21697/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of the three months from the date hereof the name of the Bhattacharjee Traders Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bhai Wadhara Singh & Sons Private Limited

Calcutta, the 26th December 1974

No. 21823/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of the three months from the date hereof the name of the Bhai Wadhara Singh & Sons Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Durga Engineering Works Private Limited

Calcutta, the 26th December 1974

No. 23747/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of the three months from the date hereof the name of the Durga Engineering Works Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Nikunja Printing Works Private Limited

Calcutta, the 26th December 1974

No. 27193/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of the three months from the date hereof the name of the Nikunja Printing Works Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Barasat Tools Factory Private Limited

Calcutta, the 2nd January 1975

No. 27051/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Barasat Tools Factory Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Pioneer Motors of India Private Limited

Calcutta, the 2nd January 1975

No. 24442/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Pioneer Motors of India Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Mithisons Private Limited

Calcutta, the 2nd January 1975

No. 24329/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Mithisons Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Eastern Entrepreneurs Private Limited

Calcutta, the 2nd January 1975

No. 18881/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Eastern Entrepreneurs Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Diamond Power Speciality Private Limited

Calcutta, the 2nd January 1975

No. 26773/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Diamond Power Speciality Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

N. R. SIRCAR,
Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram
West Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. R. S. Sundaram Chit Fund Private Limited

Tamil Nadu, the 1975

No. DN/5694/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. R. S. Sundaram Chit Fund Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN
Assistant Registrar of Companies
Tamil Nadu

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Assam Printers and Publishers Limited

Shillong, the 6th December 1974

No. 210/560/3929.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Assam Printers and Publishers Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. VASHISTHA,
Registrar of Companies,
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura,
Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram
Shillong

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
The Dhubri Loan Office Limited

Shillong, the 6th December 1974

No. 187/560/4401.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the expiration of three months from the date hereof, the name of The Dhubri Loan Office Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. P. VASHISTHA,
Registrar of Companies,
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura,
Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram
Shillong

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Manipur State Bank Limited

Shillong, the 7th January 1975

No. 1110/560/4432.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Manipur State Bank Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. VASHISTHA,
Registrar of Companies,
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura,
Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram
Shillong

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
*In the matter of Companies Act, 1956
and of Tirhut Financing Corporation Private Limited.*

Patna, the 31st December 1974

No. 6(677)73-74/4166.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Tirhut Financing Corporation Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies,
Bihar Patna.

*In the matter of Companies Act, 1956
and of M/s. M. Ambaidas and Sons Traders Private Limited*

Gujarat, the 13th December 1974

No. 1819/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. M. Ambaidas and Sons Traders Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956
and of M/s. Marsden Processors Ltd.*

Gujarat, the 18th December 1974

No. 1110/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Marsden Processors Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956
and of M/s. Super Jyoti Benefit Private Ltd.*

Gujarat, the 21st December 1974

No. 1845/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Super Jyoti Benefit Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA
Registrar of Companies,
Gujarat

*In the matter of Companies Act, 1956
and of Epic Enterprises Private Limited*

Delhi & Haryana, the 19th December 1974

No. 4708/19688.—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies

Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Epic Enterprises Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

C. KAPOOR
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of Alico Laboratories Private Limited*

Hyderabad-1, the 17th December 1974

No. 983/T.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Alico Laboratories Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies,
Andhra Pradesh

*In the matter of Companies Act, 1956
and of M/s. Shree Jagat Priya Saving Fund Private Ltd.*

Bombay, the 4th December 1974

No.13415/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Shree Jagatpriya Saving Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of M/s. Ramesh Chandra Satish Kumar
and Co. Private Limited.*

Bombay, the 4th December 1974

No. 13650/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ramesh Chandra Satish Kumar and Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of M/s. Unique Machinery Co. Pvt. Ltd.*

Bombay, the 4th December 1974

No. 14902/1560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Unique Machinery Co. Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of M/s. Chemical and Refrigeration equipment
Mfg Co. Private Limited.*

Bombay, 4th December 1974

No. 14123/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Chemical and Refrigeration equipment Mfg. Co. Pvt. Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of Chidambaram Textiles Private
Limited*

Madras, the 1974

No. DN, 426/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560() of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hercol the name of Chidambaram Textiles Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Nagummai Cotton Mills Private Limited*

Madras, the 1975

No. DN/6158/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560() of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Nagummai Cotton Mills Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Vishram Electricals and Equipment Company Private
Limited*

Madras, the 1975

No. DN/5978/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560() of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Vishram Electricals and Equipment Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sundra Raja Bus Transports Private Limited
Madras, the 1975*

No. DN/6003/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560() of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sundra Raja Bus Transports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN
Assistant Registrar of Companies
Tamilnadu

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sree Narayana Industrial & Trading Corporation Limited,
Tellicherry*

Ernakulam, the 12th December 1974

No. 1655/Liq/560/18717/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiration of three months from the date hereof the name of Sree Narayana Industrial & Trading Corporation Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Valayil Plantations Limited, Kottayam*

Ernakulam, the 12th December 1974

No. 2351/Liq/560/1879/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiration of three months from the date hereof the name of Valayil Plantations Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. S. ANWAR
Registrar of Companies
Kerala

*In the matter of Companies Act, 1956
And*

In the matter of the Rupee Association Private Limited
Bangalore, the 26th December 1974

No. Liq/1330/74.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that an order for winding up of the above named company was made by the Honourable High Court of Karnataka at Bangalore on 6-9-74 and the Official Liquidator attached to the High Court of Karnataka has been appointed as the Liquidator of the Company.

PROBODH
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore

COLLECTORATE OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

Patna, the 6th January 1975

No. I.T.XIII-2/69.—In partial modification of this office notification no. I.T. XIII-2/69/7291-7429 dated, the 24th April, 1972 and in exercise of the powers conferred under Sub-section (2) of section 124 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Income-tax, Bihar-I, Patna hereby orders that with effect from 8-1-1975 the Income-tax officer, Arrah and Additional Income-tax officer, Arrah shall exercise and hold concurrent jurisdiction in respect of the assessee of I.T. Circle, Arrah.

JAGDISH CHAND
Commissioner of Income-tax,
Bihar-I Patna.

Patna, the 17th December 1974

No. I.T. XIII-3/71.—In partial modification of this office notification of even no. dated the 4th January, 1973 and no. I.T. XIII-4/58-59 dated, the 17th April 1972 and in exercise of the powers conferred under Sub-section (1) Section 124 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961), the Commissioner of Income-tax, Bihar-II, Patna hereby orders that with effect from 23-12-1974 the Income-tax Officer (Survey) Monghyr shall also perform all functions in respect of all persons or classes of person within the Sadar and Jamui Sub-divisions of the revenue district of Monghyr, who have not hitherto been assessed, in respect of all assessments for and upto the assessment year, 1974-75, excluding the Govt. Salary cases.

No. I.T. XIII-3/71.—In partial modification of this office notification of even no. dated the 4th January, 1973 and no. I.T. XIII-12/59-60 dated, the 27th July, 1974 and the 3rd August, 1974 and in exercise of the powers conferred under Sub-Section (1) of Section 124 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961), the Commissioner of Income-tax Bihar-II, Patna hereby orders that with effect from 23-12-1974, the Income-tax officer, (Survey), Muzaffarpur shall also perform all functions in respect of all persons or classes of persons within the revenue districts of Muzaffarpur, Sitamarhi and Vaishali who have not hitherto been assessed in respect of all assessments for and upto the assessment year 1974-75 excluding the Govt. Salary cases assigned to Income-tax Officer, Ward-A, Muzaffarpur.

A. K. DAS GUPTA,
Commissioner of Income-tax,
Bihar-II, Patna

Bombay, the 13th December 1974

No. 1202.—In exercise of the powers conferred by the sub-section (2) of the Section 117 of the Act, 1961 (Act 43 of 1961), I, Shri B. S. Nadkarni, Commissioner of Income-tax, Bombay City-I, Bombay, have appointed the undermentioned Inspectors of Income tax to officiate as Income-tax Officers, Class-II with effect from the date shown against their names and until further orders:—

1. Shri S. M. Gore, Inspector, BSD(W), Bombay—28-11-74 FN.

2. Shri R. R. Gavit, Inspector, Central, Bombay—27-11-74 FN.

3. Shri D. M. Mirchandani, Inspector, Film Circle, Bombay—27-11-74 FN.

4. Shri K. V. Nair, Inspector, ITO (Hqrs) VII, Bombay—28-11-74 FN.

5. Shri M. A. Chougule, Inspector, High Court Section, CIT's Office, Bombay 28-11-74 FN.

6. Shri M. P. Nair, Inspector, C-III Ward, Bombay—5-12-74 FN.

2. They will be on probation for a period of two years in terms of letter F. No. 22/3/64-Ad.V, dated 25-4-64 from the Government of India Ministry of Finance (Dept. of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if necessary, be extended beyond the above period. Their confirmation and/or retention in the post will depend upon successful completion of the probationary period.

3. Their appointments are made on a purely temporary and provisional basis and liable to termination at any time without notice

B. S. NADKARNI,
Commissioner of Income-tax,
Bombay City-I, Bombay.

Bombay, the 20th November, 1974

No. 1159.—It is hereby notified with regret that Shri M. A. Vaswani an Officer of the Indian Income-tax Service, Class-II lately posted as Income-tax Officer (Colln.), A-Ward, Section-I, Bombay expired on 10th November, 1974.

S. N. SASTRI,
Commissioner of Income-tax,
Bombay City-III, Bombay.

New Delhi, the 31st December 1974

INCOME-TAX ESTABLISHMENT

Subject:—Establishment—Gazetted—Income-tax Officers (Class II-Direct Recruits)—Confirmation of.

No. Est.I/CIT(I)/DPG(Class II)/Confirmation/74-75/9972.—Shri Ram Singh is appointed substantively to the permanent post of Income-tax Officer, Class II, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the 19th September, 1973.

The date of confirmation is subject to modification at a later stage if found necessary.

The 1st January 1975

INCOMETAX

No. JUR-DLJ-I/74-75/152/16683.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the I.T. Act 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi I, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created in Delhi I, New Delhi with effect from 30th December 1974.

"PSC VIII New Delhi"

AVTAR SINGH,
Commissioner of Income-tax, Delhi I,
New Delhi.

Bhubneswar, the 24th December 1974

No. Ad.I-1/PCC/74-75.—Upon being relieved from the Indian Revenue Services (Direct Taxes) Staff College Nagpur on 15th November, 1974, Shri P. C. Chhottaray, Income-tax Officer, Class-I (Probationer) posted as Income-tax Officer on Special Duty in the Income-tax Circle, Sambalpur is granted extension of joining time upto 26th November, 1974 AN, under the provision of S.R. 294 and 302(b).

2. Shri P. C. Chhottaray assumed charge of Income-tax Officer on Special Duty on the forenoon of 27th November, 1974.

M. W. A. KHAN,
Commissioner of Income-tax,
Orissa.

FORM ITNS —

(1) Shri Jagir Singh s/o Arjan Singh s/o Dara Singh
r/o Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1518/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 1503 of May, 1974 situated at V. Jalla Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Shri Kapal Dutta Mahey s/o Pt. Daulat Ram Mahey through Shri Jagdish Chander Adda Hoshiarpur, Jullundur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above, so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property].

(4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may also file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1503 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st December 1974
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Kapal Dutt Mahay s/o Pt. Daulat Ram through
Shri Jagdish Chander Adda Hoshiarpur, Jullundur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1519/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 1505 of May, 1974 situated at V. Jalla Singh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagir Singh Birk s/o Arjan Singh Birk, Jullundur.
(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above, so far as it is known to the undersigned, [Person(s)] in occupation of the Property].

(4) No. knowledge of the persons interested in the property. However, any person interested in the property may also file the objections. [Person(s)] whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1505 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st December 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Leader Engg.; Works, Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE AMRITSAR.

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1520/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 1274 of May, 1974 situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in May 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kul Bhushan s/o Nand Lal of NB 270 Dharam Vir, Narinder Dev Jagdish Mitter Avnash Chand, Pushpa Devki wd/o Dr. Nand Lal GA of Joginder Kumar, Nirmala Dutt ss/o Pt. Saran Dass of Raipur Gaho Teh. Dasua.

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above, so far as it is known to the undersigned, [Person(s)] in occupation of the Property]

(4) No knowledge of the persons interested in the property. However, any person interested in the property may also file the objections. [Person(s)] whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1274 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31st December 1974

Seal :

FORM ITNS

(2) Preet Palace Adampur through S. Mohinder Paul Singh in front of Petrol Pump New Jawahar Nagar Jullundur
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR.

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No ASR/JUL/AP-1521/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2297 of May, 1974 situated at Adampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1974, for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harbhajan Singh s/o Partap Singh s/o Ralla Singh r/o Adampur

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2297 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st December 1974

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR.

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1522/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1382 of May, 1974 situated at Basti Sheikh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in May 1974, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shri Karam Chand s/o Wariam Ram s/o Hira Ram, Nai Abadi, Ramdaspara H. No. 191 Jullundur Attorney of Shri Lachhman Singh s/o Raj Ram Singh of Chamba (H.P.) (Transferor)

(2) Smt. Kishani Devi w/o Shri Karam Chand s/o Wariam Ram of Ramdaspur Teh. Jullundur. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. So far as it is known to the undersigned. [Person(s)] in occupation of the Property]

(4) No knowledge of the persons interested in the property. However, any person interested in the property may also file the objections. [Person(s)] whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1382 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st December 1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR.

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1523/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 2017 of May, 1974 situated at Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion or the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harbans Singh s/o Shri Jawala Singh s/o Partap Singh GA Harbans Kaur w/o Harbans Singh, Jullundur.
(Transferor)

- (2) Shri Ravi Raj Singh Gill s/o Balwant Singh b/o Datar Singh V. Garah Teh, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. So far as it is known to the undersigned, [Person(s)] in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of the persons interested in the property. However, any person interested in the property may also file the objections. [Person(s)] whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 760 Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 2017 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st December 1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(D) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1524/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1444 of May, 1974 situated at Gopalpur Urf Bidhipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in May 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretofore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Baljinder Kaur w/o Tara Singh s/o Dara V & P.O. Madopur Teh. Phagwara. (Transferor)
- (2) M/s Monarch Rubber Industries through Shri Madan Gupta 99, Adarsh Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. So far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may also file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1444 of May, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

V. R. SAGR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar

Date : 31st December 1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1525/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1499 of May, 1974 situated at Nangal Salimpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in May 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Surinder Kaur d/o Raghbir Singh s/o Udharam Singh of Fauji Road, Jullundur Cantt.

(Transferee)

(2) Smt. Anant Kaur w/o Shri Sohan Singh Palwinder Kaur d/o Shri Kewal Singh, Kewal Singh s/o Shri Sohan Singh, Rachpat Singh s/o Kewal Singh of V. Reru Teh Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. So far as it is known to the undersigned, [Person(s)] in occupation of the Property]

(4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s)] whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1499 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st December 1974

Seal : 1

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1526/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1890 of May, 1974 situated at Guru Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Charanjit Kaur w/o Shri Umrao Singh of Alawalpur.
(Transferor)
- (2) Shri Baldev Raj s/o Mela Ram s/o Daulat Ram of Dasuya District Hoshiarpur.
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. So far as it is known to the undersigned, [Persons] in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1890 of May, 1974 at the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st December 1974

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME****TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 31st December 1974

Ref No. ASR/JUL/AP-1527/74-75—Whereas I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1774 of May, 1974, situated at V. Ali Khel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in May 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Karam Singh Chela Babu Harnam Singh V Jai Rampur Teh. & District Kapurthala.
(Transferee)

(2) Sarabjit Singh s/o Bhupinder Singh s/o Chana Singh, Harjot Singh s/o Surinder Singh V. Bal Teh. & Districte Jullundur.
(Transferee)

(3) As at S. No. above so far it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the property]

(4) No knowledge of the persons interested in the property. However, any person interested in the property may also file the objections.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in V. Ali Khel as mentioned in the Registered Deed No. 1774 of May, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-12-1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, 31 December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1528/74-75—Whereas I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 1601 of May, 1974, situated at V. Ali Khel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sant Karam Singh chela Baba Harnam Singh V. Jairampur Teh. Kapurthala.

(Transferor)

(2) Paul Kaur w/o Surinder Singh Bhajan Kaur w/o Shri Bhupinder Singh of V. Bal Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above, so far as it is known to the undersigned, [Person(s)] in occupation of the property |

(4) No knowledge of the persons interested in the property. However, any person interested in the property may also file the objections.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1601 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGR
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-12-1974

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1529/74-75—Whereas I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1184 of May, 1974 situated at Nangal Salimpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transfer to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rajinder Kaur d/o Raghbir Singh s/o Udhamp Singh of Fauji Road, Jullundur Cantt.
(Transferor)
- (2) Smt. Anant Kaur w/o Sohan Singh s/o Munshi Singh Palwinder Kaur d/o Shri Kewal Singh s/o Shri Sohan Singh, Kewal Singh s/o Shri Sohan Singh, Rachpal Singh s/o Kewal Singh s/o Shri Sohan Singh of V. Reru Teh. Jullundur.
(Transferee)

- (3) As at S. No. above so far it is known to the undersigned. [person(s) in occupation of the property]
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to the notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every persons who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1184 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-12-1974
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, 31 December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1530/74-75—Whereas J. V. R. Sagar

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1188 of May, 1974, situated at Nangal Salimpur

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur in May 1974

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Rajinder Kaur d/o Raghbir Singh s/o Udhamp Singh Fauji Road, Jullundur Cantt.
(Transferor)

(2) Anant Kaur w/o Shri Sohan Singh s/o Munsha Singh Palwinder Kaur d/o Kewal Singh s/o Shri Sohan Singh s/o Munsha Singh Rachpal Singh s/o Kewal Singh s/o Sohan Singh Kewal Singh s/o Shri Sohan Singh s/o Munsha Singh V. Reru Teh. Jullundur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land is mentioned in the Registered Deed No. 1188 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-12-1974

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar 31 December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1531/74-75—Whereas I V. R. Sagai being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1495 of May, 1974, situated at Nangal Salimpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Surinder Kaur d/o Raghbir Singh s/o Udham Singh r/o Jullundur Cantt Faaji Road.
(Transferor)
- (2) Anant Kaur w/o Sohan Singh, Palvinder Kaur d/o Kewal Singh, Kewal Singh s/o Shri Sohan Singh Rachpal Singh s/o Kewal Singh s/o Shri Sohan Singh r/o Reru.
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1495 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date 31-12-1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar 31 December 1974

Ref. No ASR/Phg/AP-1532/74-75—Whereas I V. R. Sagar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 240 of May, 1974 situated at V. Bhagwanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in May, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mehar Singh s/o Dalip Singh V. & P.O. Ram-pur Sunra Teh. Phagwara.
(Transferor)

- (2) Ajit Singh s/o Beant Singh V. Bern Teh. Phagwara.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned, [Person(s)] in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections, [Person(s)] whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice therefore shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 240 of May, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-12-1974
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGI, AMRITSAR

Amritsar 31 December 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-1533/74-75—Whereas I, V. R. Sagar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I land as mentioned in the Registered Deed No. 751 of May 1974 situated at Railway Road, Nawan Shehar (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nawan Shehar May 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Ramesh Chander for self and GA of Dharambi, s/o Maharaj r/o Nawan Shehar.
(Transferor)

(2) Sohan Singh s/o Kartar Singh r/o V. Urapur Teh. Nawan Shehar
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 751 of May 1974 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-12-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar 31 December 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-1534/74-75—Whereas J. V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 673 of May, 1974 situated at Railway Board, Nawan Shehar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar in May 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Bipin Chander alias Bipin Chander Pal Harish Chander s/o Maharaj s/o Gopi r/o Nawan Shehar.
(Transferor)

- (2) Guirmukh Singh s/o Kartar Singh V. Urapur Teh. Nawan Shehar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]
- (1) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 673 of May, 1974 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-12-1974
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, 31 December 1974

Ref. No. ASR/AP-1535/74-75—Whereas I, V. R. Sagar being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/3 share of Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 1710 of August, 1974 situated at 59 Hukam Singh Road, Amritsar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as between the transferor(s) and the transferee has been truly stated in the said instrument object of—

the reduction or evasion of the tax by the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of the property arising from the transfer; and/or

the concealment of any income or property or other assets which have not which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely.

(1) The New Suraj Transport Co (P) Ltd, o/s Bandali Gate Amritsar through Shri Baldev Krishnan, Chauhan. (Transferor)

(2) Amarjit Kaur w/o Shri Ajit Singh Baldev Kaur w/o Joginder Singh Hukam Singh Road, Amritsar. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/3 share of Kothi No. 59 Hukam Singh Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1710 of August, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-12-1974
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. Asr/AP-1536/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 2976 of December, 1974 situated at H. No. 1285 & 897 in Dhab Khatikan, Amritsar, (and more X-5 X-5 fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in December, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice

under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shubh W/o Kewal Krishan Kapoor, R/O Dhab Khatikan, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Ashok Kumar S/o Sh. Sataya Pal Seth, Katra Charat Singh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of house No. 1285 & 897 situated in Dhab Khatikan, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2976 of December, 1974 of the Registering Officer, Amritsar.

V. R. SAGR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31-12-1974.
Seal:

FORM ITNS

(1) Smt. Shubh W/o Kewal Krishan Kapoor,
R/O Dhab Khatikan, Amritsar.
(Transferor)

(2) Sh. Raman Kumar S/O Sh. Satya Pal
Katra Charat Singh, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above so far as it is known to
the undersigned.
[Person(s) in occupation of the Property].

(4) No knowledge of the person interested in the pro-
perty. However, any person interested in the pro-
perty may file the objections.
[Person(s) whom the undersigned knows to be in-
terested in the property].

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/1537/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961)
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No
Property as mentioned in the Registered Deed
No. 2977 of December, 1974 situated at
H. No. 1285 & 897 in Dhab Khatikan, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Re-
gistering Officer at Amritsar in December, 1974
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the transferor(s) and the
transferee(s) has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of
1961) in respect of any income arising from the
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter
XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been
recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid
property by the issue of this notice under sub-section (1) of
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

If is hereby notified that a date and place for hearing the
objections, if any, made in response to this notice against the
acquisition of the immovable property will be fixed, and notice
thereof shall be given to every person who has made such
objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of house No. 1285 & 897 situated in Dhab
X-5 Khatikan, Amritsar as mentioned in the Registered Deed
No. 2977 of December, 1974 of the Registering Officer.
Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31-12-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st December 1974

Ref No. ASR/AP-1538/74-75.—Whereas I, V. R. Sager, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2978 of December, 1974 situated at H. No. 1285 & 897 in Dhab Khatikan, Amritsar,

(and more fully described in the

Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in December, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shubh W/o Kewal Krishan Kapoor,
R/O Dhab Khatkan, Amritsar.
(Transferor)

(2) Smt. Swaran Lata W/O Sh. Satya Pal Seth,
Katra Charat Singh, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of house No. 1285 & 897 situated in Dhab Khatikan, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2978 of December, 1974 of the Registering Officer, Amritsar.

V. R. SAGER.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.
Amritsar.

Date: 31-12-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1539/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 631 of May, 1974, situated at V. Bajwara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in May 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagdish Ram Jerath S/o Late Chunilal Jerath A-330, Defence Colony, New Delhi-24.
(Transferor)

(2) Shri Ram Lal, Gobind Ram & Sita Ram
s/o Shri Ralla Ram, Mohalla Mori, Bahadurpur Teh. & District Hoshiarpur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) No knowledge of the person interested in the property. However, any interested person in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 631 of May, 1974 of the Registering Authority, Delhi.

V. R. SAGR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 1-1-1975
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 10th January 1975

Ref. No. ASR/AP-1541/73-74.—Whereas I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2340 of May, 1974 situated at Tung Pain. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ved Vyas s/o Anant Ram, Krishan Nagar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Ram Lal s/o Ram Rakha Mal, Sharif Pura, Amritsar, Krishan Lal s/o Munshi Ram, Mewa Mandi, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2340 of May, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-1-1975

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Shri Ved Vyas s/o Anant Ram,
r/o Krishan Nagar, Amritsar.
(Transferor)

(2) Shri Ram Lal s/o Ram Rakha Mal,
r/o Sharif Pura, Amritsar.
Krishan Lal s/o Munshi Ram,
Mewa Mandi, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above so far as it is known to
the undersigned. [Person(s) in occupation of the
Property]

(4) No knowledge of the person interested in the pro-
perty. However, any person interested in the prop-
erty may file the objections. [Person(s) whom
the undersigned knows to be interested in the
property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th January 1975

Ref No. ASR/AP-1542/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2336 of May, 1974 situated at Tung Pain. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in May 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2336 of May, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-1-1975
Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE AMRITSAR**

Amritsar, the 10th January 1975

Ref. No ASR/AP-1543/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1851 of May, 1974 situated at V. Khaper Kheri & Baserki (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Register Officer at Amritsar in May 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Gurbachan Kaur w/o Balwant Singh, V. Khaper Kheri Teh. Amritsar, at present Radha Swami Dera, Beas. (Transferor)
- (2) Jarnail Singh, Surjit Singh, Amarjit Singh ss/o Hardip Singh of Khaper Kheri Teh. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1851 of May, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 10-1-1975
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th January 1975

Ref. No. ASR/AP-1544/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No 1262 of May, 1974 situated at V. Bhail Dhal Wala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Taran Taran in May 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohinder Singh s/o Shri Bhagat Singh, V. Bhail Dhal Wala Teh. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Karan Singh s/o Thakar Singh, Ajit Singh, Atma Singh ss/o Sadhu Singh, Mukhiyar Singh s/o Jhanda Singh, V. Bhail Dhal Wala (Amritsar).

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1262 of May, 1974 if the Registering Authority, Taran Taran.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 10-1-1975
Seal :

FORM ITNS—

2 Shri Des Raj S/o Sh. Lakshmi Dass,
West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
156 SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh, the 8th November 1974

Ref No KNI/28/74-75. Whereas, I G P Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing Plot No. 48 Jarnail Colony situate at Opposite Civil Hospital, Karnal, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in May, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Manohar Lal Gambhir, Advocate, Karnal, District Courts, Karnal.

21-444GI/74

(2) Shri Krishan Dev S/o Sh. Salig Ram Residence at H. No. 1033 Wadi No. 6, near Distillery, Sadar Bazar, Karnal.
Office address: Binay Emporium, G.T. Road, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 48, Jarnail Colony, Opposite Civil Hospital, on Hospital Road Karnal.

(Plot No. 48 bounded by the Hospital Road towards North having Hospital on the other side of the road. Plot No. 46 of Shri R. S. Sethi With newly constructed shops towards West, on its back towards South is Plot No. 50 of Shri B. S. Bhatia and house of Shri K. D. Sharma at Plot No. 51, Plot No. 52 of Shri M. L. Gambhir is towards East)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 8-11-1974
Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Rachhpal Kaur D/o Sh. Bhagwant Singh,
485, Ajit Nagar, Patiala.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 8th November 1974

No. CHD/107/74-75.—Whereas, I G P. Singh,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. S.C.F. No. 18 Sector 26 situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Shri Basant Singh S/o Sh. Boota Singh of village and post office Jandiala Tehsil Garhshankar, Distt Hoshiarpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.F. No. 18, Sector 26, Grain Market, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 8-11-1974
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Amrit Pal Aggarwal S/o Shri Kundan Lal
C/o, 33-F, Kamla Nagar, New Delhi-7.
(Transferor)

(2) Shri Surinder Nath Sood,
S/o Shri Kanwar Lal Sood,
R/o 94 Sector 21-A, Chandigarh
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
156 SIC FOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh the 11th November 1974

No. C HD/113/74-75--Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No 3061 Sector 21-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in May, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3061 Sector 21-D, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 11-11-1974
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 15th November 1974

No. CHD/125/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 53, Sector 21-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration (hereinafter by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the Acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shanti Sarup Abbu, s/o Shri Puran Chand Abbu, 53, Sector 21-A, Chandigarh.
(Transferor)

- (2) 1. Shri Kundan Singh, s/o Shri Battan Singh,
2. Shri Gurnam Singh, Shri Gurmail Singh ss/o
Shri Kundan Singh, Residents of Village Pidhi
Jagir, District Jullundur.

(Transferee)

- (a) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property].

- (4) Any person interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 53, Sector 21-A, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 15-11-1974.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 156,
SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 15th November 1974

No. LDH/C/188/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Vidya Vati Alias Vidya B. Pritam Singh Wd/o Brig. Pritam Singh R/o Delhi. (2) Smt. Chand, D/o Bakhshi Pritam Singh, W/o S. Ujjal Singh, R/o, New Delhi (3) Smt. Manjit Kaur, Alias Manjit Sodhi, D/o Bakhshi Pritam Singh, W/o Col. G. S. Sodhi, Administrative Officer, Ambala Cantt. through Maj Avtar Singh, Mukhti-at-am.

(Transferor)

(2) Shri Nachhtar Singh, Shri Surjit Singh and Shri Daljit Singh sons of Shri Jagir Singh S/o Shri Hazara Singh, R/o, Fatehpur Awana, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

[Person(s) in occupation of the property]
[Person(s) whom the undersigned now to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, measuring 3 bighas 16 biswas, Khewat No. 346, Khatauni No. 358, Khasra No. 285, situated at Village Barewal Awana, Tehsil and District Ludhiana.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 15-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhag Singh, s/o Shri Hari Singh, Kara Bara, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE CHANDIGARH

Chandigarh, the 15th November 1974

No LDH/C/355/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I and, situated at Taraf Kara Bara, Teh Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) New India Colonisers, 55-Bhadaw House, Ludhiana, through Shri Bal Krishan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 8 kanals, Khewat No 1164/1265, Killa Nos. 13 242, 13 171, situated at Taraf Kara Bara, Tehsil and District Ludhiana

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range, Chandigarh

Date, 15-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Saranji Singh, and Shri Amarjit Singh sons of
Shri Hira Singh Residents of Habowal Kalan, Tehsil
& District Ludhiana

(Transferor)

(2) Smt. Iajwanti w/o Shri Daulat Ram, son of Shri
Jiwan Dass Resident of Tagore Nagar, Ludhiana
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 156
SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh the 24th December 1974

No. LDH/C/446/74/75.—Whereas, I, G. P. Singh, Commissioner of Income tax, Acquisition Range 156, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Village Habowal Kalan Tehsil & Distt. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby further notified that every person to whom the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals situated in Village Habowal Kalan Tehsil and District Ludhiana
Khata No. 547/599
Lahra No. 36/19 Min. Jamabandi 1971-72,
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1601
of Jun. 1974 of the Registering Authority, Ludhiana)

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range Chandigarh

Date 24.12.1974

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Surinder Kumari, w/o Shri Krishan Lal, s/o Shri Daulat Ram, Resident of Tagore Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,

156, SECTOR 9-B,

CHANDIGARH.

Chandigarh, the 24th December 1974

No. LDH/C/447/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Village Habowal Kalan, Teh. & Distt. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Saranjit Singh and Shri Amarjit Singh sons of Shri Hira Singh, Residents of Habowal Kalan, Tehsil & District Ludhiana.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof, shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanal 8 marlas situated at Habowal Kalan, Tehsil and District Ludhiana.

Khata No. 457/599,

Khasra No. 36/16-Min., Jamabandi 1971-72.

(Property mentioned in the Registered Deed No. 1602 of June 1974 of the Registering Authority, Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 24-12-1974

Seal :

FORM ITNS-- --

(2) Shri Sunder Lal s/o Shri Daulat Ram Resident of
Lahore Nagar, Ludhiana
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE
156 SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh the 24th December 1974

No LDH/C/448/74-75—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Village Habowal Kalan, Tehsil & District Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Saranjit Singh and Shri Amarjit Singh sons of Shri Hira Singh, Resident of Habowal Kalan, Tehsil & District Ludhiana

(Transferor)

22—444GT/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanal situated at Village Habowal Kalan Tehsil and District Ludhiana
Khata No. 547/599.
Khusra No. 36/17-Min Jamabandi 1971-72.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1603 of June 1974 of the Registering Authority Ludhiana)

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date 24-12-1974

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH.

Chandigarh, the 24th December 1974

No. LDH/C/499/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Land, situated at Village Habowal Kalan, Tehsil & District Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Saranjit Singh and Shri Amarjit Singh sons of Shri Hira Singh, Resident of Habowal Kalan, Tehsil & District Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Lajwanti, w/o Shri Daulat Ram, son of Shri Jiwan Dass, Resident of Tagore Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanal situated at Village Habowal Kalan, Tehsil and District Ludhiana.
Khata No. 547/599,
Khasra No. 36/17-Min (1-3) 18/1-Min (1—12) 19—Min (1—5) Jamabandi 1971—72.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1604 of June 1974 of the Registering Authority, Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 24-12-1974
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Granu Ram and Shri Teju Ram, sons of Shri Jot Ram Jat, Village and Post Office Satrod Khas, Tehsil & District Hissar.
(Transferor)

(2) The Principal Officer, M/s Janak Steel Tubes Private Limited, Delhi Road, Hissar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTIONS 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE.

156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 27th December 1974

No HSR 25/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land, situated at Village Satrod Khas, Sch. & District Hissar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in May, 1974

Hissar in May, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereon shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 1/3rd share out of 48 kanals 9 marlas comprising in Khasia Nos 167/10 11, 12, 13, 18/2, 19, 22, 23/1 area transferred amounting to 16 kanals 3 marlas, situated at Village Satrod Khas, Tehsil & District Hissar.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 319 of May 1974 of the Registering Authority, Hissar).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 27-12-1974

Seal :

FORM ITNS

(2) The Principal Officer, M/s Janak Steel Tubes Private Limited, Delhi Road, Hissar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
156 SECTOR 9-B, CHANDIGARH.

Chandigarh, the 27th December 1974

No HSR/36/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land, situated at Village Satrod Khas, Teh. & District Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in May 1974, Hissar in May, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely

(1) Shri Gran Ram, and Shri Jeju Ram, sons of Shri Jot Ram Jat, Village and Post Office Satrod Khas, Tehsil & District Hissar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 1/3rd share out of 48 kanals 9 marlas comprising in Khasia Nos. 167/10, 11, 12, 13, 18/2, 19, 22, 23/1 area amounting to 16 kanals 3 marlas, situated at Village Satrod Khas, Tehsil & District Hissar.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 320 of May 1974 of the Registering Authority, Hissar).

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Chandigarh

Date, 27-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gian Ram and Shri Teju Ram, sons of Shri Jot Ram Jat, Village and Post Office Satrod Khas, Tehsil and District Hissar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH

Chandigarh, the 27th December 1974

No. HSR/37/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land, situated at Village Satrod Khas, Tehsil and District Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in May, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) The Principal Officer, M/s Janak Steel Tubes Private Limited, Delhi Road Hissar

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 1/3rd share out of 48 kanals 9 marlas comprising in Khasia No. 167/10, 11, 12, 13, 18/2, 19, 22, 23/1 area transferred amounting to 16 kanals 3 marlas, situated at Village Satrod Khas, Tehsil & District Hissar.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 321 of May 1974 of the Registering Authority, Hissar).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date 27-12-1974

Seal :

FORM ITNS

(2) The Principal Officer, M/s Janak Steel Tubes Private Limited Delhi Road, Hissar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE CHANDIGARH

Chandigarh the 27th December 1974

No HSR/38/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Satrod Khas, Tehsil & District Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in May, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri Jot Ram, s/o Shri Matu Jat, Village & Post Office Satrod Khas, Tehsil and District Hissar.
(Transferor)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 kanals 11 marlas bearing Killa Nos. 167/20, 21 situated at Village Satrod Khas, Tehsil and District Hissar.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 323 of May 1974 of the Registering Authority, Hissar).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date. 27-12-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 30th December 1974

Ref. No. LDH/450/74-75.—Whereas, I G P Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.00/- and bearing No. Land situated at Village Habowal Kalan, Tehsil and District Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in May and September, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Saranjit Singh,
 - (ii) Shri Amarjit Singh, sons of Shri Hira Singh, Residents of Village Habowal Kalan, Tehsil & District Ludhiana.
- (Transferor)

- (2) (i) Smt Surinder Kumari w/o Krishan Kumar Resident of Tagore Nagar Ludhiana.
- (ii) Smt. Lijwantri w/o Daulat Ram, Resident of Chawani Mohalla Ludhiana.
- (iii) Pvare Lal s/o Jiwan Dass Resident of Chawani Mohalla Ludhiana.
- (iv) Daulat Ram s/o Jiwan Dass Resident of Arva School Road, Ludhiana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 23 kanal 5 marlas situated in Village Habowal Kalan, Tehsil and District Ludhiana.
Registered Deed No. 576/May-1974. Khata No. 548/600, Khasra No. 36/18/2.
Registered Deed No. 580, May-1974. Khata No. 547/599, Khasra No. 36/18/1.
Registered Deed No. 4365/Sept. 74. Khata No. 547/599, Khasra No. 36/12/6-Min.
Registered Deed No. 4366/Sept 74. Khata No. 547/599, Khasra No. 36/12/6-Min.
Registered Deed No. 4369/Sept 74. Khata No. 547/599, Khasra No. 36/12/6-Min.
Registered Deed No. 4369/Sept 74. Khata No. 547/599, Khasra No. 36/19-Min.
Registered Deed No. 4370 and 4371/September, 1974, Khata No. 547/599, Khasra No.

35

20 Min (5-17) 11/2 (5-8)
and Khata No. 547/599, Khasra No.

35

20 Min (5-17) 20/2 Min (2-7)
as per Jamabandi 1971-72

(Property as mentioned in the Registered Deed Nos. 576 and 580 of May 1974 and Nos. 4365, 4366, 4370 and 4371 of September, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana)

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 30-12-1974
Seal :

FORM INTS—

(2) M/s. Oswal Woollen Mill, Ltd,
Ludhiana.
through Shri Vaidya Sagai Oswal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
OF INCOME-TAX

Chandigarh, the 24th December 1974

Ref. No. LDH/R/37/74-75/—Whereas I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Village Giaspura, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagjiwan Singh s/o Shri Walaiti Singh,
Resident of Jaspal Bangar,
Tehsil Ludhiana

(Transferor)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 24 kanal situated at Giaspura, Ludhiana (Property as mentioned in the Registered Deed No. 1846 of June, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana) Khasra No. 47, Khata No. 195/221, Jamabandi 1968-69.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Chandigarh

Date : 24-12-1974

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 30th December 1974

Ref. No. DBS/18/74-75/—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Village Kishanpura, District Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dera Bassi in June, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Devinder Chander Chopra,
s/o Shri Bhagirath Chand,
Resident of Village Kishanpura,
District Patiala.
(Transferor)
- (2) Shri Harmohinder Singh s/o Shri Kartar Singh,
Resident of Koti No. 2, Friends Colony,
Tailor Road, Amritsar.
(Transferee)

23—444GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 38 bigha 15 biswa situated at Village Kishanpura, District Patiala.

Khasra No.	973	975	976	977	978	979	980	984
	4-0	4-0	4-0	4-12	2-3	4-0	4-0	4-0
986, 987								
	4-0	4-0						

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 489 of June 1974 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

Land measuring 38 bigha 15 biswa alongwith buildings, poultry farm sheds, cattle sheds etc.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 30-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 30th December 1974

Ref. No. DBS/19/74-75/—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Village Kishanpura, District Patiala, (and more fully described In the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in June, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Udey Chopra s/o Shri D. C. Chopra, Resident of Village Kishanpura, District Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Harmohinder Singh s/o Shri Kartar Singh, Koti No. 2, Friends Colony, Tailor Road, Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 44 bighas 1 biswa situated in Village Kishanpura, District Patiala.

Khasra Nos. 967, 968, 969, 970, 971, 972, 974,	4-0	4-0	4-0	4-0	0-7	3-14	3-14
985, 988, 989, 990, 991.	4-0	4-0	4-0	4-0	4-0		

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 490 of June, 1974 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

G. P. SINGH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 30-12-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandiagh, the 15th November 1974

Ref. No. LDH/C/284/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 313/B-XIX-S-4, Dr. Sham Singh Road, situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under

sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Prem Nath Sud s/o Shri Jagan Nath, s/o Shri Nathoo Ram, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana. (Transferor)

(2) Shri Amir Singh s/o Shri Sadhu Singh, s/o Shri Karam Singh, Resident of Village Mandiala, Tehsil Samrala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 501 sq. yds. out of property No. 313/B-XIX-S-4, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2133 of May, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 15.11.1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 26th November 1974

Ref. No. LDH/C/266/74-75—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent

Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot, Asha Puri Colony, situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s. Dhir & Co. Colonizers Private Ltd., Regd. Office, 57-Bhadaur House, Ludhiana, through Shri Ram Chand Dhir, s/o Shri Shadi Ram, Resident of Jodhowal-Managing Director. (Transferor)

(2) Shri Prem Nath Sood s/o Shri Jagan Nath Sood, s/o Nathoo Ram Sood, Resident of B-19-313, Dr. Sham Singh Road, Civil Lines, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a such objection, and the transferee of the property.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1600 sq. yds. out of land comprising Khata No. 341/353, 342/354, Khasra Nos. 910, 911 and 900, situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, Asha Puri Colony.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 26-11-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Dhir and Co. Colonizers Private Ltd.,
57, Bhadaur House, Ludhiana,
through Shri Ram Chand Dhir.

(Transferor)

(2) Shri Prem Nath Sood s/o Shri Jagan Nath Sood,
B-19-313, Dr Sham Singh Road,
Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 26th November 1974

Ref. No. LDH/C/369/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot in Ashapuri Colony situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 260D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1220½ sq. yds. out of land comprising Khata No. 341/353 342/354, Khasia Nos. 910, 911 and 900, situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, Asha Puri Colony.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh

Date : 26-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 26th November 1974

Ref. No. LDH/C/415/74-75.—Whereas, J. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot in Ashapuri Colony situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s. Dhir & Co. Colonizers Private Ltd.,
57, Bhadaur House, Ludhiana,
through Shri Ram Chand Dhir.

(Transferee)

(2) Shri Prem Nath Sood s/o Shri Jagan Nath Sood,
B-19-313, Dr. Sham Singh Road,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 629½ sq. yds, out of land comprising Khata No. 341/353, 342/354, Khasra Nos. 910, 911 and 900, situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, Asha Puri Colony.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 26-11-1974

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 30th November 1974

Ref. No. KNL/33/74-75/—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Village Kalsora, Tehsil Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in May 1974, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) (i) Shri Gian Singh s/o Smt. Lachhmi, d/o Smt. Nanhi,

(ii) Shri Gurdial Singh,

(iii) Shri Amar Singh,
sons of Smt. Krishni, d/o Smt. Nanhi,
Village Sarwan Majra, Tehsil Karnal.

(Transferor)

(2) (i) Shri Kalyan Singh,

(ii) Shri Birkha Ram,
sons of Malha, s/o Mam Raj,

(iii) Shri Sarwana s/o Surta s/o Jai Ram,

(iv) Shri Bichha s/o Sadhu Ram s/o Harnam,

(v) Shri Ratia,

(vi) Shri Khajana,

(vii) Shri Ranjit,
sons of Hardhian s/o Harnam.
Village Kalsora, Tehsil Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have at right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 127 karnal 12 marlas, situated at Village Kalsora, Tehsil Karnal.

Khatauni No. 414, Khevat No. 359-Aayat No. 101, Khasras No. 21/1, 6.4, Aayat No. 102-Khasras Nos. 24/2/4.0, 25/8.0.

Aayat No. 108, Khasra No. 6/6.14, 15/2/4.4, 20/2/3.11, 25/2/3.11.

Aayat No. 109, Khasra Nos. 11/7.12, 19/8.0, 20/1/4.0, 20/2/2.0, 21/8.0, 22/3.17.

Aayat No. 124, Khasra Nos. 1/8.0, 2/4.4.

Aayat No. 125, Khasra Nos. 5/8.0.

Khatauni No. 416, Aayat No. 108, Khasra No. 5/9.0.

Khatauni No. 417, Aayat No. 108, Khasra Nos. 9/2/2.0, 10/6.0, 11/8.0, 12/8.0, 20/1/6.0 Jamabandi 64-65. (Property as mentioned in the Registered Deed No 969 of May, 1974 of the Registering Authority, Karnal).

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner,
of Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 30-11-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th November 1974

Ref. No. KNL/38/74-75/—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, situated at Village Garhi Bir Bal, Tehsil Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in May, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Puran,
 (ii) Shri Jai Singh,
 (iii) Shri Ram Kumar,
 Sons of Shri Nathu Ram, s/o Shri Mansa Ram,
 Residents of Village Khanpur.
 (Transferor)
- (2) (i) Shri Prem Singh,
 (ii) Shri Gurnam Singh,
 (iii) Shri Gurmit Singh,
 Sons of Ram Singh, S/o Banu Ram,
 (iv) Shri Balwant Singh
 (v) Shri Karamvir Singh,
 (vi) Shri Dharamvir Singh,
 Sons of Ajmer Singh S/o Harikishan,

- (vii) Yashpal, alias Iqbal,
- (viii) Jaswant,
- (ix) Jai Chand,
- (x) Raj Pal,
 Sons of Ram Rattan S/o Budh Ram.
- (xi) Amin Lal.
- (xii) Mai Singh.
- (xiii) Chamail Singh
 Son of Lehna Singh S/o Data Ram
 Residents of Gertu Birbal, Tehsil Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 118 Kanal 7 marlas situated at Village Garhi Bir Bal, Tehsil Karnal.

Khevat No. 66 Khasras Nos. 56/17/10 65

	0·2	9,10,11,12,17
14/1, 16, 18, 19	65	0·8, 1·15, 7·18, 7·2, 8·0
3·8, 8·0, 8·0, 7·10	20	22
	2·6	23
	1·0	24/1
66	89	5·8
6	14	22
1·18 4·12	15	23
	2·0	1·11
90	16	0·6
	21	
25.1/3·9	22	
	2·18	
	2·14	
	2·11	
	96	
		1/8·0, 2/4·8

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1125 of May, 1974 of the Registering Authority, Karnal).

G. P. SINGH

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Chandigarh

Date : 30-11-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 30th November 1974

Ref. No. KNL/39/74-75.—
 Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Village Jundla, Tehsil Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in May, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shri Joginder Singh S/o Shri Baisabha Singh,
Village & Post Office Jundla Tehsil Karnal.
(Transferee)

- (2) 1. Shri Devinder Singh,
2. Shri Satinder Singh,
3. Shri Balvinder Singh,
4. Shri Joginder Singh
5. Shri Jaspal Singh.
Sons of Shri Kartar Singh,
Residents of Village Baldi, Tehsil Karnal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, Measuring 295 kanal 13 marlas, in Village Jundla, Tehsil Karnal

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1119 of May, 1974 of the Registering Officer, Karnal.)

Khatuni No. 599 & 1323 Khevat No. 383—Ayat No. 69—Khevat No. 890, Khasra No. 19/7.11, 20/7.4, 18/7.11, 21/7.12, 22/8.0, 24/8.0—Ayat No. 70—Killa No. 16/7.11, 17/7.11, 18/8.0, 19/1/8.2, 21/2/7.12, 22/3.14, 23/7.14, 24/8.0, 25/8.0. Ayat No. 92—Killa No. 23/8.0, 6/8.0 15/8.0, 16/8.0. Ayat No. 93—1/9.1, 2/4.16, 5/7.11, 6/8.0, 9/5.14, 10/8.18, 11/8.8, 12/6.4, 19/6.14, 20/7.18—Ayat No. 94 Killa No. 1/7.12, 2/8.0, 3/8.0 4/8.0, 7/8.0, 8/8.0 9/8.0, 10/7.12, 12/2/1.12, 13/6.7, 14/7.17, 15/1/3.0 Jamabandi 69-70.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 30-11-1974
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri D. K. Mahajan,
H. No. 51, Sector 4, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh the 30th November 1974

Ref. No. CHD/105/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 51 Sector 4, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) Avtar Singh Atwal,
Vice-Chancellor, Kashmir University, Srinagar
(disgraceful Adviser Agriculture, J & K Govt.
Room No. 109, New Secretariat, Srinagar,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 51, Sector 4, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 30-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 17th December 1974

Ref. No. CHD/118/74-75.—

Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land, situated at Mani Majra, Union Territory, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh, in May., 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Bachan Singh, s/o Shri Arjan Singh, R/o Village Mani Majra, Union Territory, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) The Mani Majra Motors Traders Union, Mani Majra, through President Shri Rajinder Singh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 kanal 14 marlas situated at Mani Majra, Union Territory, Chandigarh. Land is situated at Naisal Road near crossing of road to Chandigarh Railway Station and Madhya Marg, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 188 of the Registered Authority, Chandigarh for the month of May, 1974.)

Khewat No. 429 Khatauni No. 532, Khasra No. 89/15 (7-2), 89/16 (7-13), 90/11/2 (3-2), 90/20 (7-11), Total 25 kanal 8 marlas and 1/2 share of the same 12 kanal 14 marlas

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 17-12-1974
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 17th December 1974

Ref No. CHD/125-A/74-75.
 Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land, situated at Mani Majra, Union Territory, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office of the registering officer at Chandigarh in May, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Gurmu^k Singh,
2. Shri Sukhdev Singh,
R/o Mani Majra, Union Territory, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) The Mani Majra Motors Traders Union,
Mani Majra, Union Territory, Chandigarh, through
President Shri Rajinder Singh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 kanal 14 marlas situated at Mani Majra, Union Territory, Chandigarh. Land is situated at Naisal Road near crossing of road to Chandigarh Railway Station and Madhya Marg, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 144 of the Registering Authority, Chandigarh for the month of May, 1974.)

Khewat No. 429, Khatauni No. 532, Khasra No. 89/15 (7-2), 89/16 (7-13), 90/11/2 (3-2), 90/20 (7-11), Total 25 kanal 8 marlas and 1/2 share of the same 12 kanal 14 marlas.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 17-12-1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 17th December 1974

Ref. No. CHD/99/74-75.—
Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Agricultural land, situated at Village Dhannas, Union Territory, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hazura Singh, s/o Shri Kabul, R/o Village Dhannas, Union Territory, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Romesh Chander Kalia s/o Shri Daulat Ram Kalia, R/o 3103, Sector 27-D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, measuring 9 kanal 18 marlas, situated in Village Dhannas, Union Territory, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 123 of May, 1974 of the Registering Authority, Chandigarh.)

Khewat No. 53, Khatauni No. 85, Khasra No. 9/13/3/2,
3-13
14/1, total area 6 kanal 7 marlas 1/2 share of the same
2-14,
3 kanal 4 marla.
Khasra No. 9/30, Khewat No. 4, Khatauni No. 167,
2,
Khewat No. 103, Khatauni No. 166, Khasra No. 2/29,
2-3
and
Khewat No. 136, Khatauni No. 213, Khasra No. 9/3/2/2
0-15

Khewat No. 138, Khatauni No. 215 and Khasra No. 9/9/1/1 and 9/27 total 3 kanal 13 marlas 1/2 share of
2-11
1-2
the same 1 kanal 16 marlas. Total 9 kanal 18 marlas.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 17-12-1974
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 17th December 1974

Ref No. CHD/100/74-75.—
Whereas I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land, situated at Village Dhannas, Union Territory, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Chandigarh in May, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent of such apparent consideration and that the consent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Hazura Singh,

2. Shri Ajaib Singh

3. Shri Nasib Singh,
s/o Shri Kabul
R/o Village Dhannas,
Union Territory, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Romesh Chander Kalia s/o Shri Daulat Ram Kalia, 3103, Sector 27-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, measuring 13 kanal 4 marlas, situated in Village Dhannas, Union Territory, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 124 of May, 1974 of the Registering Authority, Chandigarh)

Khewat No. 60, Khatauni No. 93, Khasra No. 9/3/2, 9/7, 8, (1-10), (1-16), (8-0), Khewat No. 107, Khatauni No. 171, Khasra No. 9/28, Total area 13 kanal 4 marlas.

1/18

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 17-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 17th December 1974

Ref. No. CHD/136/74-75.—
 Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,
 Being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1017, Sector 27-B, built on plot No. 2-F, Sector 27-B, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Chandigarh in June, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bhagwati, c/o M/s Baldev Bros; Cloth Merchants, Chaura Bazar, Ludhiana. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Shakti Rani,
2. Smt. Jai Shree Sharma,
R/o 229, Sector 9-C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the foreshaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1017, Sector 27-B, built on Plot No. 3-F, Sector 27-B, Chandigarh. (Area 2083.33 sq. yds.)

G. P. SINGH,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner
 of Income-tax, Acquisition Range,
 Chandigarh.

Date : 17-12-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE.

156 SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 17th December 1974

Ref. No. UMB/18/74-75.—

Whereas, J G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Village Dhulkot, behind Forest Office, Ambala,

lore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in June, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Rajinder Singh,
2. Shri Surinder Singh,

3. Shri Varinder Singh,

4. Shri Satinder Singh,
S/o Shri Gurdial Singh,
C/o Shri Varinder Singh, Sarpanch,
Chamkaur Sahib, District Ropar.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ram Lubhaya, S/o Shri Diwan Chand, 91-Manauli House, Model Town, Ambala City.
2. Shri Sewa Ram Thaper, S/o Shri Ganga Ram, Anaj Mandi, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 kanal 17 marlas situated in village Dhulkot, behind Forest Office, Ambala.

Khasra No	Area
24	2 kanal 02 marlas.
46	2 kanal 05 marlas.
47	1 kanal 02 marlas.
25	32
35	1 kanal 06 marlas.
38	3 kanal 02 marlas.
	9 kanal 17 marlas.
Khata No. 93 & 252	
	111 291

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1044 of June, 1974 of the Registering Officer, Ambala.)

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 17-12-1974

Scal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1974

Ref No. RAC No. 32/74-75.—Whereas, I S. Balasubramanian being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 6-3-1110, situated at Begumpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 1-5-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sreelatha Bhupal,
R/o 6-3-1100/B Somajiguda Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Sri Bharat Ram Bhupal, Begumpet, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Western portion of house bearing Municipal No. 6-3-1110 situated at Begumpet, Hyderabad consisting of main house, out-houses and the land appurtenance thereto area of which is as follows :

Total area of land including built up area 2433.129 Sq. Meters. Build up area 568.405 sq. Meters.

Boundaries

North : Challapalli house.

South : Raj Bhavan Main Road.

East : Houses belonging to Kumar Somanadri Bhupal and Kumar Keshav Bhupal.

West : Raj Bhavan Begumpet, Main Road.

S. BALASUBRAMANIAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 28-11-1974

Seal :

FORM ITNS

- (2) Shri V. Sudeешan S/o V. Venkaiah,
Timber Merchant Shah Gunj, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 19th December 1974

Ref. No. RAC No. 64/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 16-2-145/5/3 situated at New Malakpet Hyderabad Parshu Ram Nagar, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Azampura on 3-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Potharaju Rukmani W/o Potharaju Krishnarao,
R/o Washington, U.S.A., per her G.F.A. Holder
Shri G. S. Dwarkeshwara Rao
S/o Satya Harishchandra Rao Advocate,
4-8-700, Gowliguda, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and appurtenant land bearing Municipal No. 16-2-145/5/3, (Plot No. 12, admeasuring 440 sq yds. situated at New Malakpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 19-12-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 19th December 1974

Ref No. RAC No. 65/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. C situated at Eden Garden, Ramkote, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 25-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Vijaya Kapadia W/o Kirti Kumar Kapadia, Kutchi Jain, 'Kapadia Nivas'.
Somajiguda, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Smt. Shanta Bai Agarwal W/o Ramlalji Agarwal, Old Peelkhana, Osmangunj, 15-1-52/1 Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece & parcel of land admeasuring about 1051 sq. yds. equivalent to 879 sq. meters complete with fences and all the hutments standing thereon which is plot No. C in the sanctioned plan of the Municipal Corporation of Hyderabad together with all right, privileges, easements, etc., formerly formed part of the Eden Garden Estate bearing Municipal Nos. 3-5-121 & 142, situated in the locality of Eden Gardens, Ramkote, Sultanbazar, Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 19-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 21st December 1974

Ref. No. RAC No. 66/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 167448/42/C4 situated Ramamurthy Nagar, Nellore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Nellore on 27-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri Annam Anjanyulu Reddy, 2. Annam Pavankumar Reddy, 3. Annam Sreevesulureddy, all Ss/o Late Sri Sundara Kamireddy Ramamurthy Nagar, Nellore.

(Transferor)

(2) Dr. Pellakuru Jayaparda, Asst. Civil Surgeon in Maternity Hospital, Nellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Nellore town Ramamurthy Nagar, Ward No. 16. Door No. 448/42/64 No. 15305/4.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 21-12-1974

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 21st December 1974

Ref No. RAC No. 67/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M. No. 3-5-121 & 142 situated at Eden Garden Estate, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 31-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Leelam Kapadia W/o Dhirajlal Tokarsi Kapadia, H. No. 6-3-660 Somajiguda, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Smt Kantabai Agarwal W/o Sri Ishwar Lalji Agarwal H. No. 15-1-52/.. Osmangunj, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Open land 954 Sq. Meters, plot No. B at Eden Garden, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 21-12-1974

Seal :

FORM ITNS

(2) Sri Yanati Srinivasulu Reddy

S/o Ramachandrareddy and Sri Y. Ramanamma,
W/o Y. Ramchandrareddy.
R/o Pidethapolur, village, Nellore Tq. Nellore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 26th December 1974

Ref. No. RAC No. 70/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16/473 situated at Pogathota Nellore Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nellore on 30-5-1974 for an Nellore on 30-5-1974 apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Dr. M. K. Rajagopala Chary, C/o Sri K. Santhanam, No. 10-12-163/1, Seethapalmandi, Secunderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Bearing No. 16/473 at Pogathota, Nellore.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 26-12-1974

Seal :

FORM ITNS

- (1) Sri Rameshchander Jaiswal,
Through GPA Jeethla Jaiswal, 3-5-1083
Narayanguda, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Sri Kantiyal S/o Attadas,
H. No. 3-4-433, Narayanguda Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 4th January 1975

Ref. No. RAC No. 77/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No 3-5-1066 & 1067, situated at Narayanguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 1-5-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Land and Building No. 3-5-1066 and 3-5-1067, at Narayanguda, Hyderabad.
Area 269 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range
Hyderabad

Date: 4-1-1975

Seal:

FORM ITNS—

(1) Sri Omprakash S/o Ramchander,
2-RT-38, CIB, Chandul Baradari, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Gyansilal, S/o Koushalchand
P/r in M/s Vishnu Dall & Floor Mills,
Mukthiyargunj, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 4th January 1975

Ref. No. RAC No. 78/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 18-2-45, situated Chandrayangutta, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 7-5-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1967);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereto shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: 18-2-45, Chandrayangutta, Hyderabad.
Area 8509, Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range
Hyderabad.

Date: 4-1-1975

Seal:

FORM JTNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 4th January 1975

RAC No. 79/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 3-5-1063 & 1077 situated at Narayanguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 16-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sri S. R. Jaiswal S/o Sri Jeetlal Jaiswal,
Through G.P.A. Sri Jeetlal Jaiswal
No. 3-5-1083, Narayanguda, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Arjundas, 3-4-433, Narayanguda, Hyderabad.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the bearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: House No. 3-5-1063 and 1077 situated at Narayanguda, Hyderabad.

Area: 177 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 4-1-1975

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 4th January 1975

RAC No. 80/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-1-27 situated at R. P. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 16-5-1974 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri K. Kashinath S/o Venkiah,
H. No. 3-3-86, Kurmabasti, Secunderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. Bandari Lavamma W/o B. Mallappa,
H. No. 17-2-343, Kurmaguda, Saidabad,
Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 5-1-27, at Kingsway, Secunderabad.
Area 305 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 4-1-1975
Scal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th January 1975

RAC No. 82/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-347/17/2 situated at Dwarakapuri Colony Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Hyderabad on 6-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Sri Dr. N. Ramesan, I.A.S. S/o Late Sri K. Natesa Iyer, Member Board of Revenue, Government of Andhra Pradesh, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. Neena Manchanda W/o Sri S. K. Manchanda, R/o H. No. 15, Shantinagar, Hyderabad-28. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 6-3-347/17/2, situated in S. No. 142, in Dwarakapuri Colony, Hyderabad-4.

Area : About 1640 Sq. Ft.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 7-1-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1975

RAC No. 84/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-8-747/4 situated at Nallakunta, Hyderabad, (and more fully

described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 27-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri M. Satyanarayana, 2. Smt. M. Chandamma, W/o Malliah, 3. Sri M. Ramesh Narayan, all are residing at H. No. 1-8-747/4 at Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri C. Krishnamurthy, S/o C. Veriah, R/o M-Jall, Medchal Tq. Hyderabad Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property . House No. 1-8-747/4 Nallakunta, Hyderabad.

Area : 290.13 Sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range.
Hyderabad.

Date , 10-1-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Harihai Chintaman Natu,
413/A, Shanwar Peth, Poona-2.
(Transferor)

(2) Shri Bal Vinayak Joshi,
20, Prashant Nagar, Navi Peth, Poona-30.
(Transferee)

(3) M/s Purohit General Stores,
413/A Shanwar Peth, Poona-2.
(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property . House No. 413/A-2, Shanwar Peth, Poona-2.

Area: 1600 Sq. ft.
Freehold.

H. S. AULAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Poona.

Date: 4-1-1975
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 4th January 1975

No. C.A.5/May'74/Haveli-II/152/74-75.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 413/A-2 situated at Shanwar peth, Poona-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Haveli-II, Poona on 10-5-74

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : .

FORM ITNS

- (1) Shri Raghunath Chintaman Natu,
413/A Shanwar peth, Poona-2.
(Transferor)
- (2) Shri Bal Vinayak Joshi,
20, Prashant Nagar, Navi Peth, Poona-30.
(Transferee)
- †(3) 1. Dr. S. G. Gadre
2. Shri Ram Bhave
3. Shri K. D. Deshmukh
all of 413/A Shanwar Peth, Poona-2.
(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice hereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice thereof shall be given to every person who has made right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

House property : House No. 413/A-1, Shanwar Peth, Poona-2.

Area : 1500 Sq. ft.
Freehold.

Date : 4-1-1975
Seal :

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Poona.

FORM ITNS

(1) Shri Champalal Premraj Jain,
No. 59, Kirkee Bazar, Poona-3.

(Transferor)

(2) Shri Nihalchand Roopchand Shah,
No. 57, New Bazar, Kirkee, Poona-3.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Kanyalal Ratanchand
2. Shri M. R. Jain
3. Shri Himatlal Champalal
4. Shri R. R. Kohati
5. Shri K. V. Jain
6. Shri D. R. Nagarkar
7. Shri T. V. Venkatraman
8. Shri S. K. Jain
9. Shri V. P. Agarwal
10. Shri N. R. Shah,
all at No. 57, New Bazar, Kirkee, Poona-3.
(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land & Building situated at New Bazar, Kirkee, recorded in the General Land Register of the Cantonment of Kirkee as S. No. 27/598C and bearing Cantonment Board No. 57, New Bazar, Kirkee, Poona-3.

Area : 1783.25 Sq. ft.
Land : Leasehold.

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Poona.

Date : 6-1-1975
Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 6th January 1975

No. C.A.5/Haveli-I/May'74/156/74-75.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 27/598-C, bearing Cantonment No. 57 situated at New Bazar, Kirkee, Poona-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-I, Poona on 17-5-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

FORM JTNS—

(1) Shri V. T. Kothari,
318/19, Chatursinghi Road, Poona-16
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. G. Pathak,
C/o Spaco Carburetors (India) Ltd.,
Post Box No. 13, Chinchwad, Poona-19.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 7th January 1975

No. C.A. 5/May'74/Haveli-II/157-74-75.—Whereas, I H. S. Aulakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 55/2/1 situated at Aundh, Poona-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II, (Poona) on 27-5-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot at Survey No. 55/2/1 at Aundh, Poona-7.
Area: 10452.243 sq. ft.
Freehold.

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Poona.

Date: 7-1-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) K. T. Kothari,
318/19, Chaturshinghi Road, Poona-16.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTIONS 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 7th January 1975

No. C.A.5/May'74/Haveli-II/157/74-75.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 55/2/1 situated at Aundh, Poona-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haveli-II, (Poona) on 27-5-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—
27—444—GI/74

(2) Shri D. G. Pathak,
C/o Spaco Carburettors (India) Ltd.,
Post Box No. 13, Chinchwad, Poona-19.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot at Survey No. 55/2/1 at Aundh, Poona-7.
Area : 10215 sq. ft.
Freehold.

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Poona.

Date : 7-1-1975

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) 1. Shri Gangadhar Sitaram Phule,
2. Shri Bai Gangadhar Phule,
3. Shri Ulhas Gangadhar Phule,
minor by his guardian No. 1.
4. Smt. Yamunabai Gangadhar Phule
all residing at plot No. 4, S. No. 1, Sadashiv
peth, Poona.
- (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 8th January 1975

No. C.A.5/May'74/Haveli-II/159/74-75.—Whereas, I H. S. Aulakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 124/1/A-1 situated at Parvati, Poona, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Haveli-II (Poona) on 14-5-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (2) Archana Co-op. Housing Society, Ltd., Chairman: Vishnu Vithal Gogate, Block No. 1, Varsha Apartments, 33/3 Prabhav Road, Poona-4.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE**Freehold**

Open plot at Survey No. 124/1/A-1, Parvati, Poona.
Area: 3431 sq. mtrs.

Open Plot within the limit of Poona Municipal Corporation, and bounded as follows:

On or towards the East—Nalla and vendors remaining land,

On or towards the South—Land of Smt. Taibai Phule

On or towards the West—Proposed 40 ft. T.P. Road

On or towards the North—Tavare's land.

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Poona.

Date: 8-1-1975
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 8th January 1975

No. C.A.5/May'74/Haveli-II/160/74-75.—Whereas, I H. S. Aulakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 548, Survey No. 124/1/B-1 situated at Parvati, Poona, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II (Poona) on 14-5-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) (i) Smt. Taibai Baburao Phule,
1023, Sadashiv peth, Poona.
(ii) Smt. Indumati Sopanrao Lardage,
759/75-2, Deccan Gymkhana, Poona-4.
(Transferor)

(2) Archana Co-op. Housing Society, Ltd.,
Chairman : Shri Vishnu Vithal Gogate,
Block No. 1, Varsha Apartments,
33/5 Prabhat Road, Poona-4.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold

Open Plot at Final Plot No. 548, Survey No. 124/1/B-1 at Parvati, Poona.

Area : 2692.6 sq. mtrs.

Open Plot in the limit of Poona Municipal Corporation, and bounded as follows :

On or towards the East—Nalha and Final Plot No. 546
On or towards the South—P.W.D. Colony and Final Plot No. 546.

On or towards the West—Remaining land of vendors.
On or towards the North—Final Plot No. 549.

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 8-1-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Narottam Manibhai Ramani Rameshchandra
Manibhai Patel.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 7th January 1975

Ref. No. AR.V/7/4/74-75.—Whereas, I, J. M. MEHRA, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 177, S. No. 249, Hissa No. 3 situated at Ghatkopar (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-5-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Gordhandas Shivchandrai and Mrs. Parmeshwaridevi Gordhandas.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of vacant land situate lying and being in the Village of Ghatkopar being Plot No. 17 of Garodia Nagar Scheme, Ghatkopar, being part of Survey No. 249 Hissa No. 3, in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Suburban admeasuring 950 sq. yards equivalent to 794.30 sq. meters or thereabouts.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-V,
Bombay.

Date : 7-1-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Bhimsandesh Co-operative Housing Society Ltd.,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 7th January 1975

Ref. No. AR.V/8/S/74-75.—Whereas, I, J. M. MEHRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. S. No. 292 Part Hissa No. 18 situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Trimbak Ramchandra Patil,
2. Kamlakar Ramchandra Patil

(Transferor)

*(3) T. R. Patil and K. R. Patil. [Person in occupation of the property].

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Situated in S. No. 292 Part Hissa No. L B West Mulund, Bombay-80. Area 1194.9 sq. metres.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-V,
Bombay.

Date : 7-1-1975.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.**

Bombay-20, the 10th January 1975

Ref. No. AR-V 90/74-75 (Vol. I).—Whereas, I, J. M. MEHRA,²

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 50 H. No. 1 (part) S. No. 7 H. No. 10 (part), S. No. 50 H. No. 2 (Part) situated at Village Mohili (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Bombay on 9-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Ratilal Vallabji Vora & Others partners of Sam Hita Industrial Enterprises,
(Transferor)

(2) Shri Yeshwantrai Ramkrishna Dave.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces and parcels of vacant Agricultural land situate lying and being at village Mohili of Kurla Andheri Road Taluka Kurla in the Registration Sub-District Bandra District Bombay Suburban now in Greater Bombay and admeasuring in all 2100 sq. yds. (equivalent to 1756 sq. metres) or thereabouts being Survey No. 50, Hissa No. 1 (part) Survey No. 7 Hissa No. 10 (part) and Survey No. 50 Hissa No. 2 (part) and bounded as follows : that is to say on or towards the North by land bearing Survey No. 7 Hissa No. 10 on or towards South by Nalla on or towards the East by land bearing Survey No. 50, Hissa No. 2 (part) and on or towards the West by land bearing Survey No. 50 Hissa No. 1 (part).

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-V
Bombay.

Date : 10-1-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Yeshwantrao Ramkrishna Dave,
(Transferor)(2) Shri Ratilal Vallabhbhai Vora and Ors. partners of
Sam-Hita Industrial Enterprises.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 10th January 1975

Ref. No. ARV/90/74-75 (Vol. II).—Whereas, I, J. M. MEHRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 8 H. No. I (Part) 5 and 10 situated at Village Mohili,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 9-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces and parcels of vacant Agricultural land or ground lying and being at Village Mohili of Kurla Andheri Road Taluka Kurla in the Registration Sub-District of Bandra District Bombay Suburban now in Greater Bombay and bearing the following survey Nos. and Hissa nos.

Survey No.	Hissa No.	Area sq. yds.	Area sq. metres
8	1	484	404.68
8	5	423	353.77
8	10	968	808.75
		1875	1567.10

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-V,

Date : 10-1-1975

Seal :
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG BOMBAY-20.

Bombay-20, the 30th December 1974

Ref. No. ARI/806-6/May 74.—Whereas, I, S. S. PHADKE, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CS. 1620 of Mahim Division situated at Kashinath Dhuru Street, Cadell Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 8-5-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Kirtikumar Mohanlal Mehta. (Transferor)
- (2) Shri Nanji Jivraj Karani and Ors. (Transferee)
- (3) Tenants. [Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground of freehold tenure with the messuage tenement or dwelling house standing thereon, situate lying and being at Kashinath Dhuru Street, Cadell Road in the City and Island and Sub-Registration District of Bombay containing by admeasurement five hundred and seventy four decimal seventy nine square yards i.e., 480.65 sq. metres or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue under New Survey Nos. 1624 and 1626 (part) and cadastral survey No. 1620 of Mahim Division and in the books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under G. Ward No. 2703 (3) Old Street No. 1380 and New Street No. 25A and bounded as follows:—that is to say, on or towards the East by the property of Balaram Pandurang Patelkar bearing C.S. No. 70 of Mahim Division, and on or towards the West by 20 feet land belonging to the Bombay Municipal Corporation reserved for access on or towards the North by 50 feet Cross Road now known as Kashinath Dhuru Street and on or towards the South by the property bearing C.S. 59 of Mahim Division.

S. S. PHADKE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bombay.

Date : 30th December, 1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 30th December 1974

Ref. No. ARI/806-6/May 74.—Whereas, I, S. S. PHADKE, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CS 1620 of Mahim Division situated at Kashinath Dhuru Street, Cadell Road, (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 8-5-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kirtikumar Mohanlal Mehta.
(Transferor)
- (2) Nanji Jivraj Karani & Ors.
(Transferee)
- (3) Tenants. [Person in occupation of the property].

28—444GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground of freehold tenure with the messuage tenement or dwelling house standing thereon, situate lying and being at Kashinath Dhuru Street, Cadell Road in the City and Island and Sub-Registration District of Bombay containing by admeasurement five hundred and seventy four decimal seventy nine square yards i.e., 480.65 sq. metres or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue under New Survey Nos. 1624 and 1626 (part) and cadastral survey No. 1620 of Mahim Division and in the books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under G. Ward No. 203 (3), Old Street No. 1380 and New Street No. 25A and bounded as follows:—that is to say, on or towards the East by the property of Balaram Pandurang Parelkar bearing C.S. No 70 of Mahim Division, and on or towards the West by 20 feet land belonging to the Bombay Municipal Corporation reserved for access on or towards the North by 50 feet Cross Road now known as Kashinath Dhuru Street and on or towards the South by the property bearing C.S. 59 of Mahim Division.

S. S. PHADKE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bombay.

Date : 30th December, 1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 1st November 1974

Ref. No. AP-191/I.A.C., AR-IV/74-75.—Whereas, I, Shri G. S. RAO,
the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV, Bombay
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 251, T.P.S. III situated at Mauge, Ghatkopar, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bombay on 29-5-1974, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shanta Meghji Shah, Shanti Niwas, Deodhar Rd. Matunga, Bombay-19.
(Transferor)

(2) J. K. Co-op. Hsg. Soc. Ltd. 275, J. K. House, Telang Road, Matunga, Bombay-19.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that plot of land situate lying and being at Mauge Ghatkopar in the Registration Sub-District Bandra, of Bombay Suburban District containing by admeasurement 850 square yards i.e. 710.69 square metres bearing final plot No. 251 of the Town Planning Scheme No. III Ghatkopar being City Survey No. 5731 and bounded as follows :—that is to say on or towards the North by final plot No. 252 open land and garden, on or towards South by final Plot No. 250, on or towards the East by Final Plot No. 255 and on or towards the West by 30 feet Scheme Road.

G. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-IV.
Bombay.

Date : 1st November, 1974,
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri A. M. Irani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 14th January 1975

No. AR-II/1012/2376/74-75.—Whereas, I, V. R. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 42/14, 15A, 15B (Pt) City S. No. 242, 243, 273 (and more) fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 2-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act 1961 or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Yazdan Shapoor Cooperative Housing Society Ltd.
(Transferee)

(3) Members (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situate at Vile Parle (East), Bombay-57 in the Bombay Suburban District, Registration Sub-District Bandra admeasuring about 522 square yards (equivalent to 436.45 square meters) and bearing Plot No. 12 given in the plan of the sub-Division approved by the Municipal Corporation of Greater Bombay and bearing Survey No. 42 Hissa No. 14 CTS No. 242 Survey No. 15A, CTS No. 243 and Survey No. 15B (part) CTS No. 273 and Survey No. 44 Hissa No. 2 (part) and CTS No. 252 and bounded on or towards the North by Plot No. 1 on or towards the South by Plot No. 13 on or towards the West by a chawl and on or towards the East by Mahatma Gandhi Road, Extension together with the building named Yazdan constructed thereon.

V. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date : 14-1-1975

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY-20**

Bombay-20, the 13th January 1975

No. AR-II/1014/2395/74-75.—Whereas, I, V. R. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Revised Plot No. 23 TPS No. VI S. No. 228 H. Nos. 5, 6 & 13 situated at Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 18-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act :) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons namely.—

- (1) Shri Alimuddin Gafoor Samsuddin Maniar
(Transferor)
- (2) Nava Akalpita Cooperative Housing Society Limited.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of vacant land or ground situate lying and being to the East side of a forty four feet wide public road known as Third Road in the Revenue village of Vile Parle Taluka Andheri District Bombay Suburban registration sub-district of Bandra Registration District Bombay Suburban being Final Revised Plot No. 23 (formerly plot No. 32) of Andheri Town Planning Scheme No. VI as varied originally forming part of land bearing Survey No. 228 Hissa Nos. 5, 6 and 13 admeasuring 970 sq. yds. equivalent to 800.04 meters therabouts and being assessed by the Municipal Corporation under K Ward No. 7838(5) and bounded as follows that is to say on or towards the North by the Revised Final Plot No. 21 (formerly bearing Plot No. 31) on or towards the South by a revised final plot No. 24 (formerly bearing Plot No. 34) on or towards the East by Revised Final Plot No. 22 (formerly bearing Plot No. 33) on or towards the West by the Andheri Town Planning Scheme Road No. Three and delineated on a plan annexed to the indenture and thereon shown surrounded a red coloured boundary lines.

V. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date : 13-1-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 13th January 1975

No. C.A.5/May'74/Sholapur/161/74-75.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Final plot No. 24A (Part) CTS No. 8928A/2, Survey No. 9A situated at Sholapur City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 2nd May 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the eduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas, the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C₁, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ratanchand Hirachand,
Construction House, Ballard Estate, Bombay-1.
(Transferor)
- (2) The Indian Hume Pipe Co., Ltd.,
Construction House, Ballard Estate, Bombay-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situate at Sholapur in Town Sholapur and in the Region District Sholapur Sub-District Sholapur and Taluka North Sholapur within the Municipal limits of Sholapur known as Upathyne plot bearing Survey No. 9A in Town Planning Scheme No. 4 Final Plot No. 24A (Part) CTS No. 8928A/2 admeasuring 3 acres out of which 19 gunthas have been acquired by Government and hence balance land is 2 acres 21 gunthas or 10218.3114 sq. metres being Sholapur City Survey No. 8928A/2 part and bounded as follows :

On or towards the North Survey No. CTS No. 8928A/1 part.

On or towards the South by land 19 gunthas acquired by Government for ring road.

On or towards the West by Old Barsi Road.

On or towards the East by CTS No. 8928A/1 (Part). Leasehold land.

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range, Poona.

Date : 13-1-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sukhnath Cooperative Housing Society Ltd.,
President Shri B. B. Patel.
C/o. Taluka Panchayat, Amreli.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 8th November 1974

No. 23-1-168(101)/2-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Nos. 89 & 90/1, Plot Nos. 24, 25, 26, 28 to 34 situated at Chargadh Road, Amreli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amreli on 9-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dudhiben Ramjibhai, Savjipara, Amreli.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3888-32 sq. meters bearing Survey Nos. 89 and 90/1, Plot Nos. 24, 25, 26, 28 to 34, situated at Chargadh Road, Amreli and bounded as under :—

East : Railway line.

West : Krishnanagar.

North : Sukhnathapara.

South : Chargadh Road.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range-I, Ahmedabad.

Date : 8-11-1974

Seal :

FORM JTNS

(2) M/s. Amrit Shival & Co., through its partner—
Shri Shival Chhaganlal Patel,
Ishanpur Mota, Tal. Dehgam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 20th September 1974

No. 156Acq.23-176/14-4/74-75.—Whereas, I P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 909 & 910 known as Adharia Ginning & Pressing Factory, situated at Kadi—Dist. Mehsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kadi on 7-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Navinchandra Prahladji Patel,
Prop. of Adharia Ginning & Pressing Factory,
Station Road, Kadi. (N.C.)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property known as Adharia Ginning & Pressing Factory comprising of land admeasuring 11 acres and 17 gunthas bearing Sur No. 909 and 910 factory buildings, plant & machinaries situated in Village KADI as described in Sale Deed No. 338 dated 7-5-1974 registered by the Registering Officer, Kadi.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range-II, Ahmedabad

Date : 20-9-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380003, the 28th November 1974

No. Acq 23-I-179(106)/1-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 1418, 1419, Municipal Census No. 1090, 1091, Jamalpur Ward-I, situated at Tadnisheri, Tajpur, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Manilal Ganeshji Khatri,
2. Shri Harilal Ganeshji Khatri,
3. Shri Prahlad Ganeshji Khatri,
4. Shri Vasudev Harilal Khatri,
5. Shri Ishvarlal Harilal Khatri,
6. Shri Nareshkumar Harilal Khatri,
Tadnisheri, Jamalpur, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Kursanbhai Ilusenbhai Bhati,
Champa Mill's Chawl, Near Kachni Masjid,
Jamalpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land bearing Survey No. 1418, Municipal Census No. 1090 (admeasuring 30 sq. yds); and Survey No. 1419, Municipal Census No. 1091 (admeasuring 74 sq. yds.) Sheet No. 92 of Jamalpur Ward-I and situated at Tadnisheri, Tajpur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range-I, Ahmedabad.

Date: 28-11-1974

Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th December 1974

No. Acq.23-I-182(111)/1-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 668, Sheet No. 44, Muni. Census No. 1277, 1277-I, Shahpur Ward-I situated at Near Rangila Pole Navghari, Shahpur, Ahmedabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-5-1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

29—444GI/74

- (1) 1. Shri Naranbhai Mangaldas Patel,
2. Shri Niranjan Naranbhai Mahadevia,
3. Shri Pankaj Naranbhai,
4. Smt. Pushpavati Narandas,
Bungalow No. 20, Seema Society, St. Xavier's High
School Road, Ahmedabad-14.

(Transferor)

- (2) Shri Ratilal Karshandas Gandhi,
Heera Building, 1st Parsi Wada Bombay-4.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 147 sq. yds. bearing Survey No. 668, Sheet No. 44, Municipal Census No. 1277, 1277-I, Shahpur Ward-I, and situated at Navghari, Near Rangila Pole, Shahpur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-12-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 8th November 1974

No. Acq. 23-1-189(102)/16-6/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 143, 155, 171 and house No. 2710, Ward No. 8, situated at East bank of Aji River, Rajkot, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on May, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- | | |
|--|--------------|
| <ul style="list-style-type: none"> (1) 1. Shri Manilal Dalpatrai Shukla,
2. Shri Nautamal Dalpatrai Shukla,
Near Sadar Baug., Rajkot. | (Transferor) |
| <ul style="list-style-type: none"> (2) 1. Shri Gopalji Bechar Gohel,
2. Shri Machha Karna Dabhi,
3. Shri Arunbhai Dayabhai Dabhi,
4. Shri Ashokkumar Gopalji Gohel,
5. Shri Mukund Gopalji Gohel,
10. Vijay Plot, Rajkot. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 3433-1-6 sq. yds., bearing Survey No. 143, 155, 171 house No. 2710 Ward No. 8, situated at East Bank of Aji river and near the Pamjara Bridge, and bounded as under:—

East : Temple of Sheetla mata

West : 40 ft. road.

North : 30 ft. road.

South : Wall of Jadeshwar Temple.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range-I, Ahmedabad,

Date : 8-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 28th November 1974

No. Acq.23-I-195(105)/1-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 143, F.P. No. 388, Sub-Plot No. 24, TPS No. 6, situated at Fatehnagar, Paldi, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Trustees of Composition Trust
- 1. Shri Anubhai Devjibhai Rathod,
"Dev Bhuvan", Pritamnagar, Ellisbridge,
Ahmedabad.

- 2. Shri Sarabhai Jagabhai Shah,
Deep Kunj Society, Paldi,
Ahmedabad-7.
- 3. Shri Mahendrabhai Manilal Shah,
Jain Merchant Society, Paldi, Ahmedabad.
- 4. Shri Kantilal Thakordas Kazi,
Near Pritamnagar, Akhada, Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Chandrakant Ratilal Shah,
2. Shri Dilip Ratilal Shah,
3. Shri Paresh Ratilal Shah,
4. Shri Mitrasen Ratilal Shah,
Gujarat Society, Kankaria, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow standing on land admeasuring 967 sq. yds. bearing Survey No. 143, Sub-Plot No. 24, Final Plot No. 388-24 & 388-24-1 of T.P. Scheme No. 6 and situated at Fatehnagar, Paldi, Ahmedabad and bounded as under :—

East : Sub-Plot No. 23,
West : 30' Road.
North : Sub-Plot No. 17-18
South : Sub-Plot No. 25.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 28-11-1974
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th December 1974

No. Acq.23-I-196(110)/1-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sub-Plot No. 20-1 Final Plot No. 622 T. P. Scheme No. 5 situated at Kochrab, Ahmedabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 24-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Chandulal Kalidas Patel,
2. Smt. Kantaben Chandulal,
3. Shri Surendra Chandulal Patel,
4. Shri Bhupendra Chandulal Patel,
5. Shri Prakash Chandulal Patel,
6. Shri Rajnikant Chandulal Patel,
24, Hatkeshwar Society, St. Xavier's Road,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Rohitbhai Ranchhodhbhai Patel,
Smt. Shardaben Ranchhodhbhai Patel,
Bungalow No. 7-A, Atulparks, Naranpura
Char Rasta, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 489.53 sq mtrs. bearing Sub-Plot No. 20-1, Final Plot No. 622, of T.P Scheme No. 3 and situated at Kochrab, Ahmedabad and bounded as under:—

East : Sub-Plot No. 20-2.

West : Sub-Plot No. 21

North : Road.

South : F.P. No. 621

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 21st November 1974

No. PR 171Acq.23-205/19-7&8/74-75.—Whereas, I P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 85-2 Paiki and 87-A-2 Paiki situated at Fulpada, Tal. Chorasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 10-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Suryakant Chimantal
Chanchalben Chimantal
Minors—Anil Suryakant, Piyush Suryakant,
Guardian Sushilaben Suryakant, Surat
(Transferor)

(2) Principal Officer,
Shakti Vijay Co-operative Housing Society Ltd.,
Fulpada through—
President—Dabubhai Jasbhai Patel
Secretary Harmanbhai Bhikhhabhai Patel
Member—Narendrakumar Gunvantrai Thakar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Sur. No. 85-2 and 87-A-2 Paiki—

- 1. South side plot No. 5 admeasuring 2762 Sq. yds.
 - 2. West side plot No. 1 admeasuring 2650 Sq. yds.
 - 3. South side plot No. 6 admeasuring 2762 Sq. yds.
 - 4. North side plot No. 2 admeasuring 2650 Sq. yds.
 - 5. West side plot No. 7 admeasuring 2762 Sq. yds.
 - 6. East side plot No. 3 admeasuring 2649 Sq. yds.
 - 7. North side plot No. 2 admeasuring 2632 Sq. yds.
 - 8. South side plot No. 4 admeasuring 2632 Sq. yds.
 - 9. East side plot No. 4 admeasuring 2762 Sq. yds.
 - 10. North side plot No. 3 admeasuring 2632 Sq. yds.
- situated at Fulpada, Tal. Chorasi, Dist. Surat as mentioned in the registered deeds Nos. 1732 to 1741 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 21-11-1974

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 21st November 1974

No. PR.169.Acq.23-225/6-1/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sur No. 78 Plot No. 57 (Land and Building) situated at Haribhakti Colony, near Race Course Circle, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 2-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Kanchanlal Pitamberdas Shah
2. Smt. Puspavti Kanchanlal Shah
3. Shri Dinesh Kanchanlal Shah

4. Shri Nirav Dinesh (minor) through his guardian
Shri Dinesh Kanchanlal Shah,
5. Rajesh Kanchanlal Shah through Power of
Attorney—holder, Shri Kanchanlal Pitamberdas
Shah, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Shroff Cooper & Co.,
through its partner—
Shri Vasantlal Nanalal Shroff, Bombay.

(Transferee)

(3) M/s. Shashant Trading Co.,
57, Haribhakti Colony,
Jetalpur, near Race Course, Baroda.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building on Sur No. 78 plot No. 57 at Haribhakti Colony, near Race Course Circle, Baroda.—Land admeasuring 7880 Sq. ft. with Bungalow as fully described in Sale Deed registered under Registration No. 1899 on 2-5-1974 by registering officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range-II, Ahmedabad.

Date : 21-11-1974

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD**

Ahmedabad-380009, the 21st November 1974

Ref. No. PR.170Acq.23-241/13-8/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land bearing Sur. No. 172 admeasuring 33275 Sq. yds. situated at Chaklasi Patti, Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 16-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vitthalbhai Chunibhai Desai
Shri Haribhai Chunibhai Desai
Shri Rambhai Chunibhai Desai
Desai Vago, Nadiad.
(Transferor)

(2) Gandhi Park Co-operative Housing Society Ltd. Nadiad—through its Chairman—Shashikant Ishwerbhai Patel, Secretary—Vithalbhai Shivabhai Patel. (Transferee)

(3) Shri Narendrabhai Chhaganbhai Patel—Janakpur Society, Baroda as confirming party, (person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 172 admeasuring in all 33275 Sq. Yards situated at Chaklasi Patti, Nadiad as fully described in—Sale Deeds registered under No. 1432, 1433, 1434, 1435 and 1436 on 16-5-1974 by the registering officer, Nadiad.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range-II, Ahmedabad.

Date : 21-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
HANDIOMM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009 the 8th November 1974

Ref. No. Acq.23-J-213(104)/16-6/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 27 and 28, situated at Kuvadva Road, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 30-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Kantilal Liladhar Nathwani, Karta of HUF, National Auto Spares, 531-A, Sindhulist Bridge, Chowpatty, Bombay.

(Transferor)

- (2) M/s. Kohinoor Paper Industries, Surendra Nagar Road, Rajkot.
Through its partners.
 - (1) Shri Prakash Vallabhdas Sheth,
 - (2) Shri Dinker Vallabhdas Sheth,
 - (3) Shri Rajnikant Mohanlal Sheth,
 - (4) Shri Nitin Ramniklal Sheth,
 - (5) Shri Smt. Prabhakumari Khushaldas Mehta,
 - (6) Shri Subhas Vallabhdas Sheth,
 - (7) Shri Babubhai Dayabhai Gohel
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property (with Structure) admeasuring 11 Acres 20 Gunthas, bearing 27 and 28 (Survey Numbers), situated at Kuvadva Road, Rajkot and bounded as under:—

East : Wadi of Ranchhodbhai.

West : Lalpari Street.

North : Wadi of Ranchhodbhai.

South : Wadhwan Road.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 8-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 6th January 1975

Ref. No. Acq. 23-I-218(120)/18-5/74-75.—Whereas, I. J. KATHURIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 1697, Sub-Plot No. 2/A, situated at Ambawadi, Wadhwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhwan on 31-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohanlal Danabhai Makwana, Patrawali Chawl, Gitamandir Road, Ahmedabad.

(Transferor)

30—444GI/74

(2) Gohil Potteries,
through its partners :—

- (1) Shri Tulsibhai Danabhai,
- (2) Shri Chhaganbhai Tulsibhai,
- (3) Shri Kisanlal Tulsibhai, Chhipa Chawl, Gitamandir Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 2050 sq. yds. bearing Survey No. 1697, Sub-Plot No. 2/A and situated at Ambawadi Wadhwan, Gujarat.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 6-1-1975
Seal .

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 2nd November 1974

Ref. No. PR. 167-Acq. 23-235/19-8/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rev. Sur. No. 42 Paiki and No. 43 Paiki, situated at Udhna Ta: Chorasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Surat on 3-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s. Baroda Bricks Factory through partners:—
 (1) Jeevanlal Joitaram
 (2) Jayantilal Jeevanlal
 (3) Hirala Jeevanram Sagrampura, Sachin House
 Surat.
 (Transferor)

(2) Jeevan Jyot Nagar Flats Cooperative Housing Society, Udhna, Surat through its:—
 President : Shri Maganbhai Narottambhai Patel
 Secretary : Shri Shantilal Himatlal
 Member : Shri Dineshchandra Sakerlal
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property being land (with plinth level construction) bearing Rev. Sui. No. 42 paiki and No. 43 Paiki situated at Udhna (Surat-Udhna Road) Ta : Chorasi Dist. Surat admeasuring 1364 sq. yds. (of building No. 1) as mentioned in registered deed No. 1670 of May 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II,
 Ahmedabad

Date : 2-11-1974

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1975

New Delhi-110011, the 8th February 1975

No. F.17/4/74-E.I(B).—In the Union Public Service Commission Notice No. F. 17/4/74-E.I(B) dated 7th December, 1974 relating to the Indian Forest Service Examination, 1975, published in the Gazette of India dated 7th December, 1974 the following amendments shall be made :—

(i) For the figure ‘(vi)’ occurring in line 1 of second sub-para of para 3 of Annexure II to the Notice, the figure

‘(iv)’ shall be substituted.

(ii) The words “3 (iii) above within one month after the last date for”, occurring in line 10 of the N.B. below para 3 (iv) of Annexure II to the Notice shall be deleted.

(iii) For the word “Tribes” occurring in line 22 of the form of certificate to be produced by the SC/ST candidates under para 4 of Annexure II to the Notice, the word ‘Castes’ shall be substituted.

T. D. JOSHI
Under Secretary
Union Public Service Commission

